शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 246 | गुवाहाटी | रविवार, 2 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्य में 5.80 लाख से अधिक भूमिहीन परिवार है : मंत्री मोहन पेज 3
अमित शाह का दो अप्रैल को होने वाला सासाराम दौरा स्थगित पेज 4
योगी सरकार ने 6 वर्ष में 1.92 करोड़ छात्र-छात्राओं का सरकारी स्कूल... पेज 5
पंजाब के मुख्यमंत्री ने बंद कराया आठवां टोल प्लाजा पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

भलाई करना कर्तव्य नहीं, आनंद है, क्योंकि वह तुम्हारे स्वास्थ्य और सुख की वृद्धी करता है।
– जरथुष्ट्र

न्यूज गैलरी

एनआरसी लागू करने के लिए केंद्र की मंजूरी आवश्यक : मुख्यमंत्री

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) पेश करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए केंद्र से मंजूरी की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मणिपुर के इंफाल में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान सवालों के जवाब में कहा कि एनआरसी को अकेले राज्य सरकार द्वारा पेश नहीं किया जा सकता है, इसके लिए केंद्र की मंजूरी की आवश्यकता है। मणिपुर राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

दलबदल मामले में ईसी ने शीर्ष अदालत में दायर किया हलफनामा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शीर्ष अदालत को बताया कि दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराए गए सांसदों को सदन की उसी अवधि के दौरान उपचुनाव लड़ने से रोकने के लिए निर्वाचन आयोग की कोई भूमिका नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर एक हलफनामे में चुनाव आयोग ने कहा कि कांग्रेस नेता जया ठाकुर द्वारा दायर की गई याचिका पर केंद्र सरकार ही किसी प्रकार की निर्णय ले सकती है। चुनाव आयोग ने कहा कि याचिका में शामिल -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय गृहमंत्री ने उग्रवादी संगठनों से की अपील, कहा–

मुख्य धारा में लौटें और देश के विकास में योगदान करें

एजल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पूर्वोत्तर के बाकी सक्रिय उग्रवादी संगठनों से मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। एजल में 2,414 करोड़ रुपए की 11 परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मिजोरम में शांति की स्थापना भारतीय लोकतंत्र की जीत का उदाहरण है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं पूर्वोत्तर में कुछ शेष सक्रिय उग्रवादी संगठनों से मुख्यधारा में लौटने, लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने और क्षेत्र तथा देश के विकास में योगदान देने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा कि विद्रोह का सामना करने वाले मिजोरम में शांति स्थापित हो गई है। यह भारत के लोकतंत्र की जीत का एक अभूतपूर्व उदाहरण है। शाह ने राज्य में नए असम राइफल्स बटालियन मुख्यालय परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य उग्रवाद, रेल, सड़क और हवाई संपर्क की कमी से जुझ रहा था और 2014 में जब केंद्र में मोदी सरकार आई, तब यहां विकास का कोई नामोनिशान नहीं था। शाह ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में, हम पूर्वोत्तर में शांति लाने में सफल रहे हैं, कनेक्टिविटी में सुधार किया है और इस क्षेत्र को विकास के मामले में देश के अन्य हिस्सों के बराबर लाया है। केंद्र को पूर्वोत्तर के विकास के लिए समर्पित बताते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इस क्षेत्र के लिए बजट आवंटन में 276 प्रतिशत की वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 2025 तक 1,76,000 करोड़ रुपए के परियोजना के साथ सभी आठ राज्यों की राजधानी को रेल, सड़क और हवाई संपर्क से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद से पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में 67 फीसदी की कमी आई है, जबकि सुरक्षा बलों की मौत में 60 फीसदी तक कम हुई है। वहीं, नागरिकों की मौत में 83 फीसदी की कमी देखी गई है। उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक क्षेत्र में लगभग 8,000 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। हमने 2019 में त्रिपुरा में एनएलएफटी के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किया है, त्रिपुरा में 37,000 ब्रू का पुनर्वास किया है और 2020 में बोडो समझौते पर हस्ताक्षर करके असम में शांति स्थापित की है। इसके अलावा साल 2022 में कार्बी आंग्लांग -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने महंगाई भत्ते में चार फीसदी की बढ़ोतरी की

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम सरकार ने राज्य सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाने की घोषणा की है। इस बात का एलान खुद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने किया है। अब नई डीए दर 38 फीसदी से बढ़ाकर 42 फीसदी कर दिया गया है। शर्मा ने 1 अप्रेल को बताया कि राज्य सरकार के कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए महंगाई भत्ता 1 जनवरी, 2023 से अतिरिक्त 4 फीसदी बढ़ा दी गई है। अब नई डीए दर 42 फीसदी है। इसकी घोषणा असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने ट्विटर पर की है। उन्होंने लिखा कि हमारी सरकार है जो अपने कर्मचारियों की परवाह करती है। मुझे घोषणा करते हुए खुशी -शेष पृष्ठ दो पर

गोल्डन सिल्क पार्क और वाणिज्यिक केंद्र का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राज्य के हथकरघा, वस्त्र और रेशम विभाग की पहल के तहत गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित रेशम नगर में स्थापित गोल्डन सिल्क पार्क और वाणिज्यिक केंद्र का औपचारिक तौर पर उद्घाटन किया। केंद्र के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुझे बेहद खुशी हो रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि असम के रेशम उद्योग ने अतीत से ही एक विशेष -शेष पृष्ठ दो पर

समय पर सुनवाई पूरी नहीं होना लोगों के साथ अन्याय : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को कहा कि जेलों में भीड़ बहुत है। वहां रहने की स्थिति भयावह है। अदलातें ये सुनिश्चित करें कि जिन मामलों में कड़े कानून और कड़े प्रावधान लागू होते हैं, उन्हें जल्दी खत्म करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि मुकदमे समय पर खत्म नहीं होते, तो व्यक्ति पर जो अन्याय हुआ है, वह अथाह है। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत एक व्यक्ति को जमानत पर रिहा करते हुए कहा। कारावास के -शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना : डब्ल्यूएचओ ने की बुजुर्गों और कमजोरों के लिए बूस्टर डोज की मांग

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। कई देशों में एक बार फिर से कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसी के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुजुर्गों और अन्य कमजोर समूहों के लिए बूस्टर डोज की सिफारिश की है। संक्रमण और वैक्सीनेशन के कारण ओमिक्रोन और उच्च जनसंख्या-स्तर की प्रतिरक्षा के प्रभाव को दर्शाने के लिए कोविड वैक्सीन के उपयोग को प्राथमिकता देने के लिए रोडमैप को संशोधित किया। एसएजीई अध्यक्ष डॉ हन्ना नोहिनेक ने एक बयान में बताया कि संशोधित रोडमैप उन लोगों के वैक्सीनेशन के महत्व पर फिर से जोर देता है जो अभी भी गंभीर बीमारी के जोखिम में हैं, ज्यादातर पुराने वयस्क और अतिरिक्त बूस्टर के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

देश में 2,994 नए मरीज, 24 घंटे में सात की मौत

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2,994 नए मरीज सामने आए हैं। इस दौरान सात संक्रमित लोगों की मौत हो गई। इस अवधि में 1,840 मरीज स्वस्थ हुए हैं। अब तक कोरोना वायरस से 4,41,71,551 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। रिकवरी रेट 98.77 -शेष पृष्ठ दो पर

एस जमीर नगालैंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नियुक्त

कोहिमा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने एस सुपोंगमेरेन जमीर को नगालैंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। थेरी ने हाल ही में संपन्न राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए नगालैंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एनपीसीसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले, नगालैंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एनपीसीसी) ने राज्य के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो को एक पत्र लिखा और राज्य में -शेष पृष्ठ दो पर

देश में 66.9 करोड़ लोगों का डेटा चोरी, आरोपी गिरफ्तार

ओडिसा। हैदराबाद के साइबराबाद पुलिस ने देश का सबसे बड़ा डेटा चोरी मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में विनय भारद्वाज नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार ये शख्स देश के 66.9 करोड़ लोगों और संस्थाओं का डेटा चोरी करके दूसरों को बेचता है। यानी देश की आधी आबादी का डेटा इसके पास है। जिसमें 51.9 करोड़ लोगों के निजी और गोपनीय डेटा और 24 राज्यों और 8 मेट्रो शहर के संस्थाओं के डेटा चोरी करके अपने पास रखा है। जानकारी के आरोपी छात्र के पास बाईजूस और वेदांतु स्टूडेंट का डेटा मौजूद है। इसके अलावा जीएसटी (पान इंडिया), आरटीओ (पान इंडिया), अमेजॉन, नेटफ्लिक्स, यूट्यूब, पेटीएम, फोनपे, बिग बास्केट, बुक माइ शो, इंस्टाग्राम, जोमैटो, पालिसी बाजार जैसे संस्थाओं -शेष पृष्ठ दो पर

चुनौती के बीच आज गुवाहाटी आएंगे सीएम अरविंद केजरीवाल

गुवाहाटी /नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान रविवार को असम पहुंच रहे हैं। वे गुवाहाटी के भरलुमुख में आयोजित होने वाली एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इसे लेकर आप के कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं। दूर-दूर से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता गुवाहाटी आने शुरू हो गए हैं। माना जा रहा है कि इस दौरान अरविंद केजरीवाल कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की असम यात्रा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की चुनौती के बीच हो रही है, जिसमें हिमंत ने शुक्रवार को ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद -शेष पृष्ठ दो पर

साहिबगंज में विसर्जन जुलूस पर पथराव, कई घायल

साहिबगंज। साहिबगंज में शनिवार की शाम विसर्जन जुलूस पर कुछ अराजक तत्वों ने पथराव कर दिया। इससे जुलूस में शामिल कुछ लोगों के साथ-साथ पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। उपद्रवियों ने एक बाइक में भी आग लगा दी। उपायुक्त रामनिवास यादव, एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा, एसडीओ राहुल आनंद आदि वरीय पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। स्थिति नियंत्रण में है। जिला मुख्यालय में चार जगह दुर्गा पूजा होती है। इन्हीं प्रतिमाओं का विसर्जन शनिवार दोपहर से चल रहा था। सकरूगढ़ चैती दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन कर दिया गया। रसुलपुर दहला की प्रतिमा विभिन्न मुहल्लों का भ्रमण करते हुए कृष्णानगर से गुजर रही थी। इसी क्रम में रेलवे लाइन की ओर से कुछ लोगों ने पत्थरबाजी कर दी, जिससे कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

उमंग और तरंग का प्रतीक है वंदे भारत ट्रेन : पीएम

भोपाल (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वंदे भारत ट्रेन नए भारत की उमंग और तरंग का प्रतीक है। यह भारत की आधुनिकतम ट्रेन है, जिसके लोकार्पण का उन्हें सौभाग्य मिला है। रेलवे के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि कोई प्रधानमंत्री इतने कम अंतराल में किसी रेलवे स्टेशन पर दोबारा किसी कार्यक्रम में आया है। पहले रानी कमलापति स्टेशन के लोकार्पण में आया था और आज वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने आया हूं। प्रधानमंत्री शनिवार को भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने ट्रेन के कोच में जाकर स्कूली बच्चों से बातचीत की। उन्होंने ड्राइविंग कैब के क्रू मेम्बर्स से भी संवाद किया। वंदे भारत एक्सप्रेस पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश निरंतर विकास की गाथाएं लिख रहा है। खेती, उद्योग, गरीबों के लिए घर, हर घर जल से नल, गेहूं उत्पादन आदि अनेक क्षेत्रों में प्रदेश अग्रणी है। पहले बीमारू कहा जाने वाला राज्य आज हर क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। हमें विकसित भारत में मध्य प्रदेश की भूमिका को और बढ़ाना है। नई वंदे भारत ट्रेन इसी संकल्प का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आज मध्य प्रदेश को पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन मिली है। ये ट्रेन प्रोफेशनल्स, नौजवानों, कारोबारियों के लिए नई सुविधा लेकर आएगी। भारत अब नई सोच, नई अप्रोच के साथ काम कर रहा है। बीते नौ वर्षों से हमारा निरंतर ये प्रयास है कि -शेष पृष्ठ दो पर

फिर भाषा पर बवाल, अब रेलवे स्टेशन के नेमबोर्ड पर पोती कालिख

चेन्नई। तमिलनाडु में हिंदी का विरोध बढ़ता जा रहा है। बता दें, चेन्नई फोर्ट रेलवे स्टेशन से एक तस्वीर सामने आई है। जिसमें कुछ उपद्रवी तत्वों ने चेन्नई फोर्ट रेलवे स्टेशन के नेमबोर्ड पर हिंदी भाषा में लिखे अक्षरों को काले रंग से पेंट कर दिया है। मामले की जानकारी होते ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार एक दिन पहले यानी 31 मार्च को रेलवे के अधिकारियों को रेलवे स्टेशन का नेमबोर्ड खराब होने की खबर मिली थी। बदमाशों ने हिंदी भाषा के विरोध के चलते नेमबोर्ड पर हिंदी के लिखे अक्षरों को काले रंग से पेंट कर दिया है। वहीं उन्होंने अंग्रेजी और तमिल नामों से लिखे अक्षरों के साथ छेडछाड़ नहीं की है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

चीनी राजदूत का बड़ा बयान, कहा –

भारत-चीन रिश्तों का एशिया के भविष्य पर होगा असर

कोलकाता। भारत-चीन सीमा पर *आपातकालीन नियंत्रण* की पहले की स्थिति अब अतीत की बात है और कुल मिलाकर यह स्थिति वर्तमान में स्थिर है। चीन के वरिष्ठ राजनयिक चेन जियानजुन ने कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत की दौरान यह बात कही। चीनी दूतावास के मिनिस्टर काउंसलर ने कहा कि दोनों एशियाई दिग्गज राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से संचार बनाए रखना जारी रखते हैं, जिससे सीमा की स्थिति को सामान्य प्रबंधन और नियंत्रण में बदलने को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि सीमा पर मौजूदा स्थिति कुल मिलाकर स्थिर है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर नौ दिसंबर को भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों के कुछ जवान मामूली रूप से घायल हो गए थे। पूर्वी लद्दाख में दोनों पक्षों के बीच सीमा पर गतिरोध के बीच यांगत्से के पास झड़प हुई थी। जून 2020 में गलवान घाटी में हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में काफी गिरावट आई, जो दशकों में दोनों पड़ोसी देशों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था। जियानजुन ने कहा, बीजिंग ने हमेशा चीन-भारत संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा और संभाला है। हालांकि, संबंधों में कुछ कठिनाइयां हैं, लेकिन चीन की स्थिति कभी नहीं डगमगाई है और हम उसे स्वस्थ एवं स्थिर विकास के रास्ते पर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश अपनी प्राचीन सभ्यताओं से ताकत हासिल कर सकते हैं और दुनिया के साथ प्राचीन ज्ञान को साझा कर सकते हैं, ताकि संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की स्थिरता को बनाए रखा जा सके। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं और यह एशिया व उससे परे के भविष्य पर असर डालेगा। जियानजुन ने कहा कि चीन जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता के दौरान भारत की भूमिका को पूरा करने में उसका समर्थन करता है। चीन और भारत का द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, शैक्षिक और अन्य लोगों के बीच आदान-प्रदान और सहयोग व्यवस्थित तरीके से फिर से शुरू हो रहा है। राजनयिक ने कहा कि चीन और भारत कई क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर समान स्थिति साझा करते हैं और दक्षिण-दक्षिण सहयोग, विकास और गरीबी में कमी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा में व्यापक साझा हित हैं।

राहुल की सदस्यता वापसी की मांग में छमरीया ब्लॉक कांग्रेस समिति का प्रेसवार्ता आयोजित

नागरबेड़ा (विभास)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के पूर्व अध्यक्ष और युवा राज राहुल गांधी के सांसद पद की बर्खास्तगी के बाद अदालत द्वारा दो साल की जेल की सजा सुनाए जाने पर कड़ी प्रतिक्रियाएं आई हैं और विरोध जारी है। राहुल गांधी के सांसद पद की वापसी और जेल की सजा के आदेश को वापस लेने की मांग को लेकर असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेड़ा स्थित (इंदिरा भवन) के छमरीया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से आज एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। पत्रकार वार्ता में भाजपा पार्टी की कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए छमरिया प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष धनेश्वर बायन ने कहा कि वर्तमान समय में पूरे भारत में राहुल गांधी की लोकप्रियता बढ़ने से सत्तारूढ़ भाजपा सरकार चिंतित है, जिसके कारण राहुल गांधी के खिलाफ साजिश शुरू कर दी गई है। संवाददाता सम्मेलन में मौजूद कामरूप जिला कांग्रेस महासचिव अब्दुल बारिक ने यह जानकारी दी है कि राहुल गांधी ने काश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत जोड़ो यात्रा करके जो सफलता प्राप्त की उससे भाजपा संका में पड़ गए इसलिए साधारण एक मानहानि केस में लोकसभा सदस्यता और अदालत द्वारा दो साल की सजा सुनाना अन्याय है। प्रेस विज्ञप्ति में कांग्रेस के ब्लैक अध्यक्ष धनेश्वर वायन, उपाध्यक्ष साइजुद्दिन अहमद, बीछीछी साधारण सचिव क्रमानुसार अब्दुल मजिद मंडल, सरवेश आली, राजीव चौधुरी, सचिव नवाव हवीवुल्ला और पिजुपाड़ा मंडल अध्यक्ष सुरेन दास आदि अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता सामिल रहें। राहुल गांधी की सांसद के रूप में वापसी और जेल की सजा वापस लेने की मांग की गई।

केको छिपकली के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिला के बिजनी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने एक अभियान में दुर्लभ प्रजाति की दो केको छिपकली के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान ग्वालपाड़ा जिला के कृष्णाई निवासी जहानुर अली (42) और अब्दुल गनी (33) के रूप में हुई है। एसएसबी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार दोनों तस्कर पेशे से ड्राइवर हैं। मिली जानकारी के अनुसार बिजनी के कुमारशाली स्थित एसएसबी की 15वीं बटालियन के इंस्पेक्टर उमेश कुमार के नेतृत्व में एसएसबी की एक टीम ने बीती रात छापेमारी की और दोनों तस्करों को एक कार (एएस-19एम-1928) से ग्वालपाड़ा से बिजनी के कुकलुंग की ओर जाते समय गिरफ्तार कर लिया। एसएसबी ने जब्त केको छिपकली सहित दोनों तस्करों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बिजनी वन डिपो कार्यालय को सौंप दिया। वन विभाग ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

हैलाकांदी के तीन ग्राम पंचायतों में आर्थिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन कल

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी जिला के धलाई-मलाई जीपी कार्यालय, सहाबाद जीपी कार्यालय और रंगबाक जीपी कार्यालय में आगामी सोमवार को तीन आर्थिक सशक्तिकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह विभिन्न विभागीय सरकारी योजनाओं के तहत आम लोगों के लिए खाते खोलेगा। इन तीनों शिविरों का आयोजन सोमवार को केंद्र सरकार के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा हैलाकांदी जिले में आयोजित आर्थिक सशक्तिकरण शिविर के तहत किया गया है। शिविर में विभिन्न आर्थिक सशक्तिकरण योजनाओं के अंतर्गत जनता को जिला प्रशासन के नियंत्रण में लाने का प्रयास किया जाएगा। आर्थिक रूप से पिछड़े आकांक्षी जिले के रूप में हैलाकांदी जिले में इस प्रकार की आर्थिक सशक्तिकरण योजना लागू की जा रही है। यह जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन योजना, स्वयं सहायता समूह ऋण, आधार कार्ड लिंकिंग और मुद्रा योजना जैसी विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत जनता को जोड़ने के लिए आयोजित किया जा रहा है। गौरतलब है कि वित्तीय सेवा विभाग की पहल के तहत देश के 40 जिलों में इस तरह का कार्यक्रम 2020 में एक महत्वाकांक्षी जिले के रूप में चल रहा है। 2021 में 112 जिलों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी तरह की आर्थिक सशक्तिकरण योजना 2023 में हैलाकांदी में शुरू की गई है। यह कार्यक्रम अगले छह माह तक पूरे जिले में चलेगा। जिला प्रशासन से सोमवार को इन तीनों शिविरों में संबंधित ग्राम पंचायतों की जनता को मौका देने का अनुरोध किया गया है।

मलेशिया के साथ इंडियन करेंसी में व्यापार करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत और मलेशिया अब अन्य मुद्राओं के साथ-साथ भारतीय रुपए में भी व्यापार कर सकेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले साल जुलाई में भारतीय मुद्रा में विदेशी व्यापार करने की मंजूरी दी थी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत और मलेशिया के बीच व्यापार अन्य मुद्राओं के साथ-साथ अब भारतीय रुपए में भी किया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि आरबीआई की पहल का उद्देश्य व्यापार वृद्धि को सुगम बनाना और वैश्विक व्यापारिक समुदाय के हितों का भारतीय रुपए में समर्थन करना है।

दुष्कर्म के दोषी को 25 वर्ष की सजा

कोकराझार (हिंस)। कोकराझाड़ जिला एवं सत्र न्यायालय की विशेष अदालत ने शनिवार को दुष्कर्म के एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। न्यायालय ने आरोपी गाजी रहमान को दोषी करार देते हुए 25 वर्ष की सजा और 20 हजार रुपए के अर्थ दंड की सजा सुनाई है। उल्लेखनीय है कि जिला के एक गांव में 10 सितंबर, 2019 में 14 साल की किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गोसाईगांव थाने में प्राथमिकी दर्ज करी थी। पुलिस ने करवाई करते हुए जमुनातारी गांव के निवासी गाजी रहमान को गिरफ्तार किया था। घटना के तीन वर्ष बाद शनिवार को कोकराझाड़ जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश ने सबूतों और गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए 25 वर्ष की सजा और 20 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई।

NIT NO. NIT/TCI/1/2022/48
SHORT NOTICE INVITING E-TENDER

The Superintending Engineer, Tezpur Circle (Irrigation), Tezpur on behalf of Governor of Assam invites online bids for the works of **"Parmaighuli Solar Powered MDTW (2 Points) under Balipara Development Block under RIDF-XXVIII (NABARD) for the year 2022-23"** amounting to **Rs. 59.41184 Lakhs (Approx)** under Tezpur-Rangapara Division (Irrigation) Tezpur from the registered contractor/firm of Irrigation Department. Details may be seen at web site http://assamtenders.gov.in also in the office of the undersigned during office hours from 03.04.2023 to 25.04.2023 up to 1PM.

Sd/-
Superintending Engineer
Tezpur Circle (Irrigation)
Tezpur

-- Janasanyog /C/40/23

Apollo HOSPITALS
APOLLO HOSPITALS CHENNAI
COLORECTAL CLINIC
DR. VENKATESH MUNIKRISHNAN MRC(Ed),FRCS(Colorectal),CCT(UK)
Will be available only for consultation at **Guwahati**
on **8th April'2023**
Patients Suffering from Piles, Constipation, Colorectal Cancer, Anal Lump, Rectal Bleeding, Anal Pain & Anal Fistula can register their names at:
APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

मुख्य धारा में ...

में एक शांति समझौता किया है। शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री जोरमथांगा के नेतृत्व में पिछले दशक में मिजोरम की अर्थव्यवस्था में 12.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, इसलिए केंद्र राज्य में पर्यटन, बांस और सौर ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाश करेगा। उन्होंने कहा कि कलादान मल्टी-मोडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट मिजोरम को म्यांमार से जोड़ेगा और पूर्वोत्तर राज्य में आर्थिक विकास लाएगा।

राज्य सरकार ने ...

हो रही है कि 1 जनवरी, 23 से राज्य सरकार के कर्मचारियों/पेंशनभोगियों और अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए अतिरिक्त 4फीसदी महंगाई भत्ता बढ़ाई गई। नई डीए दर अब 42 फीसदी है। असम के सीएम ने भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा और भाजपा के महासचिव बीएल संतोष को भी अपने पोस्ट में टैग किया है। केंद्र सरकार के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी कर दी गई है। 24 मार्च को हुई कैबिनेट की बैठक में सरकारी कर्मचारियों के लिए डीए बढ़ोतरी की घोषणा की गई। केंद्र सरकार ने अपने एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता 4 प्रतिशत बढ़ाकर कुल 38 प्रतिशत से 42 प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि महंगाई भत्ते, या डीए में बढ़ोतरी के लिए केंद्र 12,815 करोड़ रुपए खर्च करेगा। सरकार ने कहा है कि 1 डीए बढ़ोतरी को 1 जनवरी, 2023 से लागू किया गया है।

गोल्डन सिल्क पार्क ...

स्थान बनाया है। गुवाहाटी के खानापाड़ा केंद्र में रेशम फार्म रेशम के उत्पादन में एक विशेष स्थान रखने के साथ-साथ क्षेत्र को सुशोभित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस रेशम फार्म पर स्थापित गोल्डन सिल्क पार्क और वाणिज्यिक सेंटर से राज्य के रेशम उद्योग को विशेष प्रोत्साहन मिलेगा और पर्यटन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस व्यावसायिक केंद्र में किसानों को रेशम के सांचे एवं रेशम उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा रेशम से बने स्वदेशी बुनकरों द्वारा बनाए गए वस्त्रों को उचित मूल्य पर बेचने की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस कदम से निश्चित रूप से राज्य में रेशम वस्त्रों के उत्पादन और विपणन में शामिल किसानों, बुनकरों और उद्यमियों को लाभ होगा।

समय पर सुनवाई पूरी...

और भी हानिकारक प्रभाव होते हैं। जहां अभियुक्त आर्थिक रूप से कमजोर हो जाता है। साथ ही व्यक्ति को आजीविका का तत्काल नुकसान और कई मामलों में परिवारों के बिखरने के साथ-साथ पारिवारिक बंधन भी टूट जाते हैं और समाज से अलगाव रहता है। पीठ ने कहा कि अदालतों को इन पहलुओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। अदालतों को सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन मुकदमों में कड़े प्रावधान और कानून लागू होते हैं, वे तेजी से चलें और जल्दी खत्म हो जाएं। कोर्ट ने कहा कि जिन मामलों में जमानत देने की कड़ी शर्तें हैं, वह जनहित में आवश्यक हो सकते हैं। लेकिन अगर जांच जल्द खत्म नहीं होती तो उस व्यक्ति के साथ जो अन्याय हुआ है, वह अथाह है। कोर्ट ने कहा कि जेलों में अत्यधिक भीड़भाड़ है। यहां रहने की स्थिति अक्सर भयावह होती है। संसद में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो ने बताया था कि साल 2021 तक 5,54,034 से अधिक कैदी जेल में बंद थे। देश में 4,25,069 की कुल क्षमता है। इनमें 1,22,852 कैदी दोषी थे। बाकि 4,27,165 कैदी विचारधीन हैं। शीर्ष अदालत ने व्यक्ति को जमानत पर रिहा करने का आदेश देते हुए कहा कि वह सात साल चार महीने से अधिक समय से हिरासत में है। मुकदमे की प्रगति कछुआ गति से चल रही है। क्योंकि, अब तक 30 गवाहों की जांच की गई है, जबकि 34 और की जांच की जानी है।

कोरोना : डब्ल्यूएचओ ने ...

अंतर्निहित स्थिति वाले हैं। संशोधित रोडमैप में कोविड वैक्सीनेशन के लिए तीन प्राथमिक उपयोग समूहों की रूपरेखा दी गई है: उच्च, मध्यम और निम्न। ये प्राथमिकता समूह मुख्य रूप से गंभीर बीमारी और मृत्यु के जोखिम पर आधारित होते हैं, और वैक्सीन के प्रदर्शन, लागत-प्रभावशीलता, कार्यक्रम संबंधी कारकों और सामुदायिक स्वीकृति पर विचार करते हैं। उच्च प्राथमिकता वाले समूह में वृद्ध वयस्क, महत्वपूर्ण कॉमरेडिटी वाले युवा वयस्क, छह महीने की उम्र के बच्चों और वृद्ध गर्भवती व्यक्तियों और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं सहित इम्यूनोकॉम्प्रोमाइजिंग स्थितियों वाले लोग शामिल हैं। उच्च प्राथमिकता वाले समूह के लिए, एसएजीई अंतिम खुराक के बाद 6 या 12 महीने के अतिरिक्त बूस्टर की सिफारिश करता है, जिसकी समय सीमा उम्र और इम्यूनो कम्प्रोमाइजिंग स्थितियों जैसे कारकों पर निर्भर करती है। डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि सभी कोविड वैक्सीन सिफारिशें समय-सीमित हैं और केवल वर्तमान महामारी परिदृश्य के लिए ही लागू की जानी चाहिए। इस प्रकार वैश्विक स्वास्थ्य निकाय ने कहा कि अतिरिक्त बूस्टर के लिए सिफारिशों को निरंतर वार्षिक कोविड वैक्सीन बूस्टर के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। नोहेनेक ने कहा कि देशों को यह तय करने में अपने विशिष्ट संदर्भ पर विचार करना चाहिए कि स्वस्थ बच्चों और किशोरों जैसे कम जोखिम वाले समूहों को टीकाकरण जारी रखना है या नहीं, जबकि नियमित टीकों से समझौता नहीं करना चाहिए, जो इस आयु वर्ग के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में शनिवार को बीते 24 घंटे के दौरान 2,994 नए कोविड संक्रमण दर्ज किए और सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 16,354 हो गई, जबकि 9 मौतों के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,30,876 हो गई। दिल्ली, कर्नाटक और पंजाब में दो-दो, गुजरात से एक और केरल से दो लोगों की मौत हुई।

देश में 2,994 नए...

प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार देश में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 16,354 हो गई है। दैनिक संक्रमण दर 2.09 प्रतिशत है। टीकाकरण की बात करें तो पिछले 24 घंटे में 9,981 खुराक दी गई हैं। देश में अबतक कोरोना से बचाव के टीके की 220.66 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। पिछले 24 घंटे में 1,43,364 लोगों की जांच की गई है। अबतक कुल 92.16 करोड़ लोगों की जांच की जा चुकी है।

एस जमीर नगालैंड ...

शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए गैर-दलीय लोकतांत्रिक चुनाव का आह्वान किया। फरवरी महीने में हुए चुनाव में नगालैंड में एनडीपीपी को 25 और उसकी सहयोगी पार्टी भाजपा को 12 सीटें मिली थीं। कांग्रेस नगालैंड में खाता तक नहीं खोल पाई थी।

देश में 66.9 करोड़ ...

के कस्टमर्स या कंज्यूमर के डेटा भी आरोपी के पास से मिला है। वहीं बैंक, इन्सुरेंस, फाइनांसियाल सर्विस, डॉक्टर्स, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डिफेंस कर्मचारी, सरकारी कर्मचारी, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नीट छात्रों के डेटा उसके पास मौजूद है। यह आरोपी दिल्ली के बॉर्डर से जुड़े फरीदाबाद से *इंस्पायर वेब्ज* नामक वेबसाइट चलाता है, जो अपने क्लाइंट्स को क्लाउड ड्राइव लिंक्स के द्वारा बेचता है। हैरानी वाली बात ये है कि इसके पास 6 मेट्रो शहर के 4.5 लाख सैलरी वाले कर्मचारियों का डेटा मौजूद हैं, जिसमें गुजरात भी शामिल है। आरोपी की गिरफ्तारी पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है। आपको बता दें पुलिस ने एक महीने पहले रक्षाकर्मियों समेत 16.8 करोड़ लोगों का डाटा चोरी करने वाली एक गैंग का खुलासा किया था। पुलिस ने इस मामले में जानकारी देते हुए कहा था कि सात साइबर ठगों को अरेस्ट किया था। इनमें से तीन आरोपी नोएडा के थे जो एक कॉल सेंटर से ठगी करते थे। पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़ मामले की पूछताछ शुरु कर दी थी।

चुनौती के बीच आज...

केजरीवाल को *कायर* करार देते हुए और विधानसभा परिसर के बाहर उनके खिलाफ बोलने की चुनौती दी। गुवाहाटी में आम आदमी पार्टी (आप) के मेगा राजनीतिक सम्मेलन से पहले, आप राज्य इकाई ने दावा किया कि दो अप्रैल को असम के राजनीतिक इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक के रूप में चिह्नित किया जाएगा। गुवाहाटी में पत्रकारों सम्मेलन में पार्टी ने कहा कि दोनों मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं करेंगे, जो राज्य के राजनीतिक परिदृश्य को उलट सकती हैं। आप असम के संयुक्त समन्वयक कमल मेधी ने कहा कि हमारी पार्टी के सदस्य राज्य में भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देखने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, दो अप्रैल असम की राजनीति के लिए एतिहासिक दिन होगा। कुछ दिन पहले ही आप असम के राज्य समन्वयक, डॉ भाबेन चौधरी ने राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से शहरी निवासियों की कुछ शहरी समस्याओं पर ध्यान देने की अपील की थी। भाबेन चौधरी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर अपनी चिंता का जिक्र करते हुए कहा कि अगर सीएम केजरीवाल के दौरे के दिन भारी बारिश होती है, तो यह दिखाना दयनीय होगा कि लोग जल जमाव से कैसे पीड़ित हैं। चौधरी ने सीएम शर्मा से शहर की ट्रैफिक लाइटों के मुद्दे को देखने का भी आग्रह किया, जो काम करना बंद कर चुकी हैं।

उमंग और तरंग ...

भारतीय रेल दुनिया का श्रेष्ठ नेटवर्क बने। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें वोट बैंक के तुष्टीकरण की नीति अपनाती थी। हम देशवासियों के संतुष्टीकरण पर ध्यान दे रहे हैं। पहले की सरकार एक ही परिवार को प्रथम परिवार मानती थी और गरीब मध्यमवर्गीय परिवारों पर ध्यान नहीं देती थी। हमारी सरकार हर भारतीय परिवार के कल्याण और संतुष्टि के लिए कार्य कर रही है। मोदी ने कहा कि जब यह कार्यक्रम तय हुआ तो मुझे बताया गया कि एक अप्रैल को कार्यक्रम है। मैंने कहा कि एक अप्रैल को क्यों रखा है? जब अखबार में खबर आएगी कि मोदी जी एक अप्रैल को हरी झंडी दिखाने वाले हैं, तो हमारे कांग्रेस के मित्र बयान देंगे कि मोदी अप्रैल फूल बनाएगा। उन्होंने कहा कि देश में विकास के लिए हो रहे प्रयासों के बीच आपको एक बात बताना चाहता हूं। 2014 के बाद से देश में कुछ लोग ठानकर बैठे हैं कि मोदी की छवि धूमिल करेंगे। इसके लिए संकल्प भी घोषित किया है। इन लोगों ने भांति-भांति के लोगों को सुपारी दे रखी है। खुद भी मोर्चा संभाले हुए हैं। इनका साथ देने के लिए कुछ लोग देश के अंदर हैं तो कुछ बाहर बैठकर अपना काम कर रहे हैं। यह लगातार कोशिश करते रहे हैं कि किसी तरह मोदी की इमेज को धूमिल कर दें। आज हर भारतीय मोदी का सुरक्षा कवच है, इसीलिए ये लोग बौखला गए हैं। नए-नए पैंतरे अपना रहे हैं। मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 तक नॉर्थ ईस्ट रेलवे से नहीं जुड़ा। हमारी सरकार आने के बाद हमने उसे रेलवे से जोड़ा और रेलवे का कायाकल्प किया। हमने *वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट* योजना से कारीगरों के कपड़े, कलाकृतियों, पेंटिंग्स, बर्तन इत्यादि का विक्रय के लिए पूरे भारत में 600 से अधिक आउटलेट रेलवे स्टेशन पर खोले हैं, जिसका लाभ आज लाखों लोग ले रहे हैं। रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया गया है, छह हजार रेलवे स्टेशन वाईफाई से लैस हैं और 900 रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी का काम पूरा हो गया है। वंदे भारत ट्रेन पूरे भारत में सुपरहिट रही है और हर कोने से इन्हें चलाने की मांग आ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश सहित देश के 11 राज्यों में रेलवे ट्रेक का शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन हो गया है। इलेक्ट्रिफिकेशन की रफ्तार वर्ष 2014 से पहले 600 किलोमीटर प्रति वर्ष थी, अब वह बढ़कर 6000 किलोमीटर प्रति वर्ष हो गई है।

फिर भाषा पर...

जीआरपी पुलिस ने इस प्रकरण में केस दर्ज कर लिया है। और दो लोगों की तलाशी भी शुरु कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार दोनों ही आरोपियों ने नशा कर रखा था। और हिंदी अक्षरों को काले रंग से पेंट रहे थे। सूत्रों के अनुसार पुलिस को बदमाशों की जानकारी जुटाने में दिक्कत हो रही है। क्योंकि स्टेशन पर लगे कई सीसीटीवी पहले से खराब हैं। मामले को बढ़ता देख रेलवे प्रशासन ने कुछ ही देर में चेन्नई फोर्ट रेलवे स्टेशन के हिंदी अक्षरों को नेमबोर्ड पर फिर से लिखा गया। हाल ही में एफएसएसएआई ने दही के पैकेट में दही हिंदी में लिख दिया था। जिसके बाद वहां काफी विवाद गर्मगाया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस फैसले का विरोध किया था। और कहा था ये केंद्र सरकार की हिंदी को थोपने की साजिश है। विवादों को बढ़ता देख दुग्ध उत्पादन कंपनी ने अपनी फैसले को वापस ले लिया था। और पहले की तरह हिंदी शब्द दही की जगह तमिल शब्द तायिर लिखना शुरु कर दिया था। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी ने नाराजगी जताई थी। और कंपनी से इस अधिसूचना को वापस लेने को कहा था। विरोध को बढ़ता देख एफएसएसएआई ने ये अपने फैसले को वापस ले लिया था और दही के पैकेट क्षेत्रीय शब्द के इस्तेमाल करने को कहा था।

एनआरसी लागू करने ...

जनसंख्या आयोग (एमएसपीसी) के बारे में बात करते हुए सीएम सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही मणिपुर राज्य जनसंख्या आयोग (एमएसपीसी) का गठन कर दिया है और यह राज्य में अप्रवासियों की पहचान करेगा। सिंह ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही मणिपुर राज्य जनसंख्या आयोग का गठन कर चुकी है। हमने सदस्यों की नियुक्ति की है और अब इसके माध्यम से राज्यों में अप्रवासियों की पहचान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यहां बसे अवैध अप्रवासियों की पहचान घर-घर जाकर सर्वेक्षण के आधार पर की जाएगी, जो बहुत जल्द शुरू होने जा रहा है। मणिपुर में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को लागू करने की मांग को लेकर 29 मार्च को तीन इमा कैथल (सभी-महिला बाजार) की महिलाओं और छह छात्र निकायों के सदस्यों ने ख्वाइरामबंद कैथेल से मुख्यमंत्री सचिवालय तक मार्च किया था। विभिन्न नागरिक समाज संगठन, विशेष रूप से छात्र निकाय, राज्य में अवैध अप्रवासियों की आबादी में अनियंत्रित वृद्धि की पृष्ठभूमि में राज्य में एनआरसी के कार्यान्वयन की मांग कर रहे हैं। अपनी मांग को आगे बढ़ाते हुए, छह छात्र निकायों - आम्सू, एमएसएफ, डीईएसएएम, केएसए, एसयूके और एआीएम - ने राजधानी शहर के बीचोबीच स्थित इंफाल के ख्वाइरामबंद कीथेल में प्रदर्शन किया था। रैली ख्वैरामबंद कैथेल से शुरू हुई और राज्य में एनआरसी को लागू करने की मांग वाले नारों वाले बैनरों के साथ बीर टिकेंद्रजीत रियाद के साथ मुख्यमंत्री के बंगले की ओर निकली।

दलबदल मामले में ...

मुद्दा संविधान के अनुच्छेद 191 (1) (ई) से संबंधित है। आयोग ने बताया कि वर्तमान याचिका उन मामलों से संबंधित है, जिनका अनुच्छेद 32 के तहत आयोग के कार्यक्षेत्र के संदर्भ में चुनाव के संचालन से कोई संबंध नहीं है और केंद्र सरकार इस मामले में की गई प्रार्थनाओं पर फैसला लेने के लिए उपयुक्त है। मालूम हो कि कांग्रेस नेता जया ठाकुर ने शीर्ष अदालत में दायर अपनी याचिका में कहा था कि राजनीतिक दलों द्वारा राजनीतिक दोष के आधार पर अयोग्यता पर संविधान के 10वें अनुसूची के प्रावधान को निरर्थक और बेकार बनाने के लिए एक ठोस अखिल भारतीय प्रयास किया गया है। याचिका में कहा गया था कि 10वीं अनुसूची के तहत सदन का सदस्य एक बार अयोग्य हो जाता है, तो उसे उस अवधि के दौरान फिर से चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती है जिसके लिए वह निर्वाचित हुआ था।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

अरटु पत्र सम सन्त जन, रहत सदा जग माहिं।
मन मन में जन हरि रहें, अद्भुत भेद समाहिं॥ 09॥

शब्दार्थ : (अरटु पत्र) अरुई का पत्ता।

भाष्य : अरुई के पत्ते के समान संतजन सदैव संसार के साथ रहते हुए भी असंग रहते हैं। अरटु के पत्ते पर जल नहीं ठहरता, वैसे ही वीतरागी गृहस्थाश्रमी संत को माया के प्रपंचों का प्रभाव अंतर से नहीं पड़ता। वे उनसे असंग रह अपने आनंद में निमग्न रहते हैं। उसके मन-का-मन अर्थात आत्मा में प्रभु रहते हैं। वे अद्भुत योग-भेद द्वारा उस प्रभु में अंतर्मुख रहते हैं।

माया रहि नहिं रहत है, यह महिमा गुरु ज्ञान।
सुख व शान्ति से घर रहें, जन है परम सयान॥ 10॥

शब्दार्थ : (जन) संतजन (परम सयान) ब्रह्मविद्या योग-प्रवीण (गुरु ज्ञान) गुरु का साधन-भेद, रहस्यमय ज्ञान।

भाष्य : वे अंतर त्यागी गृहस्थ संत, सद्गुरु ज्ञान के प्रभाव से माया में रहकर भी माया में नहीं रहते। वे वैराग्ययुक्त जीवन बिता कर, सुख-शांति से घर में रहकर ब्रह्मविद्या योग का साधन करते हैं।

राज्य में 5.80 लाख से अधिक भूमिहीन परिवार है : मंत्री मोहन

गुवाहाटी। निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई के एक सवाल का जवाब देते हुए मोहन ने बताया कि राज्य में 5,80,709 परिवार भूमिहीन हैं और उन्हें राज्य भूमि नीति -2019 के तहत चरणबद्ध तरीके से भूमि आवंटित की जाएगी। असम में 5.80 लाख से अधिक परिवार भूमिहीन हैं और मौजूदा सरकार ने करीब 1.36 लाख परिवारों को भूमि का पट्टा प्रदान किया है। यह जानकारी सरकार ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में दी। राजस्व एवं आपदा मंत्री जगन मोहन ने कहा कि सरकार अतिक्रमण की गई जमीन को मुक्त कराने की प्रक्रिया में है जिसे विभिन्न कानूनों और नियमनों के तहत भूमिहीन परिवारों को आवंटित किया जाएगा। निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई के एक सवाल का जवाब देते हुए मोहन ने बताया कि राज्य में 5,80,709 परिवार भूमिहीन हैं और उन्हें राज्य भूमि नीति -2019 के तहत चरणबद्ध तरीके से भूमि आवंटित की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकारी जमीन को असम भूमि और राजस्व नियम-1886 के तहत अतिक्रमण से मुक्त कराया जा रहा है। मंत्री ने उन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान किसी एक धर्म विशेष के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मौजूदा सरकार ने एक अप्रैल 2021 से अबतक 1,36,140 परिवारों का जमीन का पट्टा आवंटित किया है। कांग्रेस विधायक अब्दुल बातिन खांडेकर के एक अन्य सवाल के जवाब में मोहन ने बताया कि आजादी के बाद से अब तक भूमि कटाव की वजह से 432 गांव पूरी तरह से बह गए हैं जबकि अन्य 972 गांव इस अवधि में आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं।

डीटीओ ने लक्ष्य से अधिक राजस्व वसूली के लिए सभी संबंधितों का जताया आभार

करीमगंज (असम) (हिंस)। करीमगंज जिला परिवहन विभाग (डीटीओ) की ओर से वित्तीय वर्ष 2022-23 में लक्ष्य से अधिक राजस्व संग्रह करना संभव हुआ है। करीमगंज कार्यवाहक जिला परिवहन अधिकारी साहब उद्दीन तपादार ने एक बयान में बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में करीमगंज जिला में राजस्व संग्रहण का लक्ष्य 17 करोड़ 86 लाख रुपए था, विभाग ने 18 करोड़ 36 लाख 72 हजार 221 रुपए का राजस्व संग्रह हुआ है। यह लक्ष्य से 50 लाख 72 हजार 221 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ है। इसे देखते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी ने राज्य परिवहन आयुक्त, जिला प्रशासन व पुलिस को उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से राजस्व वसूली का आह्वान करने के साथ ही वाहन मालिकों, ट्रांसपोर्टरों, विभिन्न संघों की ओर से रोड टैक्स, सीएफ एवं एपीजीटी वसूल कर लक्ष्य से अधिक समय पर राजस्व वसूली में सहयोग के लिए सभी संबंधितों का आभार व्यक्त किया।

करीमगंज में सेवानिवृत्त सैनिकों के कल्याण एवं पुनर्वास के लिए बैठक

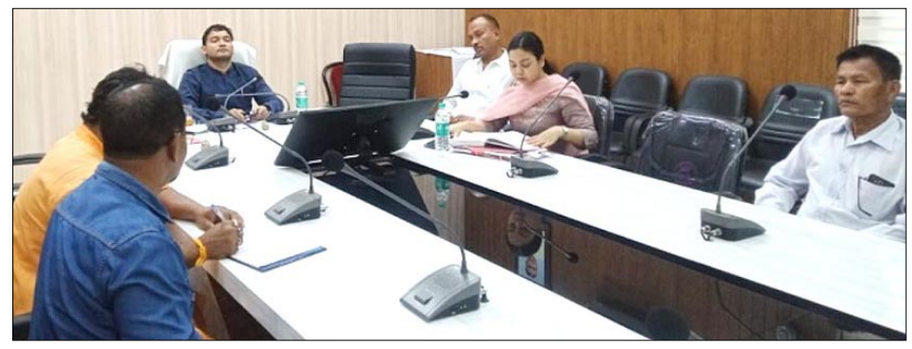

करीमगंज (हिंस)। जिला के सेवानिवृत्त सैनिकों के कल्याण एवं पुनर्वास के लिए शनिवार को करीमगंज में एक बैठक आयोजित की गयी। यह बैठक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी की पहल पर जिलाधिकारी के सभाकक्ष में हुई। जिलाधिकारी मृदुल यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में सेवानिवृत्त सैनिकों, शहीद सैनिकों की विधवाओं, युद्ध में शहीद एवं घायल हुए सैनिकों तथा सेवारत सैनिकों के परिवारों के कल्याण एवं पुनर्वास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवानिवृत्त कैप्टन अनिल कुमार सिन्हा ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। केंद्रीय सैनिक बोर्ड, नई दिल्ली और राज्य सैनिक बोर्ड, गुवाहाटी द्वारा सेवानिवृत्त सैनिकों के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने के लिए जिला सैनिक बोर्ड की पहल पर जिला के विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से ऐसी बैठकें आयोजित की जाती हैं।

जंगली मशरूम न खाने की सलाह

हैलाकांदी (हिंस)। राज्य के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने प्रसारित एक अपील में जनता को भोजन के रूप में जंगली मशरूम का सेवन न करने की सलाह दी है। डिब्रुगढ़ में हाल ही में ऐसे जहरीले मशरूम खाने से एक व्यक्ति की मौत होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से यह चेतावनी आम लोगों के हितार्थ जारी की गई है। इसे देखते हुए हैलाकांदी के जिला प्रशासन ने जिले में सभी संबंधितों को सावधान रहने और जंगली मशरूम खाने से लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया है।

मायुमं कामाख्या शाखा का 24 वां शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच की कामाख्या शाखा का 24 वां शपथ ग्रहण समारोह अध्यक्ष प्रेमलता सिंघानिया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गुवाहाटी महानगर की डिप्टी मेयर सुष्मिता राय दास के अलावा विशिष्ठ अतिथि के रूप में मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव चांडक, प्रांतीय अध्यक्ष हिमशिखर खंडेलिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष महेंद्र नाहर के अलावा सचिव इंदु पारीक, कोषाध्यक्ष खुशबू वर्मा मंच पर उपस्थित थे। इस अवसर पर शाखा मुखपत्र अंतरंग का विमोचन भी किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष हिमशिखर खंडेलिया ने नवनिर्वाचित शाखा अध्यक्ष नीलम भजनका को पद की शपथ दिलाई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव चांडक ने नवनिर्वाचित शाखा मंत्री नमिता दूधोरिया और कोषाध्यक्ष जूही पांडे के अलावा अन्य पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पार्षद सौरभ झुनझुनवाला, मारवाड़ी युवा मंच के मंडलीय सहायक मंत्री मितेश सुराना, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य प्रियांक जालान, सुमीता बरडिया, गुवाहाटी शाखा के पूर्व अध्यक्ष संपत मिश्र, कामाख्या शाखा की पूर्व अध्यक्ष बेला नावका, उमा शर्मा, मीना पोद्दार, पिंकी बैंगनी, मीनू दूधोडिया, मंजू भजनका, अनीता अग्रवाल, उपस्थित थे। इसके अलावा गुवाहाटी शाखा, गुवाहाटी सिरोज शाखा, समृद्धि शाखा और बेलतला शाखा के अध्यक्ष व अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजिका स्नेहल बिदासरीया और योगिता अग्रवाल थी।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में 60 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

तिनसुकिया। असम पुलिस के अनुसार 10 साल की बच्ची को बहला-फुसलाकर पास के एक चाय बागान में ले गया। जहां व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तिनसुकिया, पीटीआई। असम के तिनसुकिया जिले में शनिवार को 60 वर्षीय एक व्यक्ति को एक नाबालिग से कथित तौर पर दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अपराध बुधवार को हुआ जब आरोपी 10 साल की बच्ची को बहला-फुसलाकर पास के एक चाय बागान में ले गया। पीड़िता को उसके परिवार के सदस्य तिनसुकिया सिविल अस्पताल ले गए। मेडिकल जांच में बच्ची के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। अधिकारी ने कहा कि लड़की के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

राज्यपाल कटारिया ने नलबाड़ी जिले का किया दौरा

संस्कृत विश्वविद्यालय एवं जिले के विकास कार्यों का लिया जायजा

नलबाड़ी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज (शनिवार) नलबाड़ी जिले के अपने दौरे के दौरान कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय का दौरा किया तथा कुलपति प्रह्लाद आर जोशी और अन्य संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। विश्वविद्यालय के अपने पहले दौरे के दौरान राज्यपाल ने कहा कि एक शैक्षणिक संस्थान का विकास छात्रों की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। उन्होंने कुलपति और अन्य संकाय सदस्यों से कहा कि वे अपनी ऊर्जा को अच्छे नैतिक चरित्र वाले अच्छे छात्र तैयार करने के लिए उपयोग करें, ताकि वे विश्वविद्यालय के स्वभाव और भावना को प्रसारित कर सकें। संकाय सदस्यों से बात करते हुए, राज्यपाल ने उनसे आग्रह किया कि वे अपने प्रयासों और शिक्षा के नेक काम के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से उच्च शैक्षणिक रैंकिंग प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करें। इसके अलावा, राज्यपाल ने छात्रों को इस तरह से तैयार करने के महत्व पर जोर दिया जो उन्हें राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान देने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने में मदद करता है। राज्यपाल ने परिसर में कृष्णकांत हैंडिक ओपन एयर क्लासरूम का भी उद्घाटन किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के पुस्तकालय का भी अवलोकन किया। राज्यपाल ने जिले के दौरे के दौरान उपायुक्त और विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक भी की और जिले में कानून व्यवस्था के साथ-साथ विकास कार्यों का जायजा लिया। उपायुक्त नलबाड़ी गितिमोनी फूकन ने राज्यपाल को जिले में चल रही केंद्र एवं राज्य सरकारों की योजनाओं से अवगत कराया और कहा कि जिला प्रशासन जिले के सभी वर्गों के लोगों को शासन का लाभ देने के लिए बहुत समर्पित रूप से काम कर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि कानून व्यवस्था अच्छी रहने पर किसी भी जिले का विकास तेजी से होता है, इसलिए राज्यपाल कटारिया ने पुलिस अधीक्षक से जिले की कानून व्यवस्था बनाए रखने को कहा। राज्यपाल ने स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल जीवन मिशन, शिक्षा, कृषि सहित अन्य की स्थिति का भी जायजा लिया। राज्यपाल ने पर्यटन के लिए अधोसंरचना की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि धार्मिक और ग्रामीण पर्यटन नलबाड़ी में स्थानीय लोगों के लिए बड़े अवसर पैदा कर सकता है। बैठक के दौरान, उन्होंने बहुफसली, पीएम आवास योजना, सिंचाई आदि पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सभी हितधारकों से समन्वित और सहयोगात्मक प्रयासों की भी मांग की। राज्यपाल ने विशेष रूप से सक्षम बच्चों और बेघर मानसिक रूप से विकलांग लोगों के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के सदस्यों के साथ भी बातचीत की।

विश्वनाथ जिले में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। सूदर्शन सेवा संस्कृति न्यास द्वारा विशेष पहल से चाय बागान के श्रमिक, गरीब रोगियों के लिए स्वास्थ्यवर्धक लाभ के लिए हमेशा ही सराहनीय कार्य करते आया है। विश्वनाथ जिला सूदर्शन सेवा संस्कृति न्यास ने भी शुक्रवार को विशेष पहल से चाय बागानों के लोगों को विभिन्न रोगग्रस्त को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। यह शिविर विश्वनाथ जिले के बरपुखुरी बागान के बरपुखुरी चाय बागान प्राथमिक विद्यालय में आयोजित हुआ जिसमें सर्वप्रथम प्रधानाचार्या ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में सहयोग के रूप में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य व शिक्षक, सूदर्शन सेवा संस्कृति न्यास के विश्वनाथ सह- सेवा प्रमुख डॉ .सरजीत दास, और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। शिविर में सर्वप्रथम रोगियों का पंजीकरण कराया गया। इस कार्यक्रम में सहयोग के रूप में चिकित्सक डॉ. माधव पाल, डॉ. जोसेफ ग्वाला, डॉ. मिताली बोरो, डॉ . फातिमा शबनम और डॉ. स्मिता दास द्वारा 126 मरीजों को स्वास्थ सेवा प्रदान की। इधर विश्वनाथ जिला के सूदर्शन सेवा संस्कृति [illegible] 83 रोगी का जांच किया। जिसमें वरिष्ठ रोगी, लीवर, रक्त की कमी, पौष्टिक, एनेमिया, रक्तचाप, मुधमेह आदि रोग शामिल था। इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर को सुचारू रूप से सफल बनाने में सहायक नर्स (एएनएम) क्रमश: जोनाली सोना, रीता फाग्सोपी, औषधज्ञ (फार्मेसिस्ट) क्रमश: दीप ज्योति छेत्री, निरंजन नाथ और विश्वनाथ चारिआलि के मशहूर चिकित्सा प्रतिष्ठान चारू होमियो के सभी स्वास्थ्यकर्मी और कर्मचारी ने पूर्ण सहयोग की। शिविर में कुल 209 मरीजों का इलाज सहित दवाएं प्रदान की गई।

तामारहाट में हत्या के चार आरोपी गिरफ्तार

कोकराझारड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला के तामरहाट से चार हत्यारोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवान अली (65), कलाम अली (25), अनवर अली (24) और जैदर अली (45) के रूप में की गई है। सभी आरोपी मध्य पेटला गांव के निवासी बताए गए हैं। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि गत 16 मार्च को आलोकझरी मध्य पेटला में साहेब अली नामक व्यक्ति की नृशंस तरीके से हत्या हुई थी। साहेब अली को मारकर शव गदाधर नदी के कीचड़ में फेंक दिया गया था। शाहेब अली के रिश्तेदारों ने घटना के संबंध में तामरहाट पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच करते हुए तामारहाट और पगलाहाट पुलिस ने बीती रात कई जगहों पर छापेमारी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पूप्रमायुमं की कार्यकारिणी की पहली सूची घोषित

होजाई (होसं)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने सत्र 2023-25 के लिए कार्यकरिणी समिति की पहली सूची घोषित की। नवनियुक्त प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराणा ने बताया कि प्रांतीय अध्यक्ष ने रामनवमी के दिन अपनी कार्यकारिणी के लिए तिनसुकिया शाखा से अमित त्रिवेदी, डिब्रुगढ प्रगति शाखा से ऋतु केजरीवाल, उत्तर लखीमपुर शाखा से सुरेंद्र मुंदड़ा, शिवसागर शाखा से विनीत अग्रवाल, मोरानहाट शाखा से मनीष बेड़िया, आमगुड़ी शिखर योगेश बाहेती, जोरहाट ग्रेटर शाखा से गोपाल तोषनीवाल, नगांव शाखा से विवेक तोदी, मोरीगांव शाखा से वेंकटरमन तोषनीवाल, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा से गौतम गोयनका, गुवाहाटी शाखा से राहुल चमरिया, कामाख्या शाखा से पिंकी बेंगाणी, मानकाचर शिखर शाखा से प्राची हरलालका, कोकराझाड़ जागृति शाखा से रिचा बोथरा व सिलचर टाइटन शाखा से पंकज मालू को सत्र 2023-2025 की प्रांतीय कार्य समिति में समाहित किया गया हैं। वही इस मौके पर नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने सत्र 2023-2025 के लिए जनसंपर्क विभाग की नामों की भी घोषणा की। जनसंपर्क विभाग में सलाहकार के रूप में गुवाहाटी से संपत मिश्र को रखा गया हैं शिवसागर साखा से पवन केजरीवाल को इस टीम का चैयरमेन बनाया गया हैं तो वही गोरेस्वर शाखा के उपाध्यक्ष सेंकी अग्रवाल को जनसंपर्क अधिकारी नियुक्त किया और जनसंपर्क विभाग में समन्वयक के रूप में डिब्रुगढ़ ग्रेटर शाखा से संदीप अग्रवाल व होजाई शाखा से निखिल कुमार मुंदड़ा को रखा गया हैं। वही नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने कहा कि जल्द ही संपूर्ण टीम की घोषणा की जाएगी व 9 अप्रैल को गुवाहाटी में सपथ ग्रहण समारोह का आयोजन कर कार्यकरिणी समिति के सदस्यों को पदभार सौपा जाएगा। वही जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल से नवनिर्वाचित पंकज जालान प्रांतीय अध्यक्ष के रूप के कार्य संभालेंगे। ये जानकारी नवनियुक्त प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी सेंकी अग्रवाल ने दी।।

गुवाहाटी मारवाड़ी अस्पताल में पहली बार पल्मोनरी एंजियो का प्रदर्शन

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग ने अपनी सीटी स्कैन मशीन में अपना पहला *पल्मोनरी एंजियो का प्रदर्शन* किया। मरीज को जीएमसीएच से रेफर किया गया था और शुरू में एक कॉर्पोरेट अस्पताल में ले जाया गया। जहां जांच का शुल्क 100 रुपए था। उसके बाद दोपहर 12 बजे के करीब इमरजेंसी में मरीज मारवाड़ी अस्पताल आया। मरीज खांसी में खून आने की शिकायत लेकर आया था। बाद में मरीज की जांच की गई और बेहद मामूली दर पर जांच की गई। मारवाड़ी अस्पतालों में पल्मोनरी एंजियो जांच चौबीस घंटे की जाती है। रोगी अस्पताल में किसी भी समय इस लाभ का लाभ उठाने के लिए आ सकते हैं। एंजियोग्राम रक्त वाहिकाओं की एक्स-रे छवि है। इसे धमनीग्राम भी कहा जाता है। यह उन रक्त वाहिकाओं को देखने के लिए किया जाता है जिनमें समस्या है। फुफ्फुसीय एंजियोग्राम फेफड़ों की रक्त वाहिकाओं का एंजियोग्राम है। यह प्रक्रिया शरीर की रक्त वाहिकाओं में इंजेक्ट किए गए एक विशेष कंट्रास्ट डाई के साथ की जाती है। यह कमर या बांह में किया जाता है। डाई एक्स-रे पर दिखाई देती है। इस परीक्षण के दौरान अक्सर फ्लोरोस्कोपी का उपयोग किया जाता है। यह एक एक्स-रे *मूवी* की तरह है। यह आपके स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को उन वाहिकाओं को स्पष्ट रूप से देखने देता है जो फेफड़ों से रक्त भेजती हैं।

नगांव दुर्गा मंदिर में आयोजित भंडारे में उमड़ा जन-सैलाब

नगांव (निसं)। मां अंबे सेवा समिति के तत्वाधान में विगत 21 वर्षों से प्रत्येक वर्ष होने वाले ममतामई माता के भंडारा का 22वें वर्ष का आयोजन वृहस्पतिवार, चैत्र नवरात्रि की नवमी को नेहरू वाली स्थिति श्री कृष्णश्रम शिव मंदिर प्रांगण में बड़े ही धूमधाम एवं भक्तिमय माहौल में आयोजित किया गया। जहां भक्तों का जनसैलाब उमड पडा और कतारबद्ध होकर भक्तों ने भंडारा का स्वाद चखा। इसी कड़ी में सर्वप्रथम दुर्गा मंदिर में दुर्गा माता की पूजा अर्चना कर 9 कन्याओं की विधिवत कन्या पूजा कर उन्हें भोजन कराया गया। तत्पश्चात ब्राह्मण भोज संपन्न कराने के बाद विशाल महा भंडारे का शुभारंभ किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़े ही प्रेम से माता रानी का प्रसाद ग्रहण किया। समिति से जुड़े भक्तों शंकर लाल वर्मा ने बताया कि इस भंडारे के आयोजन हेतु समिति के सदस्य गण विगत एक महीने आयोजन की तैयारी में जुटे हुए हैं और सभी के सहयोग से ही यह कार्य संपन्न होता है। वही समिति के सुरेश खेडिया ने कहा की भंडारे में लगभग 15000 से भी अधिक लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया हैं। समिति के प्रचार सचिव अरुण नगरका ने कहा कि इसके प्रचार हेतु हर वर्ष भरसक प्रयास किया जाता है। नगांव शहर के सभी अंचलों में जाकर प्रचार किया जाता हैं। समिति से जुड़े एवं मंदिर संचालन समिति के सपन कुमार उपाध्याय ने कहा आने वाले में भंडारे का रजत जयंती वर्ष होगा। भक्तों का उत्साह देखते हुए हम बड़े ही धूमधाम एवं आकर्षक तरीके से इसे मनाएंगे। इस आयोजन को लेकर नगांव वासियों में भारी उत्साह अभा से देखा जा रहा है एवं सभी समुदाय के लोग एक साथ मंदिर परिसर में आकर प्रसाद रूपी भंडारा ग्रहण करते हैं। समिति ने अपने सभी सदस्यों, कार्यकर्ताओं, दानदाताओं एवं शुभचिंतकों को भंडारे की सफलता हेतु धन्यवाद दिया है। इस बार भंडारा में नगांव नगर पालिका की अध्यक्ष अंबिका मजुमदार, उपाध्यक्ष सिमंत बोरा, पार्षद हेमा झवंर, पार्षद मोनालिसा बरुवा रहमान, पार्षद सिंपी बोरा, मलिका सूत्रधर पार्षद रुपाली सैकिया, सुब्रतो दत्त और हैबरगांव भाजपा मंडल के साधारण सचिव सुनील आलमपुरिया सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

40 मवेशियों को ले जा रहा ट्रक जब्त

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला के जामुगुड़ीहाट में पुलिस ने अभियान चलाते हुए 40 मवेशियों के साथ एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस सूत्रों ने आज (शनिवार को) बताया कि गुप्त सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर बीती मध्य रात पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर तलाशी के दौरान मवेशियों को जब्त किया। पुलिस ने मवेशियों को एक ट्रक (एएस-01जीसी-1232) से बरामद करने के बाद उसे जब्त कर लिया। ट्रक लखीमपुर जिला से शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर की ओर आ रहा था। हालांकि, पुलिस की कार्रवाई देख ट्रक का चालक और खलासी मौके से फरार हो गये। पुलिस ने ट्रक से 40 मवेशियों को बरामद किया। मवेशियों को ट्रक के अंदर उनके पैर बांधकर लादा गया था। उन्हें रात में ही गौशाला भेज दिया गया।

NIT NO. GWIDI/ Tech/ T-1/ 2022-2023/

SHORT NOTICE INVITING TENDER

The Executive Engineer, Goalpara West-Jaleswar Division (I), Goalpara, Assam on behalf of Governor of Assam invites online bids for the works of 'Construction of Solar powered MDTW scheme at village Katlitari under RIDF-XXVIII (NABARD) for the year 2022-23' in Goalpara districts amounting to Rs.29.70600 Lakh (Approx) [Rupees twenty nine lakh seventy thousand six hundred only (Approx)] under Goalpara West-Jaleswar Division of Irrigation Department of Govt. of Assam. Details may be seen at website http://assamtenders.gov.in and also in the office of the undersigned during office hours from 31/03/2023 to 28/04/2023 up to 3.00PM.

Sd/-
Executive Engineer,
Goalpara West- Jaleswar Division,
Irrigation, Goalpara.

-- *Janasanyog /C/72/23*

अमित शाह का दो अप्रैल को होने वाला सासाराम दौरा स्थगित

पटना, (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का दो अप्रैल को होने वाला सासाराम दौरा स्थगित कर दिया गया है। जिले में रामनवमी पर हुई हिंसा के बाद धारा-144 लगाई गई है, जिसकी वजह से गृहमंत्री का दौरा रद्द कर दिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि सम्राट अशोक हमारे आराध्य हैं। हम लोगों ने बहुत उत्साह के साथ उनका कार्यक्रम निश्चित किया था लेकिन दुर्भाग्य है कि बिहार सरकार सुरक्षा देने में सक्षम नहीं है। जहां कार्यक्रम होना है, वहां 144 धारा लगा दिया गया। इससे केंद्रीय गृहमंत्री का कार्यक्रम रद्द करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनसे बिहार नहीं संभल रहा है। पूरे राज्य में अराजक स्थिति बनी हुई है। सासाराम की तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए वहां के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। नवादा के हिसुआ में होने वाले अमित शाह के कार्यक्रम को पूर्ववत रखा गया है। वे नवादा में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके लिए शनिवार को ही अमित शाह पटना आएंगे और दो अप्रैल को वे नवादा में जनसभा को संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि 30 मार्च को रामनवमी की रात में रोहतास जिले के नगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम मदार दरवाजा में रामनवमी जुलूस के दौरान दो समुदाय के युवकों के बीच आपत्तिजनक शब्दों को लेकर विवाद हो गया था। अगले दिन 11.00 बजे ग्राम मदार दरवाजा में दोनों समुदायों के कतिपय आसमाजिक तत्वों के बीच पथराव एवं आंशिक आगजनी की घटना हुई। मामले में अभी तक 20 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। सासाराम के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष राय ने बताया कि स्थिति नियन्त्रण में है। शनिवार सुबह इलाके में शांति बनी हुई है। घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है और शरारती तत्वों पर नजर रखी जा रही है। सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाने वालों पर भी पुलिस की नजर है।

संजय राऊत को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने दी जान से मारने की धमकी, दो हिरासत में

मुंबई, (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राऊत को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद पुलिस ने पुणे से दो लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे गहन पूछताछ कर रही है। संजय राऊत ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि उनके मोबाइल फोन पर एक धमकी भरा मैसेज आया है। इस मैसेज में कहा गया है कि हिंदू विरोधी होने के कारण तुम मारे जाओगे। संदेश में लिखा है, "जब तुम दिल्ली आओगे, तो तुम्हें एके 47 से उड़ा दूंगा।

मुसेवाला की तरह तुम मारे जाओगे। लॉरेंस की ओर से मैसेज है। सलमान और तू फिक्स, तैयारी करके रखना।" संजय राऊत ने कहा कि सरकार को विरोध में बोलने वाला नहीं चाहिए। इसी वजह से सरकार की ओर से उन्हें खत्म करने के लिए इस तरह की साजिश की जा रही है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी के बाद पुलिस की टीम संजय राऊत के आवास पर पहुंच गई है और इस संबंध में छानबीन कर रही है। मुंबई पुलिस की ओर से संजय राऊत की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने की अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। दरअसल, इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को भी इसी तरह जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी लेकिन संजय राऊत की सुरक्षा कुछ महीने पहले हटा ली गई थी। संजय राऊत ने उस समय सरकार पर आरोप लगाया था कि सरकार उनकी हत्या करवाना चाहती है। इसी वजह उनकी सुरक्षा व्यवस्था हटा ली गई है।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी बोले- केजरीवाल निम्नता पर आ रहे और कोर्ट से फटकार भी खा रहे

अजय कुमार

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि विषय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री का नहीं, विषय इनके भ्रष्टाचार का था, उसे छिपाने के लिए यह स्वांग रचा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पूरी तरह से विक्षिप्त हो गए हैं। पता नहीं क्या क्या-उल्टा सीधा बोलते जा रहे हैं। वे निम्नता पर आ रहे हैं और कोर्ट से फटकार भी खा रहे हैं। उन्होंने जिस तरह की भाषा, शैली और भाव भंगिमा का इस्तेमाल किया है वो निम्नतम स्तर की है। डॉ. त्रिवेदी ने शनिवार को भाजपा मुख्यालय पर प्रेसवार्ता में कहा कि केजरीवाल के बड़बोलेपन से कुछ हासिल नहीं होने वाला। अब यह तथ्यों के साथ सामने आ रहा है कि केवल मनीष सिसोदिया ही नहीं आम आदमी पार्टी के अन्य लोग भी भ्रष्टाचार के जरिए शराब नीति को प्रभावित करने के जिम्मेदार थे। भाजपा प्रवक्ता ने सवाल किया कि अब इनकी वो वैगन-आर नहीं दिखती, बंगला नहीं लूंगा लेकिन ले लिया, सुरक्षा नहीं लूंगा लेकिन ले ली... कोई एक बिंदु बता दीजिए जिन पर इन्होंने अपना स्टैंड कायम रखा हो। इसलिए हम इनको सबसे बड़ा स्वांग रचने वाला कहते हैं। हावड़ा में रामनवमी के जुलूस के दौरान हुई हिंसा को लेकर डॉ. त्रिवेदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने पूछा कि कौन सा चश्मा चढ़ा रखा है आपने? ममता जी यह बोलती हैं कि यदि किसी मुस्लिम के घर पर पथराव हुआ तो बर्दाश्त नहीं करूंगी, तो क्या ये हिन्दू समुदाय को लांछित करने का प्रयास नहीं है?

नौसेना प्रमुख एडमिरल हरि कुमार कोरोना संक्रमित

भोपाल, (हि.स.)। तीन दिवसीय कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में शामिल नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरिकुमार कॉन्फ्रेंस छोड़कर दिल्ली के लिए रवाना हो गए। वे कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। भोपाल आने से पहले उन्होंने कोरोना टेस्ट कराया था। शुक्रवार को टेस्ट रिपोर्ट आने के बाद देर शाम को विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना हुए। कमांडर कॉन्फ्रेंस से जुड़े 1300 लोगों का कोरोना टेस्ट हुआ था। इसकी रिपोर्ट शुक्रवार को आई। इनमें नौसेना प्रमुख एडमिरल हरि कुमार समेत 22 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि, किसी में गंभीर लक्षण नहीं दिखाई दिए। भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीनों सेनाओं की कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल हुए। कॉन्फ्रेंस में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी शिरकत कर रहे हैं।

केंद्र सरकार वन्यजीवों के संरक्षण को लेकर गंभीर नहीं : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार वन्यजीवों के संरक्षण को लेकर गंभीर नहीं है। कांग्रेस ने वन्यजीवों के संरक्षण को लेकर जो कानून बनाए थे मोदी सरकार उन्हें संशोधित कर कमजोर कर रही है। इन संशोधनों से हमारे वन्यजीवों और पर्यावरण दोनों को खतरा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि मोदी सरकार ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 में संशोधन किया है। जिसका कांग्रेस ने विरोध किया था। इस संशोधन से हाथियों के व्यापार का रास्ता खोला जा रहा है। अब राज्य हाथियों के व्यापार के लिए योजना बना सकते हैं। रमेश ने कहा कि हाल ही में लोकसभा में सरकार ने वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक 2023 पेश किया है। वन संरक्षण अधिनियम-1980 में संशोधन करने वाले इस विधेयक को सरकार ने संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा और सदन ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। रमेश ने कहा कि सरकार लगातार वन कानूनों को कमजोर कर रही है। मोदी सरकार इन प्रस्तावों पर संवाद करने के बजाय इसे मनमाने ढंग से पास कराने में लगी है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आज के ही दिन (1 अप्रैल 1973) को प्रोजेक्ट टाइगर की शुरूआत की थी। आज देश में 50 से अधिक टाइगर रिजर्व हैं। टाइगर रिजर्व वाले यही वन्य क्षेत्र देश के घने जंगलों वाले क्षेत्र के दायरे में आते हैं। रमेश ने कहा कि टाइगर के लिए वन जरूरी है और वन के लिए टाइगर लेकिन मोदी सरकार को इन बातों की कोई परवाह नहीं है। वह सब कुछ पूंजीपतियों को सौंपने के लिए लगातार रास्ते बना रहे हैं। वन कानूनों में संशोधन की पहल भी उसी का हिस्सा है।

पंजाब के फिरोजपुर से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास लंबी फसलों की बुआई पर रोक

चंडीगढ़, (हि.स.)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मांग पर पंजाब सरकार ने फिरोजपुर जिले से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास कंटीले तारों के अंदर कपास एवं अन्य लंबी फसलों की बुआई पर रोक लगा दी है। इसको लेकर फिरोजपुर के जिला उपायुक्त राजेश धीमान ने निर्देश जारी किए हैं। यह आदेश अगले दो माह तक प्रभावी रहेगा। फिरोजपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में कई बार ड्रोन घुसपैठ की घटनाएं हो चुकी हैं। इस इलाके में कई बार पाकिस्तानी घुसपैठिए भी देखे जा चुके हैं। जिला उपायुक्त ने शनिवार को कहा कि बीएसएफ की 143वीं बटालियन के कमांडेंट केएमएस वाला ने उनके संज्ञान में लाया कि कुछ किसानों द्वारा भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बीटी कपास और अन्य ऊंची फसलें उगाई जाती हैं, जिसका फायदा उठाकर असामाजिक तत्व भारत-पाकिस्तान सीमा पार कर जाते हैं। जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है। यह आदेश देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जारी किए गए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में अभी नरम रहेंगे गर्मी के तेवर दो दिन बाद होगी बारिश

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली में कई जगह हल्की वर्षा हुई। ऐसे में गर्मी के तेवर भी नरम ही रहे और तापमान में भी गिरावट देखने को मिली। अगले दो दिन मौसम शुष्क रहेगा जबकि तीन और चार अप्रैल को फिर से वर्षा होने की संभावना है। दिन भर सूरज और बादलों के बीच चली लुकाछिपी के बीच अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 28.5 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 16.8 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 56 से 100 प्रतिशत रहा। रात साढ़े आठ बजे तक सफदरजंग में 0.1 मिमी, पालम और लोधी रोड पर 0.2 मिमी, नजफगढ़ में 9.0 मिमी जबकि आयानगर में बूंदाबांदी रही। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि शनिवार को बादल छाए रहेंगे। कहीं- कहीं गर्जन वाले बादल बनने और हल्की बरसात होने की भी संभावना है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 और 15 डिग्री रह सकता है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक शनिवार व रविवार को मौसम लगभग शुष्क रहेगा जबकि सोमवार और मंगलवार को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से दोबारा बरसात हो सकती है।

पंजाब की मान सरकार कानून-व्यवस्था के सभी मोर्चे पर विफल : शेखावत

- जालंधर के पूर्व डीसीपी समेत कई ने थामा भाजपा का दामन

चंडीगढ़, (हि.स.)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पंजाब की भगवंत मान सरकार को कानून-व्यवस्था के सभी मोर्चों पर विफल रहने का आरोप लगया है। उन्होंने कहा कि आज पंजाब का माहौल पूरी तरह से बिगड़ चुका है। केंद्रीय मंत्री एवं पंजाब भाजपा के चुनाव प्रभारी शेखावत शनिवार को चंडीगढ़ स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान जालंधर के पूर्व डीसीपी राजिंद्र सिंह ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इसके अलावा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के अधिवक्ता संतोख विंदर सिंह नाभा समेत कई बुद्धिजीवी भी भाजपा में शामिल हुए। शेखावत ने राज्य की भगवंत मान सरकार को गैर जिम्मेदार और अनुभवहीन बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब सीमावर्ती राज्य है। कुछ लोग पंजाब में आतंक का बुरा दौर दोबारा लाने के लिए प्रयासरत हैं। पंजाब में ड्रग और गन कल्चर समेत फिरौती के मामले चरम पर हैं। पंजाब सरकार कानून व्यवस्था के सभी मोर्चे पर विफल साबित हुई है। शेखावत ने कहा कि भाजपा जालंधर लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव में मजबूती से हिस्सा लेगी। इसके लिए पार्टी ने तैयारी शुरू कर दी है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अश्वनी शर्मा और उत्तर-पश्चिम दिल्ली सीट के सांसद हंसराज हंस समेत कई नेता मौजूद रहे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मांडविया ने आधी रात को एम्स का किया निरीक्षण

-मरीजों का जाना हाल चाल, छात्रों से की चाय पर चर्चा

ऋषिकेश, (हि.स.)। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने शुक्रवार की आधी रात को एम्स, ऋषिकेश में पहुंचे और उपचार करवा रहे मरीजों का हाल-चाल जानने के साथ व्यवस्थाओं का मुआयना किया। उन्होंने एम्स प्रशासन को स्वास्थ्य से संबंधित अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के लिए भी निर्देशित किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया शुक्रवार को गढ़वाल दौरे पर थे। इसके उपरांत वह देर रात्रि में ऋषिकेश एम्स पहुंचे, उनके साथ उत्तराखंड के स्वास्थ्य मंत्री डा.धन सिंह रावत भी मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने एम्स की इमरजेंसी और ट्रॉमा सेंटर में मरीजों का हाल चाल पूछने के बाद एम्स की सभी व्यवस्थाओं का मौका मुआयना किया। साथ ही हॉस्टल की मेस में एमबीबीएस के छात्रों के साथ चाय पर चर्चा कर अमृतकाल में देश के विकास में योगदान के लिए उन्हें संदेश भी दिया। इस दौरान एम्स की निदेशक प्रोफेसर डा.मीनू सिंह सहित तमाम अधिकारी भी मौजूद थे।

स्मृति ईरानी ने हावडा हिंसा पर ममता बनर्जी को कठघरे में खड़ा किया

-कहा, न्याय देने के बजाय पत्थरबाजों को क्लीनचिट दी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने हावड़ा में रामनवमी के जुलूस के दौरान हुई हिंसा पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कठघरे में खड़ा किया है। ईरानी ने ममता पर जुलूस के दौरान पथराव करने वालों को क्लीनचिट देने का आरोप जड़ा है। ईरानी ने कहा कि हावड़ा में रामनवमी के जुलूस के दौरान पथराव हुआ। न्याय देने के बजाय ममता बनर्जी ने कानून अपने हाथ में लेने वाले पत्थरबाजों को क्लीनचिट दे दी। ईरानी ने कहा कि यह पहली घटना नहीं है, जो ममता बनर्जी के कार्यकाल में हुई है। इससे पहले 2022 में लक्ष्मी पूजा के दौरान दलितों पर हमला किया गया था। इस घटना पर भी ममता चुप रहीं। उल्लेखनीय है कि हावड़ा में रामनवमी पर दो गुटों के बीच हुई झड़प में कई वाहनों में आग लगा दी गई थी। जुलूस के दौरान दंगाइयों ने सार्वजनिक और निजी संपत्ति को निशाना बनाते हुए कुछ वाहनों में आग लगा दी थी। पश्चिम बंगाल सरकार ने हिंसा की सीआईडी से जांच कराने का फैसला किया है।

शिक्षा में भारतीय मूल्यों का समावेश जरुरीः प्रो. टी.जी. सीताराम

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के चेयरमैन प्रो. टी.जी. सीताराम ने शनिवार को कहा कि शिक्षा में भारतीय मूल्यों का समावेश करके ही सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों में कौशल के समावेश पर बल दिया। प्रो. सीताराम आज दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कांफ्रेंस सेंटर में भारतीय शिक्षण मण्डल, दिल्ली प्रांत द्वारा आयोजित 54वें स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 द्वारा प्राचीन ज्ञान परम्परा को शिक्षा व्यवस्था में सम्मिलित करने का कार्य किया गया है, साथ ही मातृभाषा की महत्ता को अंगीकार भी किया गया है। वर्तमान में ज्ञान एवं कौशल को तकनीकी से जोड़ने के साथ ही भारतीय शिक्षा के लोकतांत्रिकरण के दिशा में कार्य किया जा रहा है। अनुवाद के माध्यम से महत्वपूर्ण कृतियों को भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने का प्रयास हो रहा है। प्रो. सीताराम ने आगे कहा कि विगत कुछ वर्षों में समाज में शिक्षक की भूमिका बदली है। तकनीकी ने शिक्षण व्यवस्था को बहुत तेजी से बदलने का कार्य किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं चैट जी पी टी के इस युग में सभी तक सूचना है, परन्तु शिक्षक ही समाज का वह अंग है जो तकनीकी एवं ज्ञान के साथ भारतीय मूल्यों का समावेश करके सशक्त समाज का निर्माण करता है। तकनीकी का सही एवं प्रभावी उपयोग वर्तमान युग की जरूरत है। प्रो. सीताराम ने कहा कि नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों में कौशल का समावेश जरूरी है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर बोलते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि यदि अच्छाई को प्रोमोट करना है तो उस पर प्रीमियम रखना होगा। उन्होंने कहा कि यदि अच्छाई को प्रोत्साहित नहीं करेंगे तो अच्छाई कैसे पनपेगी! कुलपति ने कहा कि बुराई तो अपने आप आ जाती है जबकि अच्छाई बहुत नाजुक होती है।

उसे प्रोत्साहित करने के लिए छोटे-छोटे प्रयोग करने होंगे। आज के समय में यह बहुत बड़ी चुनौती है, जिस पर शिक्षण मण्डल को काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह प्राध्यापकों को तय करना है कि इसे कैसे करें। कुलपति ने कहा कि बच्चों के गलत आचरण के लिए बच्चों से अधिक शिक्षक वर्ग जिम्मेदार है। उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप प्राध्यापक हैं और देश आपसे अपेक्षा रखता है। आज समाज से लेकर न्यायालय तक हम पर भरोसा करते हैं। विद्यार्थियों को अच्छा बनाने की जिम्मेदारी हम पर है, और यह तब होगा जब हम खुद अच्छे बनेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षण मण्डल को अगले 10-15 वर्षों में इन विषयों पर काम करने की जरूरत है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए भारतीय शिक्षक मण्डल के अखिल भारतीय अध्यक्ष प्रो. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि भारतीय शिक्षण मण्डल का उद्देश्य शिक्षा में भारतीयता लाना है। उन्होंने बाल शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। यही बच्चे 25 वर्ष बाद भारत का निर्माण करेंगे। प्रो. जोशी ने चिंता प्रकट करते हुए कहा कि दुर्भाग्य है कि आज हमारे पास इसके लिए समय नहीं है। उन्होंने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि इसे अपना दायित्व मान कर चलें। प्रो. जोशी ने कहा कि आज समाज में श्रेष्ठ, समर्पित एवं तपस्वी अध्यापकों की जरूरत है। शिक्षक जैसा सोचेगा, समाज का व्यवहार भी वैसा ही होगा। भारतीय शिक्षण मण्डल भारतीय शिक्षा व्यवस्था को भारतीय मूल्यों से पोषित करने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। रीति एवं नीति से आगे बढ़कर भविष्य के भारत को गढ़ने में यह संगठन सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जिस समाज में श्रेष्ठ अध्यापक होंगे, उस समाज को किसी चीज के लिए दूसरी तरफ नहीं देखना होगा। आज प्राथमिक शिक्षा के दौरान ही बच्चों में भारतीय मूल्यों के बीजारोपण की आवश्यकता है जिससे उन्हें राष्ट्र एवं समाज के प्रति संवेदनशील बनाया जा सके।

कांग्रेस भाजपा की पोल खोलने की तैयारी में तो भाजपा विधायकों के प्रशिक्षण में व्यस्त

देहरादून, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी जहां निरंतर सांगठनिक तैयारियां करती रहती है वहीं दूसरी ओर अब तक उत्तराखंड में कांग्रेस का संगठन ही बनाया जा रहा है। उत्तराखंड में अगले साल होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा-कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। एक तरफ जहां भाजपा विधायकों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण देने जा रही है, तो दूसरी ओर कांग्रेस सांसदों के गोद लिए गए गांवों की हकीकत को धरातल पर जानने के लिए गांवों का दौरा करने जा रही है। कांग्रेस भाजपा की पोल खोलने का दावा कर रही है। शनिवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि उनका संगठन लगातार मजबूत है और अपने संगठन को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत किया जा रहा है। हम भाजपा के ढोल की पोल खोलेंगे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता जल्द ही सांसदों के गोद लिए गए गांवों की हकीकत जानने गांव में जाएंगे। कांग्रेस जहां भाजपा के पोल खोलने की बात कह रही है वहीं भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान सिंह चौहान ने बताया कि 8, 9 और 10 अप्रैल को राजधानी देहरादून में पार्टी के सभी विधायकों के प्रशिक्षण शिविर करने जा रही है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा वर्चुअल रूप से सभी का मार्गदर्शन करेंगे।

बड़ी मात्रा में जिलेटिन स्टिक की तस्करी मामले में सॉफ्टवेयर इंजीनियर गिरफ्तार

कोलकाता, (हि.स.)। बीरभूम जिला अंतर्गत मोहम्मद बाजार में 81 हजार जिलेटिन स्टिक और 27 हजार किलो अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटकों की बरामदगी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। उसका नाम मोहम्मद नूरजमान है। वह विकास भवन स्थित शिक्षा विभाग के मुख्यालय में काम करता है। शनिवार को एनआईए की ओर से जारी बयान में इस बारे में जानकारी दी गई है। बताया गया है कि उसे शुक्रवार शाम को गिरफ्तार किया गया था। उसके साथ दो अन्य आरोपितों को भी पकड़ा गया है। इनकी पहचान मेराजुद्दीन और रिंटू शेख के तौर पर हुई है। एजेंसी सूत्रों ने बताया है कि मेराजुद्दीन बीरभूम जिले के बाहुबली तृणमूल नेता अणुव्रत मंडल का बेहद खास है। मंडल फिलहाल मवेशी तस्करी मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। इसके अलावा सॉफ्टवेयर इंजीनियर मोहम्मद नूरजमान पर भी गंभीर आरोप है। दावा है कि राज्य पुलिस के भ्रष्ट अधिकारियों के साथ मिलकर वह विस्फोटकों की तस्करी करता रहा है। रिंटू को पहले मोहम्मद बाजार से गिरफ्तार किया गया था जबकि मेराजुद्दीन को रानीगंज से पकड़ा गया है। उल्लेखनीय है पिछले साल भारी मात्रा में जिलेटिन स्टिक और अमोनियम नाइट्रेट की खेप पकड़ी गई थी। इसी सिलसिले में एनआईए लगातार जांच कर रही थी। तीनों को कोर्ट में पेश कर 10 अप्रैल तक के लिए हिरासत में ले लिया गया है।

नए सत्र के पहले दिन शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर एनपीएस का किया विरोध

- पुरानी पेंशन बहाली के लिए सोशल मीडिया पर भी चलाई मुहिम

बलिया, (हि. स.)। सत्र के पहले ही दिन शिक्षकों ने विद्यालयों में काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के आह्वान पर शनिवार को शिक्षकों ने अपने-अपने कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर एनपीएस के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। विशिष्ट बीटीसी एसोसिएशन के आह्वान पर एक ओर जहां जनपद के समस्त शिक्षा क्षेत्रों में शिक्षक अपने कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर अपना विरोध कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर पूरे दिन सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर एक अप्रैल काला दिवस और एनपीएस गो बैक ट्रेंड करता रहा। पुरानी पेंशन बहाली की मांग के समर्थन में विशिष्ट बीटीसी एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डा. घनश्याम चौबे ने कहा कि एक अप्रैल 2005 को शेयर बाजार पर आधारित नई पेंशन व्यवस्था को उत्तर प्रदेश में लागू कर शिक्षकों एवं कर्मचारियों के भविष्य को शेयर बाजार के दोराहे पर खड़ा करने का काम किया गया था। कहा कि पुरानी पेंशन बहाली तक हमारा संघर्ष चलता रहेगा। एसोसिएशन के संरक्षक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि देश के माननीयों की संवेदना मर चुकी है। वे खुद तो पुरानी पेंशन का लाभ ले रहे हैं और आजीवन राष्ट्र की सेवा करने वाले शिक्षक एवं कर्मचारियों के लिए शेयर आधारित पेंशन को सही बताने में लगे हुए हैं। जिला मंत्री धीरज राय ने तंज कसते हुए कहा कि यह अभियान नो गारंटी नेशनल पेंशन सिस्टम को वापस लेने और केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए चलाया जा रहा है। एसोसिएशन ने कहा कि निजीकरण और एनपीएस राष्ट्र और उसके नागरिकों के हित में नहीं है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अवनीश सिंह ने कहा कि एनपीएस शिक्षक व कर्मचारियों के साथ धोखा है और पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने का साधन है। यदि समय पूर्व सरकार पुरानी पेंशन लागू नहीं करती तो एनपीएस और सरकार में किसी एक की विदाई तय है। इस मुहिम में मुख्य रूप से सूर्य प्रकाश वर्मा, मनीष मिश्रा, अतुल तिवारी, अरविंद श्रीरश्मि, कमलेश यादव, निर्भय नारायण सिंह, अरविंद पांडे, जितेंद्र यादव, शमार्नाथ यादव, अरुण सिंह, सुरेश वर्मा, सुनील गुप्ता, मोइनुद्दीन अंसारी, नंदलाल वर्मा, संदीप सिंह, उपेंद्र नारायण सिंह, अजीत यादव, संजीव सिंह, नित्यानंद पांडे, रजत मद्धेशिया, अखिलेश सिंह, विवेकानंद तिवारी, नवीन सिंह, सरिता यादव, जितेंद्र दुबे, प्रवीण दुबे, प्रेमजी गुप्ता, अशरफ अली व जितेंद्र गुप्ता आदि शामिल थे।

योगी सरकार ने 6 वर्ष में 1.92 करोड़ छात्र-छात्राओं का सरकारी स्कूल में कराया नामांकन

- पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को वापस स्कूल लाने के लिए शारदा अभियान की शुरूआत

लखनऊ, (हि.स.)। स्कूल चलो अभियान के माध्यम से छह वर्ष में प्रदेश सरकार ने 1.92 करोड़ छात्र-छात्राओं का नामांकन कराया है। योगी सरकार ने एक अप्रैल से 'शारदा' अभियान (स्कूल हर दिन आएं) की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत जो बच्चे किन्हीं कारणों से स्कूल छोड़ गए हैं या कभी स्कूल गए ही नहीं हैं, उन्हें वापस स्कूल लाया जाएगा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर किया जाए। अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत यह प्रावधान है कि 6-14 आयु वर्ग के ऐसे बच्चे जो आउट ऑफ स्कूल हैं उनका चिह्नीकरण करते हुए उनका नामांकन आयुसंगत कक्षा में कराया जाए और उन बच्चों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की जाए। इस प्रावधान को प्रभावी रूप में क्रियान्वित करने के लिए समय-समय पर जिलाधिकारी के निर्देशन में कार्यक्रम 'शारदा' संचालित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 'शारदा' (स्कूल हर दिन आएं) कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के समस्त आउट ऑफ स्कूल बच्चों को वापस दाखिले का प्रावधान है। आउट ऑफ स्कूल बच्चे 02 श्रेणी के हो सकते हैं। पहले ऐसे बच्चे जिनका विद्यालय में कभी भी नामांकन नहीं किया गया हो। दूसरे ऐसे बच्चे जिनका विद्यालय में पूर्व में नामांकन हुआ था, लेकिन किन्हीं कारणवश अपनी शिक्षा पूरी किए बिना विद्यालय छोड़ गया। शैक्षिक सत्र 2023-24 में यह अभियान दो चरणों में संचालित किया जाएगा। प्रथम चरण में बच्चों का चिह्नीकरण एवं आयु संगत कक्षा में नामांकन 01 अप्रैल से 15 मई 2023 की अवधि में किया जाएगा। वहीं दूसरे चरण में ईंट भट्टा खदानों एवं मौसमी पलायन से प्रभावित परिवारों के बच्चों का चिह्नीकरण एवं आयु संगत कक्षा में नामांकन दिनांक 01 से 31 जुलाई 2023 की अवधि में संपन्न किया जाएगा। इसके अलावा विशिष्ट आवश्यकता वाले आउट ऑफ स्कूल बच्चों के चिह्नांकन का कार्य भी साथ ही किया जाएगा तथा चिन्हांकन के बाद आयु संगत कक्षा में नामांकन कार्य जाएगा। पलायन करने वाले बच्चों को माइग्रेशन सर्टिफिकेट उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे बच्चे को पलायन किए जाने वाले स्थान के निकटतम विद्यालय में माइग्रेशन सर्टिफिकेट के आधार पर नामांकन कराया जा सके। विद्यालयों में आयुसंगत कक्षा में नामांकित आउट ऑफ स्कूल बच्चों को उनकी कक्षा के अनुरूप पाठ्यक्रम के आधार पर विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए नोडल अध्यापक को ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षत किया गया है।

चंबल क्रिकेट लीग-2 का उद्घाटन, 14 दिनों तक भिड़ेंगी कई जिलों की टीमें

औरैया, (हि. स.)। चंबल विद्यापीठ द्वारा आयोजित चंबल क्रिकेट लीग सीजन-2 शनिवार को उद्घाटन चंबल आश्रम हुकुमपुरा ग्राउंड पर भव्यता के साथ हुआ। चंबल अंचल के भगत सिंह कहे जाने वाले महान क्रांतिकारी शहीद डॉ. महेशचंद्र सिंह चौहान की शहादत दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि और गगनभेदी नारों के साथ इस क्रिकेट लीग का उद्घाटन हुआ। चंबल क्रिकेट लीग सीजन-2" के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शहीद डॉ. महेश सिंह के अनुज और प्रसिद्ध इतिहासकार देवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान चंबल अंचल के रणबांकुरों ने घाटी को लंबे समय तक आजाद रखा। इसका खामियाजा यह रहा कि उस दौर में इस अंचल को पिछड़ा रखा गया और आजादी के बाद भी सरकारों ने चंबल अंचल पर ध्यान नहीं दिया। वरिष्ठ लेखक और फिल्मकार नईम कुरैशी ने कहा कि इस बीहड़ में शहीदों को चाहने वाले युवा अलख जलाए हुए हैं ,यह अनोखी बात है। सूरज रेखा त्रिपाठी एडवोकेट ने कहा कि चंबल में हमेशा क्रांतिवीर पैदा हुए हैं। यहां तेजाबाई जैसी वीरांगना का हुईं। समारोह को धीरेंद्र सिंह भदौरिया, लोकगायक सद्दीक अली, लीग संरक्षक महेश सिंह चौहान ने भी संबोधित किया। संचालन चंबल परिवार प्रमुख डॉ. शाह आलम राना ने किया। उद्घाटन के बाद सिन्डौस (इटावा) और धानुकपुरा (भिंड) के बीच पहला मुकाबला हुआ। धानुकपुरा ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला लिया। निर्धारित 12 ओवर में 7 विकेट के नुकसान सिन्डौस ने 103 रन बनाए। जवाब में उतरी धानुकपुरा टीम 11.4 ओवर में 74 रन में ही सिमट गयी। मैन ऑफ द मैच सिन्डौस टीम के निखिल रहे जिन्होंने 28 रन बनाए और 3 ओवर में 1 विकट झटके। मैन आफ द मैच ट्राफी चंबल परिवार से जुड़े नंदकुमार ने प्रदान किया। इस अवसर पर कुलदीप परिहार, गजेंद्र सिंह एडवोकेट, भोदल यादव प्रधान, आनंद मास्टर, देवेंद्र सिंह, आदिल खान, विनोद सिंह गौतम, अनिकेश आदि मौजूद रहे। चंबल क्रिकेट लीग के संस्थापक डॉ. शाह आलम राना ने बताया कि लीग में औरैया, इटावा, जालौन और भिन्ड जनपदों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस लीग से चंबल घाटी की सकारात्मक छवि बन रही है। औरैया, इटावा, जालौन और भिंड जिला मुख्यालय से समान दूरी पर हुकुमपुरा स्थित चंबल आश्रम सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधि का केंद्र बन रहा है। बिलौड पंचायत का हुकुमपुरा गाँव कभी कुख्यात दस्यु सरगना रहे सलीम गुर्जर उर्फ पहलवान की वजह से सुर्खियों में रहा है। अब बदलाव की नई बयार बह रही है। इस बार भी यह आयोजन जन सहयोग और साथियों के श्रम सहयोग से यादगार हो रहा है। रात्रि में भारी बारिश और ओले पड़ने के बाद आयोजन संपन्न हुआ।

उत्तर प्रदेश के मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के कारागार मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। प्रजापति ने राष्ट्रपति को अलीगढ़ जिला जेल के कैदियों द्वारा निर्मित लकड़ी का शिवलिंग, बांसुरी एवं ओम की आकृति और मथुरा जिला जेल में निर्मित साड़ियां भेंट कीं। इसके अलावा लखनऊ और गाजियाबाद की जिला जेलों में कैदियों द्वारा निर्मित अन्य वस्तुएं भी भेंट कीं। मंत्री प्रजापति ने राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान एक वर्ष के कार्यकाल में 50 से अधिक जेलों में बंदियों से किए गए संवाद का व्यक्तिगत अनुभव साझा किया। कारागार मंत्री ने कहा कि प्रदेश की जेलों में अंग्रेजों के समय से चले आ रहे जेल मैनुअल में बदलाव सहित बहुत सारे अन्य सुधार एवं कार्य किए गए हैं। प्रजापति ने कहा कि जेलों में बंदियों को कौशल विकास से जोड़कर हुनरमंद बनाया जा रहा है एवं उनके निर्मित उत्पादों को ओडीओपी से भी जोड़ा जा रहा है ताकि बंदी आत्मनिर्भर बनें और जेल से निकलकर स्वरोजगार से खुद को जोड़ सकें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में कारागार एवं होमगार्ड विभाग में लगातार सुधार हो रहा है और सच्चे मायने में उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश बन रहा है।

कान्वेंट की तरह बन चुके सरकारी स्कूलों में भेजें अपने बच्चे : कैबिनेट मंत्री

कानपुर देहात, (हि.स.)। जनपद में शनिवार को स्कूल चलो अभियान - 2023 और संचारी रोग अभियान का आयोजन किया गया । इस दौरान प्रदेश सरकार के दो मंत्री और मण्डल के अधिकारी समेत जनपद के अधिकारी मौजूद रहे । इस दौरान बच्चों को स्कूली बैग, किताबों के साथ कई सामग्री का वितरण किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने ग्रामीणों से अपील की है कि वह अपने बच्चों को प्राइवेट नहीं बल्कि कॉन्वेंट की तरह बन चुके सरकारी स्कूलों में भेजें। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 01 अप्रैल से स्कूल चलो अभियान-2023 का शुभारंभ किया गया। इसी अभियान को हर जिले में बढ़ाने के लिए जनपद के अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसको लेकर प्राथमिक विद्यालय स्योदा में इसका आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान राज्य मंत्री अजीत पाल मौजूद रहे। कार्यक्रम में बच्चों को किताबें व स्कूल किट वितरित की गई। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने बताया कि उनकी सरकार लगातार शिक्षा को बेहतर करने के लिए हर सम्भव कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1 अप्रैल से स्कूल चलो अभियान-2023 का शुभारंभ किया है, जिसको लेकर जगह-जगह कार्यक्रम किये जा रहे हैं। उनकी सरकार में प्राइमरी स्कूलों को कॉन्वेंट की तरह बनाया जा रहा है। जिस तरह स्योंदा का यह स्कूल है जहां स्मार्ट क्लास हैं बच्चों के लिए बड़ा ग्राउंड है। इसलिए उन्होंने ग्रामीणों से भी अपील की है कि ग्रामीण अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल में न भेजें, उन्हें अच्छी सुविधा वाले सरकारी स्कूलों में ही भेजें। वहीं उन्होंने कहा कि इसी के साथ हम संचारी रोगों को लेकर भी सतर्क हैं और जगह-जगह जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में मंडलायुक्त राज शेखर, जिलाधिकारी नेहा जैन, मुख्यमंत्री विकास अधिकारी सौम्या पाण्डे और बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धि पाण्डे मौजूद रहीं।

नक्सल प्रभावित छह जिलों को विशेष केंद्रीय सहायता के तहत मिले 51.73 करोड़

रांची, (हि.स.)। राज्य के छह नक्सल प्रभावित जिलों गिरिडीह, गुमला, खूंटी, सरायकेला, चतरा और चाईबासा को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 51.73 करोड़ रुपये मिले हैं। यह राशि केंद्र प्रायोजित पुलिस आधुनिकीकरण योजना अंतर्गत विशेष केंद्रीय सहायता योजना के तहत दी गयी है। गिरिडीह को 10.25 करोड़, गुमला को 10.25 करोड़, खूंटी को 9.89 करोड़, सरायकेला को 10.25 करोड़, चाईबासा को 10.25 करोड़ और चतरा 84 लाख रुपये मिले हैं। इस राशि से राज्य के छह जिलों में सार्वजनिक आधारभूत संरचना और सेवाओं से संबंधित क्रिटिकल गैप्स को भरा जायेगा। इसके लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश के अति उग्रवाद प्रभावित जिलों में विशेष केंद्रीय सहायता देने की योजना बनायी थी, जिसमें छह जिले झारखंड के हैं। झारखंड के आठ जिले माओवादियों की सक्रियता के लिहाज से अति माओवाद प्रभाव श्रेणी में हैं जबकि 16 जिलों में माओवादियों का प्रभाव है। देश के अति माओवाद प्रभाव वाले 25 में आठ जिले झारखंड के हैं। झारखंड में माओवाद वाले 16 जिलों में रांची, खूंटी, बोकारो, चतरा, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं। वहीं 8 अति माओवाद प्रभावित जिलों में चतरा, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम हैं।

झारखंड में कोरोना के बढ़ते मामलों पर मॉक ड्रिल की तैयारी

रांची, (हि.स.)। झारखंड में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रांची में जहां आठ कोरोना संक्रमित हैं, वहीं राज्यभर में 18 नए कोरोना संक्रमित मिल चुके हैं। ऐसे में शनिवार को राज्यभर के सरकारी अस्पतालों में कोरोना संक्रमण से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल की जाएगी। रांची के सदर अस्पताल और रिम्स में मॉक ड्रिल में एक डमी कोरोना संक्रमित मरीज की जानकारी मिलते ही उसे एंबुलेंस में अस्पताल लाकर इमरजेंसी में भर्ती कराने, जांच करने और तत्काल इलाज शुरू करने के लिए उपलब्ध संसाधनों को परखा जाएगा। इस दौरान पीएसएम मशीन और वेंटिलेटर को भी स्टार्ट किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आपात स्थिति में कोरोना से निपटने के लिए हमारी व्यवस्था कितनी तैयार है। झारखंड में भी छह जिलों में कोरोना के एक्टिव केस मिले हैं, जिसमें सबसे अधिक 11 कोरोना संक्रमित जमशेदपुर में, देवघर में दो, धनबाद में एक, रामगढ़ में एक, पश्चिमी सिंहभूम में एक और रांची में आठ नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। इस संबंध में रांची के सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार ने बताया कि विभाग से मिले निदेर्शों के अनुसार शनिवार को सदर अस्पताल रांची में कोरोना को लेकर मॉकड्रिल की जाएगी। इस दौरान अन्य सीएचसी में भी मॉक ड्रिल होगी। डॉ विनोद कुमार ने कहा कि जिस तरह से देश के कई हिस्सों में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़े हैं और नए सब वैरिएंट मिले हैं इस तरह की मॉकड्रिल बेहद फायदेमंद होगा। रांची के प्रख्यात इंटरनल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ एके झा ने बताया कि कोरोना का खतरा उन लोगों में ज्यादा खतरनाक रूप ले लेता है, जो फेफड़े या किसी अन्य बीमारी से पहले से ग्रसित होते हैं। उन्होंने बताया कि वैसे लोग जिन्होंने वैक्सीन का डोज कंप्लीट नहीं किया है उनको भी फिर से संक्रमित होने का खतरा है। हालांकि, हार्ड इम्युनिटी की वजह से राज्य में बड़ी आबादी में एंटीबॉडी तैयार है लेकिन मॉक ड्रिल के साथ-साथ वैक्सीनेशन, मास्क का इस्तेमाल, दो गज की दूरी और सर्दी-खांसी के साथ बुखार होने पर कोरोना जांच कराना आज भी जरूरी है।

मुख्यमंत्री के आदेश पर होनहार अंकित के परिजनों को मिला योजनाओं का लाभ

अंकित की पढ़ाई और परिवार के जीविकोपार्जन में आ रही अड़चने हुई दूर

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के आदेश को उपायुक्त बोकारो ने अमलीजामा पहना दिया। मुख्यमंत्री को उपायुक्त बोकारो ने बताया कि अंकित कुमार एवं उनकी माता बिराजू देवी से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना। तत्काल प्रखंड विकास पदाधिकारी को डा. भीमराव आंबेडकर आवास योजना के तहत आवास स्वीकृति का आदेश दिया गया है। अंकित के लिए कोचिंग संस्थान में नामांकन, आवासन, पुस्तक,नोटबुक आदि की व्यवस्था प्रशासन द्वारा जल्द सुनिश्चित कराने, परिवार को जीविकोपार्जन में सहयोग को ले मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, जेएसएलपीएस योजना के तहत क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराने, अंकित की छोटी बहन पिंकी को 11वीं में केजीबीवी गोमिया में नामांकन एवं पिता अशोक प्रजापति को संपूर्ण चिकित्सीय जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूर्व से राशन कार्ड, प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ मिल रहा है।

यह था मामला - मुख्यमंत्री को जानकारी मिली कि बोकारो निवासी अंकित कुमार ने मैट्रिक परीक्षा 2022 में करीब 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से वह आगे की पढ़ाई करने में असमर्थ है। अंकित के पिता शारीरिक रूप से कमजोर हैं और मजदूरी करने वाली मां का वाहन दुर्घटना में हाथ-पैर टूट गया था, जिससे पूरे परिवार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। मामले की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री ने उपायुक्त बोकारो को अंकित की पढ़ाई के लिए हरसंभव सरकारी सहायता पहुंचाने एवं अंकित के परिवार को जरूरी सभी योजनाओं से जोड़ते हुए भी सूचित करने का आदेश दिया था।

किसानों के बीच मूंग के बीज का किया गया वितरण

भागलपुर, (ही.स.)। सुल्तानगंज प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित किसान भवन में शनिवार को ऑनलाइन आवेदन करने वाले दर्जनों किसानों के बीच मूंग का प्रत्यक्षण बीज वितरण किया गया। बताते चलें कि विशेष दलहन योजना के अंतर्गत किसानों को निर्धारित मूल्य 350 रुपया में 8 केजी मूंग का बीज वितरण किया जा रहा है। ऑनलाइन आवेदन करने वाले किसान ई किसान भवन में पहुंचकर इसका लाभ उठा रहे हैं। कृषि सलाहकार ने बताया कि प्रखंड के 26 सौ किसानों के बीच 210 क्विंटल बीज वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है।

जिसमें 183 क्विंटल मूंग बीज वितरण किया जा चुका है। शेष बचे किसानों के बीच वितरण किया जा रहा है। वहीं उन्होंने बताया कि 25 किसानों के बीच तिल का प्रत्यक्षण बीज भी वितरण किया गया।

सासाराम और नालंदा में हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई : मुख्यमंत्री

पटना, (हि.स.)। बिहार के सासाराम और नालंदा में रामनवमी के बाद हुई हिंसा की घटनाओं पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि सरकार अलर्ट मोड में है। अधिकारी नजर बनाए हुए हैं। गड़बड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 'ये लॉ एंड ऑर्डर का नहीं, बल्कि आपस का मामला है', गड़बड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा'। उन्होंने दोनों जिलों की हिंसात्मक वारदात के पीछे साजिश होने की बात करते हुए कहा कि पुलिस को पता लगाने के निर्देश दिए गए हैं कि इसके पीछे कौन लोग हैं जो यह सब करा रहे हैं। सासाराम की घटना के बाद शुक्रवार शाम छह बजे बिहारशरीफ में हिंसा की घटना का पता चला। तुरंत पुलिस ने आला अधिकारियों के साथ वहां स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने कहा हिंसात्मक वारदात कराने वाले लोगों का पता लगाकर पुलिस उनके खिलाफ जरूर कार्रवाई करेगी। ऐसे किसी व्यक्ति को नहीं छोड़ा जाएगा जो इन घटनाओं में शामिल रहा हो। दोनों जिलों में हुई हिंसा की घटनाओं के बाद बड़े धारा 144 लागू है। साथ ही इंटरनेट भी बंद कर दिया है। उल्लेखनीय है कि नालंदा के बिहारशरीफ के गगन दीवान मोहल्ले में शोभायात्रा में शामिल कुछ लोग कब्रिस्तान के ऊपर से चढ़ कर जाने लगे। इस दौरान एक पक्ष की ओर से गाली-गलौच होने लगी। फिर पथराव और आगजनी शुरू हो गई। इसके बाद नालंदा और सासाराम में इंटरनेट बंद कर दिया गया। सासाराम में भी शुक्रवार को शोभायात्रा के दौरान दो पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों में हिंसक झड़प हुई। इसके बाद सासाराम में धारा 144 लगा दी गई है। इंटरनेट बंद कर दिया गया है। पुलिस ने नालंदा में 27 और सासाराम में 18 लोगों को गिरफ्तार किया है।

ऐतिहासिक होगी अमित शाह की हिसुआ में प्रवास रैली जनसभा : आरके सिन्हा

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिले के कौआकोल में गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नवादा के हिसुआ में 2 अप्रैल को होने वाली जनसभा को सफल बनाने को लेकर शनिवार को पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा ने कौआकोल पूर्वी जिला पार्षद अजित यादव के साथ कौआकोल में रोड शो किया एवं लोगों को विशाल जनसभा में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। इसके बाद पूर्व राज्यसभा सासंद कौआकोल बाजार स्थित भाजपा नेता अजित यादव के आवास पर पहुंचे। जहां भाजपा नेता अजित यादव ने अंग वस्त्र देकर उनका स्वागत किया। जिला पार्षद के आवास पर लोगों को सम्बोधित करते हुए आरके सिन्हा ने कहा कि 2 अप्रैल को हिसुआ में होने वाली अमित शाह की विशाल जनसभा ऐतिहासिक होने जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के वर्तमान नीतीश सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अमित शाह की जनसभा यह बताने के लिए काफी होगा कि प्रदेश के लोग वर्तमान सरकार से त्रस्त होकर भाजपा के साथ चलने को तैयार है। उन्होंने कहा कि 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने दूर दूर तक विपक्ष कहीं नहीं है। मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा,वीरेन्द्र सिंह,पश्चिमी मण्डल के अध्यक्ष अशोक सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे।

संपादकीय

जर्मन लोकतंत्र न पढ़ाए

राहुल गांधी और भारतीय लोकतंत्र के मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस एक बार फिर टकराव की मुद्रा में हैं। जर्मनी के विदेश मंत्रालय की प्रेस ब्रीफिंग में अपेक्षा की गई है कि राहुल गांधी पर कार्रवाई करते हुए न्यायिक स्वतंत्रता के मानकों और बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांतों का ध्यान रखा जाए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने जर्मनी का आभार जताया कि उसने भारत में लोकतंत्र के साथ किए जा रहे समझौतों पर ध्यान दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का बयान कुछ और बयां करता है। दरअसल अब इस अध्याय को बंद किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सांसदी तकनीकी और संवैधानिक तौर से खारिज की गई है। इस संदर्भ में गौरतलब है कि जब सर्वोच्च अदालत ने दो साल की घोषित न्यायिक सजा पर संसद और विधानसभा सदस्यता रद्द करने का फैसला सुनाया था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की कैबिनेट ने एक अध्यादेश पारित किया था। वह न्यायपालिका का पलटजवाब था। अध्यादेश के जरिए दागी और सजायाफ्ता नेताओं को बचाने के प्रावधान किए गए थे। राहुल गांधी अचानक प्रेस क्लब ऑफ इंडिया गए और उस अध्यादेश की प्रतिलिपि फाड़ते हुए बोले-'नॉनसेंस!' नतीजा यह हुआ कि कैबिनेट को वह अध्यादेश वापस लेने का निर्णय लेना पड़ा। आज अध्यादेश कानूनी तौर पर लागू होता, तो राहुल की सांसदी बच जाती। बहरहाल अब सर्वोच्च अदालत का फैसला लागू है। उसके तहत 15-20 नेताओं की सांसदी रद्द की जा चुकी है। कुछ उदाहरण हैं-चारा घोटाले में जगदीश शर्मा, जद-यू सांसद मित्रसेन यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस सांसद रशीद मसूद, पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव, तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता और पूर्व कांग्रेस सांसद राशिद अल्वी आदि। किसी की खारिज सांसदी पर, किसी भी देश ने, हमें लोकतंत्र और न्यायिक स्वतंत्रता का पाठ नहीं पढ़ाया। जर्मनी पर तानाशाह हिटलर ने भी शासन किया था, लिहाजा उसकी परंपराओं में तानाशाही है। वह दुनिया के सबसे बड़े और प्राचीनतम लोकतंत्र भारत को क्या नसीहत दे सकता है? राहुल गांधी ने लंदन में यह इच्छा जरूर जाहिर की थी कि अमरीका और यूरोप के देश खुद को लोकतंत्र का रक्षक मानते हैं। वे ध्यान दें कि एक बड़े देश के लोकतंत्र में क्या हो रहा है? विदेशी दखल की उनकी इच्छा आंशिक तौर पर पूरी हो गई है। राहुल के सामने कानूनी विकल्प आज भी हैं। उन्हें भारत के कानून और विदेशी दखल में से एक विकल्प चुनना है। वह अदालत में चुनौती अब भी दे सकते हैं। उन्हें अदालत में जाना भी चाहिए, क्योंकि पटना उच्च न्यायालय ने 12 अप्रैल को पेश होने का नोटिस भी भेजा है। 'मोदी उपनाम वाले ही चोर..' वाले संदर्भ में भाजपा सांसद एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने भी मानहानि का केस किया था। राहुल अदालत में गुहार लगा कर ऐसे सभी मामलों की एक ही जगह सुनवाई का अनुरोध कर सकते हैं। अदालत के जरिए ही जिस तरह लक्षद्वीप के सांसद मुहम्मद फैज़ल की सांसदी बहाल की गई है, उसी तरह राहुल के संदर्भ में भी संभव है। जर्मनी का बयान कितना कारगर साबित हो सकता है? अमरीका और यूरोपीय देश मानवाधिकार, अल्पसंख्यक सुरक्षा और अभिव्यक्ति की आज़ादी संबंधी नसीहतें भारत सरकार को देते रहे हैं। भारतीय लोकतंत्र को कौन सबक सिखा सकता है? भारत के सभी बड़े देशों से अच्छे रिश्ते हैं। यह 1960, '70, '80 और '90 के दशकों वाला भारत नहीं है। भारत आज विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। राहुल गांधी का मामला भारत का अपना अंदरूनी मामला है। एक और विनम्र सलाह राहुल गांधी के नाम है कि चाटुकार कांग्रेसियों पर जरा अंकुश लगाएं। अब कांग्रेस प्रवक्ता राहुल गांधी की तुलना भगवान श्रीराम से कर रहे हैं और 'भारत जोड़ो यात्रा' को राम का वनवास करार दिया जा रहा है। इससे राहुल की सांसदी बहाल नहीं हो सकती और न ही पार्टी का वोट बैंक विस्तार पा सकता है। सार्थक अभियान चलाएं, तो आम भारतीय की सहानुभूति जुड़ भी सकती है। आगामी लोकसभा चुनाव अब ज्यादा दूर नहीं हैं। अगले साल यह चुनाव होने प्रस्तावित हैं। कांग्रेस को सार्थक अभियान लेकर जनता के बीच जाना होगा। जनता का विश्वास जीतने के लिए उसे कड़ी मेहनत करनी है। उसे जनहित के मसलों पर सरकार को घेरना है। साथ ही अन्य विपक्षी दलों को उसे यह विश्वास दिलाना है कि वही वो दल है, जो विपक्ष का नेतृत्व कर सकता है और उसके बिना मोदी सरकार को हिलाना मुश्किल है।

> अध्यादेश के जरिए दागी और सजायाफ्ता नेताओं को बचाने के प्रावधान किए गए थे। राहुल गांधी अचानक प्रेस क्लब ऑफ इंडिया गए और उस अध्यादेश की प्रतिलिपि फाड़ते हुए बोले-'नॉनसेंस!' नतीजा यह हुआ कि कैबिनेट को वह अध्यादेश वापस लेने का निर्णय लेना पड़ा। आज अध्यादेश कानूनी तौर पर लागू होता, तो राहुल की सांसदी बच जाती। बहरहाल अब सर्वोच्च अदालत का फैसला लागू है। उसके तहत 15-20 नेताओं की सांसदी रद्द की जा चुकी है। कुछ उदाहरण हैं-चारा घोटाले में जगदीश शर्मा, जद-यू सांसद मित्रसेन यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस सांसद रशीद मसूद, पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव, तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता और पूर्व कांग्रेस सांसद राशिद अल्वी आदि। किसी की खारिज सांसदी पर, किसी भी देश ने, हमें लोकतंत्र और न्यायिक स्वतंत्रता का पाठ नहीं पढ़ाया।

कुछ अलग

निर्माण के पाप-पुण्य

नवनिर्माण की हिस्सेदारी में गुणवत्ता के हिस्से अगर बिखर जाएं, तो यह सदी के गुनाह क्यों न माने जाएं। हमीरपुर में एक निर्माणाधीन पुल के गिरने ने बता दिया कि हमारी उपलब्धियों में कहां-कहां सुराख हैं। यह एक स्लैब का गिरना नहीं, बल्कि निर्माण के डिजाइन, विभागीय कार्यशैली और विकास के कार्यों के कार्यान्वयन पर उठ रहे सवाल हैं। हम इसे एक छोटी से गुस्ताखी, लापरवाही या अनुभवहीनता मान कर टाल सकते हैं, लेकिन यह उस परिपाटी का एक हिस्सा है जिसके तहत पूरे हिमाचल में सरकारी परियोजनाओं की मिट्टी पलीद हो रही है। जाहिर है बजट या धन की कमी नहीं है और न ही परियोजनाओं की कमी, लेकिन ढर्रा कुछ ऐसा बन गया कि इंजीनियरिंग में न तो नवाचार और न ही गुणवत्ता के प्रति संवेदनशीलता सामने आ रही है। हर किसी को सिर्फ एक उद्घाटन पट्टिका चाहिए और जिसके जरिए यह साबित करना होता है कि काम हो गया। यूं तो हिमाचल में निर्माण कार्यों में सभी विभागों ने अपने तकनीकी विंग खोल रखे हैं, लेकिन पीडब्ल्यू विभाग की मुख्य भूमिका सामने नहीं आ रही है। पर्वतीय परिवेश के लिए विकास के मायने, विकास साधन-संसाधन, विकास के समाधान और इसकी विशिष्टता केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि इसकी खास परिकल्पना में अनुसंधान व तमाम चेतावनियों के प्रति संज्ञान की जरूरत है। सर्वप्रथम स्थल चयन की प्रक्रिया में भूमि की प्रवृत्ति, भौगोलिक परिस्थिति और डिजाइन की भूमिका को निर्धारित करने का संकल्प सामने आना चाहिए। पुल, पुलिया और भविष्य के सेतु बनाने में बेशक सामग्री तो एक जैसी ही रहेगी, लेकिन अंतर सिर्फ प्रतिज्ञा और कमठता का है। पूरे हिमाचल में देखें तो इमारतें या अन्य निर्माण तो धड़ाधड़ हो रहा है, लेकिन भविष्य का निर्माण देखना बाकी है। अस्पताल, अदालत, पुस्तकालय, स्कूल, कालेज या धार्मिक स्थलों के विकास में एक जैसी वास्तुकला, डिजाइन या परिकल्पना नहीं हो सकती। आज भी हम शिमला में ब्रिटिश शासन के दौरान निर्मित भवनों के समानांतर कोई नई इमारत नहीं सजा पाए। इसका उदाहरण न्यू शिमला की अफरातफरी में परिलक्षित है। हमारा बजट अग्रगामी हो सकता है, लेकिन विकास के पैरामीटर तय नहीं हो रहे। इसलिए पुल के एक स्लैब का गिरना केवल सामग्री का गिरना नहीं हो सकता, बल्कि स्थल चयन, डिजाइन व विकास की दौड़ में लक्ष्यों का गिरना भी है। ये खतरे केवल सार्वजनिक क्षेत्र तक ही सीमित नहीं, बल्कि निजी तौर पर भी पहाड़ों से मानव का संघर्ष अब कोताही पर उतर आया है। उदाहरण के लिए अतीत का सोलन शहर आज के शहरी आधिपत्य में अपने अस्तित्व को नजरअंदाज कर रहा है। सोलन के वर्तमान में न शहरी विकास विभाग की कोई परिकल्पना दिखाई देती है और न ही बढ़ती चुनौतियों का किसी ने संज्ञान लिया। देखते ही देखते यह प्रदेश का अपार्टमेंट शहर बन गया, लेकिन इसकी कोई परिभाषा सामने नहीं की गई। इसी तरह पूरे प्रदेश में पहाड़ कट रहे हैं, प्राकृतिक जल निकासी के रास्ते अवरुद्ध हैं और बिना मानदंड के घाटी की ओर से सडक़ों के किनारे पर इमारतों के झुंड आसीन हैं। राजनीतिक दखल से टीसीपी की नजर में आए ग्रीन क्षेत्रों में भी निर्माण की अनुमति अगर रूटीन बन गई है, तो हर शहर में कहीं न कहीं कब्रिस्तान खड़ा है।

सार्वजनिक रूप से गरिमा के प्रतिकूल टिप्पणी करने की कीमत चुकाने से नेताओं में डर पैदा होगा

राहुल गांधी को मिली सजा के सबक

योगेंद्र योगी

देश के विकास की बागडोर नेताओं के हाथ में है। देश में लोकतांत्रिक शासन पद्धति होने से उम्मीद यही की जाती है कि नेता देश को नई दशा-दिशा देंगे। देश और समाज के समक्ष अपने आचरण और व्यवहार से आदर्श पेश करेंगे। इसके विपरीत यदि नेता ही अपनी जुबान पर लगाम नहीं रख पाएं तो देश के भले की उम्मीद नहीं की जा सकती। अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब यह नहीं है कि नेता बदजुबानी पर उतर आएं। ऐसे बेलगाम नेता पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संयम और अनुशासन बरतने का क्या संदेश देंगे। आत्मनुशासन के बजाय नेताओं को कानून के जरिए संयत भाषा और आचरण से नियंत्रित किए जाने की कार्रवाई उनको आईना दिखाने वाली मानी जाएगी। अपशब्द कहने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मिली सजा और उससे गई संसद की सदस्यता से उम्मीद की जानी चाहिए कि देश के नेता अपनी जुबान पर लगाम लगाएंगे। नेताओं को जुबान पर लगाम का सबक सिखाने के मामले में राहुल गांधी को मिली सजा मील का पत्थर साबित होगी। इससे कम से कम सार्वजनिक रूप से गरिमा के प्रतिकूल टिप्पणी करने की कीमत चुकाने से नेताओं में डर पैदा होगा। यह पहला मौका नहीं है जब किसी राष्ट्रीय स्तर के नेता को अदालत से मिली सजा और उसके बाद संसद की सदस्यता गंवानी पड़ी हो। इससे पहले राजद के नेता लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता सहित कई नेताओं को विधानसभा और लोकसभा से सदस्यता से हाथ धोना पड़ा था। राहुल के सिवाय इन नेताओं को आपराधिक और दूसरे मामलों में जेल की सजा सुनाए जाने पर सदस्यता खोनी पड़ी। इसके विपरीत राहुल को एक जाति विशेष पर अपशब्द कहने के कारण सदस्यता से हाथ धोना पड़ा। देश की विभिन्न अदालतों में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर नेताओं के खिलाफ दर्जनों मानहानि और आपराधिक मामले विचाराधीन हैं। इनमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भी करीब आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। राहुल गांधी के खिलाफ आरएसएस पर टिप्पणी करने पर कई मामले चल रहे हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'चौकीदार चोर है' जैसी टिप्पणी करने पर वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट में बगैर शर्त माफी मांगी थी। राहुल गांधी ने इससे सीख लेने के बजाय अमर्यादित भाषा बोलना बंद नहीं किया। अदालत से बाहर भी राहुल ने इस तरह की अभद्रता करने पर अफसोस जाहिर नहीं किया। अब कांग्रेस इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाए हुए है। कांग्रेस इसे कर्नाटक चुनाव सहित आगामी चुनावों में मुद्दा बना रही है। इससे यही माना जाएगा कि कानून का सम्मान करने के बजाय आंखें दिखा कर सहानुभूति बटोरने के प्रयास से कांग्रेस देश में समस्याओं के असली मुद्दों से मुंह फेर रही है। राहुल से पहले भी अभद्र टिप्पणी करने पर कई नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हुई है। कांग्रेस की इंदौर इकाई के सेवादल के पूर्व जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर पटेल को पुलिस ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। नागपुर पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में पूर्व कांग्रेस जिला पदाधिकारी शेख हुसैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्डरिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई पर कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान हुसैन ने पीएम मोदी के लिए अपमानजनक शब्द कहे थे। इसी तरह के आरोप में लखनऊ पुलिस ने समाजवादी पार्टी के सोशल मीडिया सेल से सम्बद्ध मनीष जगन अग्रवाल को गिरफ्तार किया। कोलकाता पुलिस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप में कांग्रेस नेता कौस्तुभ बागची को गिरफ्तार किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के खिलाफ मानहानि के कई मामले अदालतों में विचाराधीन हैं। जिला या राज्यस्तरीय नेता होने के कारण इन मामलों में की हुई कानूनी कार्रवाई राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय नहीं रही। परोक्ष तौर पर कांग्रेस के सर्वेसर्वा होने के कारण राहुल गांधी के खिलाफ हुई कार्रवाई की गूंज देशभर में है। राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने से भडक़ी कांग्रेस देश भर में धरने-प्रदर्शन करके इसे चुनावी मुद्दा बना रही है। सजा चूंकि अदालत से मिली है, इसलिए राहुल और कांग्रेस इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार नहीं ठहरा सके, किन्तु सजा से सदस्यता चली जाने के मुद्दे को लेकर मुद्दा बना लिया। विपक्षी दलों के नेता भी इस मुद्दे पर राहुल गांधी का समर्थन कर रहे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस और दूसरे दलों के नेताओं ने अमर्यादित टिप्पणियों से बचने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। क्षेत्रीय दलों के नेताओं के एक-दूसरे के खिलाफ और भाजपा के नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा के इस्तेमाल करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। देश में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की संख्या बढने के साथ ही सत्ता के लिए मची होड़ ने नैतिकता के साथ कानून की तमाम हदें भी पार की हैं। क्षेत्रीय दलों में ज्यादातार नेताओं के परिवार का बोलबाला है। इसीलिए सत्ता पाने की प्रतिस्पर्धा से राजनीति में गिरावट का सिलसिला जारी है। कांग्रेस के पास अन्य दलों की तुलना में लोकसभा में सीटें बेशक कम हों, किन्तु विपक्षी दलों में कांग्रेस एकमात्र पार्टी है, जिसकी तीन राज्यों में सत्ता होने के साथ राष्ट्रीय स्तर पर संगठन का नेटवर्क है। इससे कांग्रेस की जिम्मेदारी अन्य दलों से कहीं ज्यादा है। सार्वजनिक जीवन में संयमित आचरण और ईमानदारी के मानदंड स्थापित करने की ज्यादा जिम्मेदारी भी कांग्रेस पर है। सत्ता पक्ष की नीतियों की आलोचना करना स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा और जरूरत है। इसके विपरीत यदि व्यक्तिगत आक्षेप लगा कर राजनीति को गंदा किया जाए तो आम लोगों से जुड़े मुद्दे हाशिए पर चले जाएंगे। इससे एक नए तरीके का विद्रूप राजनीति का माहौल देश में बनेगा। ऐसे वातावरण की कीमत देश को पिछडने से चुकानी पड़ेगी। उम्मीद यही की जानी चाहिए कि राहुल को मिली सजा और सांसद का पद जाने से देश के नेताओं को सार्वजनिक तौर पर बोलने से पहले सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा।

> राहुल के सिवाय इन नेताओं को आपराधिक और दूसरे मामलों में जेल की सजा सुनाए जाने पर सदस्यता खोनी पड़ी। इसके पिवरीत राहुल को एक जाति विशेष पर अपशब्द कहने के कारण सदस्यता से हाथ धोना पड़ा। देश की विभिन्न अदालतों में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर नेताओं के खिलाफ दर्जनों मानहानि और आपराधिक मामले विचाराधीन हैं। इनमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भी करीब आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। राहुल गांधी के खिलाफ आरएसएस पर टिप्पणी करने पर कई मामले चल रहे हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'चौकीदार चोर है' जैसी टिप्पणी करने पर वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट में बगैर शर्त माफी मांगी थी।

मामला एक गड़बड़ व्याख्या का

10 साल हो गए- साल 2012 में लैंगिक/यौन अपराधियों, विशेष रूप से वयस्क अपराधियों से बच्चों को बचाने के लिए "लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण" पॉक्सो लागू हुआ था। अधिनियम ने 18 साल से कम उम्र के व्यक्ति को बच्चे के बतौर परिभाषित किया और ऐसे में सहमति से यौन संबंधों की दलील के लिए कोई जगह नहीं बची। इसलिए, यदि ऐसे मामले में कोई व्यक्ति तर्क देता है कि यौन संबंध आपसी सहमति से हुआ है, तो इसका कोई मतलब नहीं रह जाता और इसे दुष्कर्म माना जाएगा। यहां यह याद रखना जरूरी है कि बाल अधिकारों पर बने कन्वेंशन तथा भारतीय संविदा अधिनियम सहित विभिन्न भारतीय कानूनों के तहत, वयस्कता की आयु 18 वर्ष है और उस उम्र से कम अवस्था में किसी भी प्रकार की सहमति को महत्वहीन माना जाता है। इस बात पर सार्वजनिक स्तर पर चर्चा होने लगी कि पॉक्सो के तहत दर्ज अधिकांश मामले उन बच्चों के हैं जो अपनी मर्जी से भाग जाने वाले और बच्चों के बीच सहमति से यौन संबंध बनाने वाले हैं, ऐसे में अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता महसूस हुई और इसलिए भी क्योंकि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने तो भारत के विधि आयोग को पॉक्सो अधिनियम में सहमति की आयु पर फिर से विचार करने का निर्देश भी दिया। आइए सबसे पहले पॉक्सो अधिनियम के प्रयोजन को समझें, यह बच्चों के बीच की यौन गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए कभी नहीं बनाया गया था। इसमें यह साफ-साफ कहा गया है कि यदि अपराध किसी बच्चे द्वारा किया जाता है तो ऐसे बच्चे को किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत जाएगा जिसका दृष्टिकोण सुधारात्मक है, दंडात्मक नहीं। दुर्भाग्य से, कुछ लोगों ने पॉक्सो एक्ट का इस्तेमाल लड़के को सबक सिखाने के हथियार के तौर पर किया और लड़की को तथाकथित प्रेम-प्रसंग के चक्कर में फंसाने के लिए। यह भी याद रखें कि कानून बनने से पहले पॉक्सो अधिनियम को संसद की स्थायी समिति द्वारा भलीभांति आंका गया था। ध्यान रहे कि जिस समय बिल संसद में पेश किया गया था, तो इसमें 16 से 18 साल के बच्चे के साथ दुष्कर्म के मामलों में 'सहमति' का प्रावधान था। संसद की स्थायी समिति अपनी इस संस्तुति के बारे में दृढ़ थी कि यदि बच्चों को सुरक्षित करने का इरादा है, तो "सहमति" का प्रावधान देकर दो कारणों से कानून को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए: पहला, मानव दुर्व्यापारी हमेशा यह कहकर बच जाएगा कि लड़की अपनी मर्जी से उसके साथ आई थी और दूसरा, अदालत में अभियुक्तों के बजाए बच्चे की इच्छा जानने पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। जब भी ऐसा हुआ तब, न्याय का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। आइए अब हम सरकार के वार्षिक प्रकाशन – क्राइम इन इंडिया में जारी कानून या विधि संबंधित आंकड़ों पर नजर डालते हैं। साल 2021 की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि देशभर में पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत कुल 53,874 मामले दर्ज किए गए। इनमें से 2,324 मामलों में बच्चे अभियुक्त थे और 1,725 बच्चों की उम्र 16 से 18 वर्ष की आयु के बीच की थी, वही उम्र जिसे बच्चों की सहमति से यौन संबंध बनाने की उम्र माना जा रहा था। अगर महज संख्या के लिहाज से देखें तो ऐसे बच्चे कुल चार प्रतिशत ही हैं। भले ही यह संख्या बहुत कम हो फिर भी सार्वजनिक रूप से उठाया गया मुद्दा मायने रखता है। इसके अलावा, जब कोई लड़की घर से भाग जाती है और उसके माता-पिता पुलिस के पास जाते हैं, तो अपहरण का मामला दर्ज कर लिया जाता है, साल 2021 में बच्चों के अपहरण के कुल 69,014 दर्ज हुए जिसमें से 7,901 यानी कुल मामलों का लगभग 11% इसी प्रकृति के थे। यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सभी मामले वास्तव में प्रेम-प्रसंग के नहीं होते हैं। जाहिर है, कई मामलों में कम उम्र लड़कियों को भयानक यौन इरादे के बहाने-फुसलाया जाता है, जो मानव दुर्व्यापार वगैरह का मामला हो सकता है। आंकड़ों से परे, इस बात पर विचार करना अधिक महत्वपूर्ण होगा कि क्या हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे, जो अभी तक शरीर या बुद्धि विवेक के मामले में एक बालिग के तौर पर पूरी तरह से विकसित नहीं हुए हैं, वे जीवन में इतनी जल्दी यौन गतिविधियों में शामिल हों? क्या वे इनके खतरों को जानते हैं? क्या हम कम उम्र लड़कियों की गोद में बच्चे देखना चाहते हैं? क्या हमने किसी 16 साल की लड़की से पूछा है कि पांच साल पहले किसी लड़के के साथ भागने के बाद, अब एक बच्चे को गोद में लिए परिवार की सेवा कर के वह कैसा महसूस करती है? क्या उसे लगता है कि उसने सही फैसला लिया था? और लड़के के बारे में क्या, क्या उस उम्र में जब उसे अपना कॅरियर बनाना चाहिए, नए कौशल सीखने चाहिए वह इस तरह की जिम्मेदारी संभालने में सक्षम है? ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सार्वजनिक बहस के आधार पर कानून में संशोधन की आवश्यकता है? क्या बच्चों के बीच यौन गतिविधि से संबंधित मात्र चार फीसदी मामलों के चलते कानून को बदला जाना चाहिए? शायद न्यायपालिका के यह कहने में कोई चूक हुई है कि प्रेम-प्रसंग के उन मामलों में जहां लड़का 19 वर्ष का है और लड़की 17 वर्ष की है, सहमति की जांच की जानी चाहिए? क्या उन्हें इसके बजाए सजा में संशोधन करके केवल उच्चतम सजा को परिभाषित करने तथा कम से कम सजा को न्यायपालिका के हाथों में छोड़ने का प्रस्ताव नहीं देना चाहिए? क्या हमें अन्य बड़े मुद्दों पर जो साफ तौर पर कानून को लागू करने में आड़े आ रहे हैं उन पर ध्यान नहीं देना चाहिए? क्या हम इस तथ्य को नजरअंदाज कर सकते हैं कि साल 2021 के अंत में पॉक्सो के 2.05 लाख मामले सुनवाई के लिए लंबित थे। लंबित होने की दर थी 92.6% और मामलों में सजा या निपटारे का प्रतिशत मात्र 2.5% था? क्या ये आंकड़े अधिनियम को लागू करने के लिए जिम्मेदार हितधारकों जैसे पुलिस, वकीलों तथा न्यायपालिका सहित बाल संरक्षण अधिकारियों तथा संस्थानों की जवाबदेही पर सवाल नहीं उठाते हैं? अफसोस की बात है कि बाल-केंद्रित विधिशास्त्र, जो कि न्याय की आत्मा है, धीरे-धीरे ढहता जा रहा है। इस देश में शायद ही ऐसी कोई महिला हो जिसने बचपन में किसी तरह के यौन उत्पीड़न या यौन हमले को न झेला हो। मसला यह है कि जब उसे पता चलता है कि एक 13 साल की लड़की, जो ललितपुर के पुलिस थाने में सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने जाती है, पर मारपीट, दुष्कर्म करने वालों पर एफआईआर दर्ज करने की बजाए कानून का रक्षक बेरहमी से उसके साथ दुष्कर्म करता है और वह नाबालिग लड़की पहले की तरह चुप रहती है, डरती रहती है। आत्मविश्वास के साथ-साथ निडर होकर सिस्टम के सामने आने और न्याय पाने का भरोसा डगमगा जाता है।

> दुर्भाग्य से, कुछ लोगों ने पॉक्सो एक्ट का इस्तेमाल लड़के को सबक सिखाने के हथियार के तौर पर किया और लड़की को तथाकथित प्रेम-प्रसंग के चक्कर में फंसाने के लिए। यह भी याद रखें कि कानून बनने से पहले पॉक्सो अधिनियम को संसद की स्थायी समिति द्वारा भलीभांति आंका गया था। ध्यान रहे कि जिस समय बिल संसद में पेश किया गया था, तो इसमें 16 से 18 साल के बच्चे के साथ दुष्कर्म के मामलों में 'सहमति' का प्रावधान था। संसद की स्थायी समिति अपनी इस संस्तुति के बारे में दृढ़ थी कि यदि बच्चोंको सुरक्षित करने का इरादा है, तो "सहमति" का प्रावधान देकर दो कारणों से कानून को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए: पहला, मानव दुर्व्यापारी हमेशा यह कहकर बच जाएगा कि लड़की अपनी मर्जी से उसके साथ आई थी और दूसरा, अदालत में अभियुक्तों के बजाए बच्चे की इच्छा जानने पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। जब भी ऐसा हुआ तब, न्याय का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। आइए अब हम सरकार के वार्षिक प्रकाशन – क्राइम इन इंडिया में जारी कानून या विधि संबंधित आंकड़ोंपर नजर डालते हैं।

नागरिक बोध

मास्क में गुण बहुत हैं...

कोरोना जी ने फिर से डराना शुरू कर दिया है। वह या यह बात अलग है कि हम डरें या नहीं, मास्क पहनें या लटकाएं। सच तो यह है कि मास्क अब हमेशा की तरह सुरक्षा दिलाती लाठी की तरह हो गया है। समझदार लोगों ने फिर से कहना शुरू कर दिया है, मास्क में गुण बहुत हैं लगाते रहिए अंग। इतिहास गवाह है जब कोरोनाजी और ओमीक्रोनजी आए हुए थे तब भी मास्क खुश होकर तो नहीं लगाए जाते थे। शान के रखवाले बंदे खूब अदा से जुर्माना देते थे। यह भी सच है जिन्होंने मास्क अपनाया, स्वास्थ्य का स्वादिष्ट फल पाया। अब कोरोनाजी के रिश्तेदार डरा रहे हैं, इसलिए जुर्माना फिर से शुरू हो सकता है। तब महसूस होगा कि मास्क में सचमुच बहुत गुण हैं। विश्वगुरुओं के देश में हर आदमी तो वीआईपी हो नहीं सकता कि मास्क न लगाए और जुर्माना भी न दे, बीमार हो जाए तो मुफ्त में इलाज करवाए और अखबार में खबर विद रंगीन फोटो भी आए। कितना सकारात्मक है, मास्क लगाने से आप दूसरों के नुकसानदेह कीटाणु नहीं लेते और अपने कीटाणु चाह कर भी नहीं देते। मास्क थोडा बड़े आकार का हो तो आपके निजी फायदे बढ़ जाते हैं। आपका चेहरा, जैसा भी हो, पहचाना नहीं जाता। ऐसा कोई व्यक्ति जिससे आप बात नहीं करना चाहते, सामने से आ रहा हो, पास से निकलेगा, आप पहचान में नहीं आओगे। शर्त यह रहेगी कि आप अपना नाक भी ढक लें। किसी का उधार चुकाना है तो आपको तब तक मोहलत मिल जाती है जब तक आप बिना मास्क नहीं मिलते। अमुक विरोधी जिससे आपका शारीरिक पंगा भी हुआ था, बड़े साइज़ का मास्क आपको उससे बचाकर रख सकता है। इस सन्दर्भ में काला चश्मा और कैप नहीं, हैट अतिरिक्त सुरक्षा कवर प्रदान कर सकते हैं। मास्क लगा हो तो सामने व्यक्ति को खुले मन से, चुपचाप बुरा भला कह सकते हैं। बड़बड़ाते हुए गाली जैसी चीज़ भी दे सकते हैं। आपकी भड़ास निकल जाएगी, उसे पता भी नहीं चलेगा।

देश दुनीया से

निरंकुश तंत्र में बदलने लगा अब लोकतंत्र

हिन्दुस्तान महात्मा गांधी का देश है। इस देश की नींव आजादी के उन महानायकों के बुलंद हौसलों पर रखी गई है, जिन्होंने फांसी के फंदे तो चूम लिए, मगर डिगे नहीं। वे तानाशाह हुकूमत की आंख में आंख डालकर देशवासियों के हक की लड़ाई शांति और अहिंसापूर्वक लड़ते रहे। आज कांग्रेस पार्टी, आजादी की दूसरी जंग-सड़क से संसद तक लड़ रही है। आज लड़ाई ब्रिटिश हुकूमत के बजाय दंभ में डूबी सरकार से है, जिसने गंभीर आक्षेपों से घिरे अडानी के लिए सदन की आहुति देने की ही ठान ली है। संसदीय गरिमा, दलीय मर्यादा और सत्ता की विपक्ष के प्रति जवाबदेही जैसी बातें संसद के शब्दकोश से गायब की जा रही हैं। भाजपा और संघ संसद की शानदार परंपरा और इतिहास को दफ्न करने की शर्मनाक साजिश रच रहे हैं। सरकार का पूरा तंत्र, संसाधन, पुलिस, मीडिया और खुद प्रधानमंत्री एक अकेले इंसान राहुल गांधी को चुप कराने में लगे हैं। यह सरकार भ्रम में है, क्योंकि राहुल गांधी को डराना किसी के वश की बात नहीं है। वह सत्य की लड़ाई पूरी ताकत और शिद्दत से लड़ रहे हैं। सत्ता पक्ष राहुल गांधी पर इसलिए हमलावर है कि कहीं सदन में अडानी पर चर्चा न हो जाए, जेपीसी न गठित करनी पड़े। यह ध्यान भटकाने का ही हिस्सा है। राहुल गांधी अडानी की बेनामी संपत्तियों पर सरकार से सवाल पूछते हैं, अडानी की फर्जी शेल कंपनियों पर सवाल पूछते हैं। वह पूछते हैं कि एलआईसी और एसबीआई सच जानने के बाद भी अडानी ग्रुप में पैसा लगाना क्यों जारी रखती हैं? वह पूछते हैं कि अडानी को 609 नंबर से दूसरे नंबर पर लाने में सरकार की क्या भूमिका थी और यह रिश्ता क्या कहलाता है? इन सवालों का जवाब सरकार के पास नहीं है और इसीलिए संसद को खुद सरकार स्थगित कर रही है। नारेबाजी और सदन के वेल में आकार अवरोध करने का काम सत्तापक्ष कर रहा है। यही नहीं, अब तो माइक बंद करना भी पुराना मामला हो गया, अब तो सीधे संसद को ही 'म्यूट' या चुप कर दिया जा रहा है। यह सारा मामला अडानी को बचाने की मुहिम का हिस्सा है। राहुल गांधी ने लंदन के प्रतिष्ठित कैंब्रिज विश्वविद्यालय में भारतीय लोकतंत्र को विश्व के लिए एक सौगात बताया, पर इस भाषण को भाजपा नेताओं ने अपने चिर-परिचित अंदाज में तोड़-मरोड़कर प्रचारित करना शुरू कर दिया। बेबुनियाद आक्षेप लगाकर राहुल गांधी से माफी की मांग की। असल में तो राहुल गांधी का कथन कि भारत का लोकतंत्र इस दुनिया के लोकतंत्र की दिशा निर्धारित करेगा, हमारे लिए गौरव की बात है। राहुल गांधी के माफी मांगने का कोई सवाल ही नहीं पैदा होता है, क्योंकि उन्होंने लंदन में देश की तारीफ की है। यही नहीं, भाजपाई सांसदों द्वारा राहुल गांधी पर मनगढ़ंत और बेबुनियाद आरोप लगाने के बाद राहुल गांधी के बोलने की जब बारी आती है, तब सदन को हंगामे की भेंट चढ

जॉर्जिया ने की हिंदूफोबिया की निंदा, हिंदू विरोधी कट्टरता के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने वाला पहला राज्य

त्बिलिसी।
यूएस जॉर्जिया असेंबली ने हिंदूफोबिया की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। ऐसा करने वाला यह पहला अमेरिकी राज्य बन गया है। हिंदूफोबिया और हिंदू-विरोधी कट्टरता की निंदा करते हुए, प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदू धर्म दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने धर्मों में से एक है, जिसके 100 से अधिक देशों में 1.2 बिलियन से अधिक अनुयायी हैं। आपसी सम्मान और शांति के मूल्यों के साथ विविध परंपराओं और विश्वास प्रणालियों की एक श्रृंखला शामिल है।

यह प्रस्ताव लॉरेन मैकडॉनल्ड और टॉड जोन्स द्वारा प्रस्ताव पेश किया गया था। ये जॉर्जिया के सबसे बड़े हिंदू और भारतीय-अमेरिकी समुदायों में से एक, अटलांटा के उपनगरों में फोर्सिथ काउंटी के प्रतिनिधि हैं। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि चिकित्सा, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, आतिथ्य, वित्त, शिक्षा, विनिर्माण, ऊर्जा, खुदरा व्यापार जैसे विविध क्षेत्रों में अमेरिकी-हिंदू समुदाय का प्रमुख योगदान रहा है। साथ ही योग, आयुर्वेद, ध्यान, भोजन, संगीत, कला के समुदाय के योगदान ने सांस्कृतिक ताने-बाने को भी समृद्ध किया है। इसे अमेरिकी समाज में व्यापक रूप से अपनाया गया है। देश के कई हिस्सों में पिछले कुछ दशकों में हिंदू-अमेरिकियों के खिलाफ घृणा अपराधों के मामले दर्ज किए गए हैं, प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदूफोबिया को कुछ शिक्षाविदों द्वारा संस्थागत रूप दिया गया है जो हिंदू धर्म को खत्म करने का समर्थन करते हैं और इसके पवित्र ग्रंथों पर आरोप भी लगाते हैं। इस संबंध में उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन के अटलांटा चैप्टर द्वारा कदम उठाया गया था। इन्होंने 22 मार्च को जॉर्जिया स्टेट कैपिटल में आयोजित पहले हिंदू एडवोकेसी डे का आयोजन किया था। इसमें लगभग 25 सांसदों ने भाग लिया। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों शामिल थे। कोहना के उपाध्यक्ष राजीव मेनन ने कहा, रेप मैकडोनाल्ड और रेप जोन्स के साथ-साथ अन्य सांसदों के साथ काम करना एक सच्चा सम्मान था, जिन्होंने इस काउंटी प्रस्ताव को पारित करने की पूरी प्रक्रिया में हमारा मार्गदर्शन किया। कोहना की महासचिव शोभा स्वामी ने कहा, जॉर्जिया और देश के बाकी हिस्सों में झूठे, हिंदूफोबिक नैरेटिव के माध्यम से हिंदू अमेरिकियों द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दे एक ऐसे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं जो मेहनती, कानून का पालन करने वाले और अमेरिका के ताने-बाने को समृद्ध करने वाले हैं। उन्होंने कहा, हमने इस तरह की कट्टरता से निपटने में उनकी मदद का आग्रह किया, जो नफरत को बढ़ावा देती है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुओं और भारतीय मूल के लोगों को भेदभाव करने की कुछ अंतर्निहित प्रवृत्ति के आरोपों के कारण विशेष कानूनों और निगरानी की आवश्यकता है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका-कनाडा बॉर्डर पर भारतीय परिवार समेत 8 के शव मिलेः इनमें 2 बच्चे शामिल; गैर-कानूनी तरह से नदी पार कर यूएस में घुस रहे थे

क्यूबेक। कनाडा से अमेरिका में गैर-कानूनी तरह से दाखिल होने की कोशिश कर रहे 2 परिवार के 8 लोगों की मौत हो गई। इनमें 2 बच्चे भी शामिल थे। मरने वालों में एक परिवार भारतीय था। रॉयटर्स के मुताबिक, ये परिवार नाव के जरिए सेंट लॉरेंस नदी पार करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने क्यूबेक के एक इलाके में पलटी हुई नाव के पास से ये शव बरामद किए। अमेरिका के अक्रेस्ने मोहॉक के पुलिस चीफ ने बताया कि माना जा रहा है कि ये दो परिवारों से थे। एक परिवार रोमानियाई मूल का और दूसरा भारत का है। सभी अवैध तरीके से कनाडा से अमेरिका में घुसने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, अब तक भारतीय परिवार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा- हादसा बहुत दर्दनाक था। अभी हमें इस बात की सही जानकारी नहीं है कि वहां क्या और कैसे हुआ। हम मामले की जांच कर रहे हैं। इसके बाद ये सुनिश्चित किया जाएगा कि दोबारा ऐसा न हो। दरअसल, पुलिस एक लापता व्यक्ति की तलाश कर रही थी जब हवाई सर्चिंग के दौरान उन्हें ये शव दिखाई दिए। शवों के पास मिली नाव उसी लापता व्यक्ति की है। वहीं जिन 2 बच्चों के शव मिले हैं उनके पास कनाडा के पासपोर्ट थे। पुलिस ने बताया कि इलाके में मौसम खराब था।

भारत-जापान ने श्रीलंका से मिलाया हाथ, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संपर्क को मजबूत करने पर जोर

कोलंबो । हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन को सबक सिखाने के लिए भारत और जापान ने श्रीलंका से हाथा मिलाया है। दोनों देशों ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने के लिए श्रीलंका के साथ सहयोग पर संयुक्त तौर पर सहमति जताई है। संसाधन संपन्न इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य दबदबे के बीच एक खबर में यह जानकारी दी गई। अमेरिका, भारत और कई अन्य वैश्विक महाशक्तियां एक स्वतंत्र, खुले और उन्नत हिंद-प्रशांत क्षेत्र की जरूरत के बारे में बात कर रही हैं। चीन दक्षिण और पूर्वी चीन सागर में विवादित क्षेत्रीय विवादों में उलझा हुआ है। बीजिंग ने पिछले कुछ वर्षों में अपने मानव निर्मित द्वीपों का सैन्यीकरण करने में भी काफी प्रगति की है। एक स्थानीय खबर के अनुसार भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले ने कहा कि भारत और जापान शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यापक हित साझा करते हैं। उन्होंने जापान के राजदूत मिजुकोशी हिदेआकी की मौजूदगी में यहां एक समारोह में यह बात कही। खबर के अनुसार श्रीलंका को इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (आईआरओए) देशों का महत्वपूर्ण सदस्य बताते हुए बागले ने कहा कि भारत, जापान और श्रीलंका के पास यहां जनता की समृद्धि के वास्ते काम करने तथा सभी पक्षों को लाभ पहुंचाने का बड़ा अवसर है।

पाकिस्तान में अब सिख दुकानदार की हत्याः पेशावर में किराना कारोबारी की फायरिंग में मौत

पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर शहर में एक सिख दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। फायरिंग के बाद बाइक पर आए दोनों हमलावर बड़ी आसानी से फरार भी हो गए। इस घटना के एक दिन पहले, कराची में एक हिंदू डॉक्टर की इसी तरह हत्या की गई थी। इसके दो दिन पहले कराची में ही एक नाबालिग हिंदू लड़की को किडनैप किया गया था। पुलिस के मुताबिक- मारे गए सिख का नाम दयाल सिंह था। वो पेशावर के दीर इलाके में किराने की दुकान चलाते थे। दयाल सिंह अपनी दुकान पर थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो लोग आए और दयाल पर फायरिंग शुरू कर दी। हमले के बाद आरोपी बड़ी आसानी से फरार भी हो गए, जबकि ये काफी भीड़ वाला इलाका है। सड़क के किनारे पर एक पुलिस चौकी भी मौजूद है। इसके बावजूद आरोपियों को भागने में कोई दिक्कत नहीं हुई। पुलिस के मुताबिक, दयाल को कुल 30 गोलियां मारी गईं। घटना का फुटेज पुलिस ने हासिल कर लिया है, लेकिन ये अब तक मीडिया के हाथ नहीं लगा है। पेशावर में करीब 15 हजार सिख रहते हैं। ये लोग ज्यादातर जोगन शाह इलाके में रहते हैं। पेशावर खैबर पख्तूनख्वा राज्य की राजधानी है। यहां 2 महीने पहले तक इमरान खान की पार्टी की सरकार थी। पाकिस्तान में सबसे ज्यादा तालिबानी हमले इसी राज्य में होते रहे हैं।

पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश की शक्तियां कम करने की तैयारी, क्या नए संकट को जन्म दे रही शरीफ सरकार

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहा है। पिछले दिनों पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की गिरफ्तारी के प्रयास के दौरान देशभर में हिंसा की घटनाएं हुईं। अब सुप्रीम कोर्ट की शक्तियां कम करने वाले बिल को लेकर भी बवाल शुरू हो गया है। दरअसल, यहां की सीनेट ने विपक्ष के कड़े विरोध के बीच सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों में कटौती करने और पीठों के गठन के संबंध में विधेयक पारित किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख इमरान खान ने इस कदम के लिए संघीय सरकार की आलोचना की और कहा कि बिल का मकसद न्यायपालिका पर और दबाव डालना है। पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों को लेकर क्या हुआ है पाकिस्तान में किस प्रक्रिया से पास होता है बिल इसे बिल को लाने की वजह क्या है प्रावधान क्या हैं विरोध क्यों हो रहा है सरकार क्या रुख है बिल पर आगे क्या

पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों को लेकर क्या हुआ है - पाकिस्तान के संसद के उच्च सदन सीनेट में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों में कटौती करने और पीठों के गठन के संबंध में विधेयक पारित हो गया। सुप्रीम कोर्ट (प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर) बिल, 2023 को देश के कानून और न्याय मंत्री आजम नजीर तरार ने पेश किया। उत्तरी वजीरिस्तान के सांसद मोहसिन दावर ने संशोधन पेश किए जिन्हें स्वीकार कर लिया गया। इससे पहले यह बिल संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में पारित किया गया था।

किस प्रक्रिया से पास होता है बिल - पाकिस्तान में कानून बनने के लिए एक बिल को सदन के दोनों सदनों में कई चरणों से गुजरता है, ये चरण हैं:

फर्स्ट रीडिंग: बिल आता है। सेकंड रीडिंग: विधेयक के उद्देश्य और प्रमुख प्रावधानों पर मुख्य बहस होती है। कमेटी स्टेज: संशोधनों (प्रस्तावित परिवर्तन) के प्रावधानों की प्रत्येक पंक्ति की विस्तृत जांच की जाती है। परिवर्तन करने या न करने का निर्णय लेने के लिए मतदान हो सकता है। रिपोर्ट स्टेज: टेक्स्ट की आगे की जांच होती है। अधिक संशोधनों पर बहस की जाती है और यह तय करने के लिए कि परिवर्तन किए जाएं या नहीं, आगे मतदान होता है। थर्ड रीडिंग: विधेयक की उपधाराओं के विचार के बाद, विधेयक के प्रभारी सदस्य एक प्रस्ताव पेश कर सकते हैं कि विधेयक (या विधेयक, यथासंशोधित, जैसा भी मामला हो) पारित किया जाए। राष्ट्रपति की स्वीकृति: जब दोनों सदन अंतिम विषय वस्तु पर सहमत होते हैं, तो किसी भी विधेयक को संसद द्वारा सहमति दी जाती है और यह एक कानून या संसद का अधिनियम बन जाता है।

बिल लाने की वजह क्या है - कुछ दिन पहले ही उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों न्यायमूर्ति अली शाह और न्यायमूर्ति जमाल खान मंडोखैल ने सीजेपी की स्वतः संज्ञान लेने की शक्तियों पर सवाल उठाया था। बता दें, पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) उमर अता बंदियाल ने फरवरी महीने में पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में चुनाव कराने में देरी का स्वतः संज्ञान लिया था और कहा था कि इस मामले में स्पष्टता की कमी प्रतीत होती है। पिछली पीटीआई सरकारों द्वारा अपने पांच साल के अनिवार्य कार्यकाल की समाप्ति से पहले अपनी विधानसभाओं को भंग करने के बाद दोनों प्रांतों में चुनाव होने हैं।

बिल के प्रावधान क्या हैं - रिपोर्ट के मुताबिक, अतिरिक्त संशोधनों में वकील संरक्षण कानून पारित होने से 30 दिन पहले स्वतः संज्ञान लेते हुए दिए गए फैसलों के खिलाफ अपील करने का अधिकार विधेयक में शामिल किया गया। इसमें यह संशोधन भी शामिल है कि संविधान की व्याख्या करने वाले किसी भी मामले में पांच से कम न्यायाधीशों वाली पीठ नहीं होगी। विधेयक में प्रावधान है कि तीन वरिष्ठतम न्यायाधीश किसी भी मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के बारे में फैसला करेंगे। इससे पहले, यह सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) का विशेषाधिकार था। विधेयक में फैसले को चुनौती देने के अधिकार के बारे में भी एक खंड शामिल है जिसे 30 दिनों के भीतर दायर किया जा सकता है और फिर दो सप्ताह में सुनवाई के लिए निर्धारित किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय के समक्ष प्रत्येक खंड, अपील या मामले की सुनवाई और निपटारा वरिष्ठता के क्रम में मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठ न्यायाधीशों वाली समिति द्वारा गठित पीठ द्वारा किया जाएगा। विधेयक में यह भी उल्लेख किया गया है कि समिति का निर्णय बहुमत से होगा।

बिल का विरोध क्यों हो रहा है - बिल सदन में पेश होने से पहले विरोधियों के निशाने पर आ गया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख इमरान खान ने सीजेपी की विवेकाधीन शक्तियों को कम करने की कोशिश करने के लिए संघीय सरकार की आलोचना की और कहा कि इस कदम का मकसद न्यायपालिका पर और दबाव डालना है। उन्होंने कहा, हममें से हर कोई न्यायिक सुधार चाहता है। लेकिन, उनका (सत्ताधारी पीडीएम पार्टियों का) एकमात्र लक्ष्य चुनाव से बचना है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अन्य सीनेटरों ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान का उल्लंघन है क्योंकि उच्चतम न्यायालय से जुड़े मामलों को दो तिहाई बहुमत से संविधान में संशोधन से निपटाया जा सकता है।

एडल्ट स्टार को भुगतान मामले में आसानी से बच सकते हैं ट्रंप

वॉशिंगटन।
एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स से अफेयर को छिपाने के लिए पैसों का भुगतान करने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की तैयारी हो रही है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप इस मामले में आसानी से बच सकते हैं। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप पर जो आरोप लगे हैं, वह कानूनी तौर पर मजबूत नहीं हैं और उनमें ट्रंप को दोषी ठहराना मुश्किल होगा। ट्रंप के खिलाफ जो आरोप तय किए गए हैं, वह अभी तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

क्या हैं ट्रंप पर आरोप

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ उनके पूर्व अटॉर्नी माइकल कोहेन की गवाही अहम होगी। कोहेन फिलहाल टैक्स में गड़बड़ी के आरोप में जेल में बंद हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, माइकल कोहेन का दावा है कि ट्रंप ने स्टॉर्मी डेनियल्स को जिन पैसों का भुगतान किया, उन्हें कानूनी फीस बताकर अपनी कंपनी के द्वारा भुगतान प्राप्त कर लिया था। इस तरह यह दस्तावेजों में गड़बड़ी का मामला बनता है। ट्रंप पर यह भी आरोप लग सकते हैं कि उन्होंने 2016 के राष्ट्रपति पद के चुनाव में प्रचार कानून का उल्लंघन किया।

क्यों कमजोर है ट्रंप के खिलाफ यह मामला

अमेरिका में न्यूयॉर्क राज्य और फेडरल सरकार के अपने वित्त कानून हैं। ट्रंप पर अभियोग तय करने वाले वकील एक राज्य के वकील हैं और अगर वह ट्रंप पर संघीय चुनाव कानून के उल्लंघन का आरोप लगाएंगे तो यह एक नया कानूनी सिद्धांत होगा और अदालत द्वारा इसे आसानी से खारिज किया जा सकता है।

ट्रंप के खिलाफ अभियोग जेल में बंद माइकल कोहेने की गवाही पर निर्भर करेगा लेकिन ट्रंप के वकीलों के लिए कोहेने के चुनाव प्रचार कानून उल्लंघन के आरोपों का जवाब देना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा क्योंकि क्योंकि कोहेन खुद सजायाफ्ता है और उसकी गवाही की विश्वसनीयता भी सवालों के घेरे में रहेगी। साथ ही अभियोजक को यह साबित करना होगा कि ट्रंप को पता था कि वह चुनाव प्रचार कानून का उल्लंघन कर रहे हैं लेकिन किसी के इरादे को अदालत में साबित करना सबसे मुश्किल काम होता है। ऐसे में ट्रंप आसानी से इस मामले में बच सकते हैं।

साउथ कोरिया के पूर्व तानाशाह के पोते ने माफी मांगीः 200 लोगों के कत्लेआम पर दादा को पापी-हत्यारा कहा, पीड़ित के रिश्तेदार ने गले लगाया

सियोल।
साउथ कोरिया में सैन्य तानाशाह रहे चुन डू ह्वान के पोते चुन वू-वॉन ने एक प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें चुन वू-वॉन ने अपने दादा के किए गुनाहों के लिए सरेआम माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मेरे दादा ने तानाशाह रहते हुए बहुत बड़ा गुनाह किया वो पापी और हत्यारे थे। दरअसल, साउथ कोरिया में 1980 में लोकतंत्र का समर्थन करने वाले लोगों ने मिलिट्री की तानाशाही के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। इन्हें कुचलने के लिए उस समय साउथ कोरिया के तानाशाह रहे चुन डू ह्वान ने ग्वांगजु में 200 लोगों का कत्लेआम करवाया दिया था।

माफी मांगने वाले परिवार के पहले सदस्य बने - चुन वू वॉन अपने दादा के किए गुनाहों पर माफी मांगने वाले परिवार के पहले सदस्य हैं। ग्वांग्जु के लोग सालों से चुन वू ह्वान के परिवार से माफी मांगने की मांग कर रहे थे। अपने दादा के किए गुनाहों की माफी मांगने के बाद चुन वू उन लोगों की कब्र पर गए जिनका उनके दादा के आदेशों पर कत्लेआम हुआ था। सैन्य तानाशाही के खिलाफ प्रदर्शन में मारे गए लोगों के परिवार वालों ने चुन की माफी को स्वीकार किया। एक ने तो उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गले भी लगाया। 1980 के दशक में साउथ कोरिया में हजारों लोग सेना की तानाशाही के खिलाफ सड़कों पर उतर गए थे। प्रदर्शन के 9वें दिन साउथ कोरिया के ग्वांगजू में सैनिकों ने लोगों ताबड़तोड़ गोलियां चलाना शुरु कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैनिकों ने लोगों को बेरहमी से पीटा और उनका यौन शोषण किया। प्रदर्शनों को कुचलने के लिए हेलीकॉप्टर तक से गोलियां चलाई गई थी। सेना ने अपने लोगों पर फाइटर जेट से बम भी बरसाए थे। सेना के कत्लेआम से बचे लोगों का कहना है कि उस दौरान हुए प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या 200 से कहीं ज्यादा थी।

अब ह्यूमन राइट्स वॉच ने भी श्रीलंका में आईएमएफ की शर्तों पर उठाए सवाल

कोलंबो ।
एमनेस्टी इंटरनेशनल के बाद अब एक अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच ने भी श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आर्थिक सुधार कार्यक्रम पर सवाल उठाए हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच ने ऐसी नीतियां अपनाने की मांग की है, जिनसे श्रीलंका में आम जन के आर्थिक और सामाजिक अधिकारों का और क्षरण ना हो। इसके पहले एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा था कि आईएमएफ की शर्तों को लेकर वह इस अंतरराष्ट्रीय संस्था के अधिकारियों से बातचीत करेगा और उन्हें अपनी चिंता बताएगा। ह्यूमन राइट्स वॉच ने 'श्रीलंकाः आईएमएफ एक ऋण से अधिकारों के क्षरण का खतरा' शीर्षक के साथ एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि यह संभव है कि आईएमएफ भविष्य में ऋण देने के लिए श्रीलंका सरकार पर भ्रष्टाचार विरोधी उपाय लागू करने की शर्त लगाए। उस स्थिति में श्रीलंका सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि भ्रष्टाचार विरोधी सुधारों से प्रशासन मे जवाबदेही आए। बयान में कहा गया है- 'सरकारी भ्रष्टाचार और

टैक्स नियमों से धनी लोगों को लाभ हुआ, जो श्रीलंका के आर्थिक संकट का प्रमुख कारण है। इस कारण श्रीलंका के लोगों को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्हीं लोगों पर और बोझ नहीं डाला जाना चाहिए।' ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि चाहे युद्ध अपराध हों या कुशासन या दमन- सरकार को इन सभी मामलों में जवाबदेही तय करनी चाहिए। विशेषज्ञों के बीच आम राय है कि श्रीलंका में आर्थिक संकट दशकों तक अपनाई गई गैर-जिम्मेदाराना मौद्रिक नीति, सब्सिडी के गलत इस्तेमाल और कुशासन का परिणाम है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने यह स्वीकार किया है कि देश जिस मुसीबत में है, उसके बीच आईएमएफ का कर्ज एक लाइफलाइन की तरह है। लेकिन कहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत किसी संकट में पड़े देश की मदद करना सरकारों और वित्तीय संस्थानों का दायित्व है। यह मदद इस रूप में दी जाना चाहिए, जिससे मानवाधिकारों के लिए खतरा पैदा ना हो। ऐसी नीतियों को आगे बढ़ाने से बचा जाना चाहिए, जिनसे कम आय वर्ग वाले लोगों की जरूरी वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंच और सीमित हो जाए। मानवाधिकार संगठन ने कहा है कि सुधार कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए इन पर अमल में सिविल सोसायटी और अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों को भी भूमिका दी जानी चाहिए। भ्रष्टाचार विरोधी नियमों को लागू करते समय यह अवश्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सरकारी अफसरों और प्राइवेट कारोबारियों को उनके अतीत के गलत कार्यों के लिए उत्तरदायी ठहराया जाए। आईएमएफ के कार्यक्रम में मुख्य ध्यान सरकार का राजस्व बढ़ाने पर है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने राय जताई है- जब संकट शुरू हुआ, तो उस समय श्रीलंका का जीडीपी की तुलना में टैक्स का अनुपात 7.3 फीसदी था।

नेपाल में मंत्रिमंडल के विस्तार से खत्म नहीं हुई प्रधानमंत्री दहल की सियासी मुश्किलें

काठमांडो ।
नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार तो कर लिया, लेकिन इससे उनकी राजनीतिक मुश्किलों का अंत नहीं हुआ है। मंत्रिमंडल विस्तार में अनदेखी से नाराज एक दल ने सरकार से खुद को अलग करने का एलान किया है, जबकि गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस का एक प्रमुख धड़ा असंतुष्ट हो गया है।

बतौर प्रधानमंत्री दहल ने पिछले तीन महीनों में सातवीं बार मंत्रिमंडल में फेरबदल किया है। पिछले महीने नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौटने के बाद दूसरी बार उन्होंने मंत्रिमंडल को आकार दिया है। इसके पहले दहल दिसंबर में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के नेतृत्व वाले गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री बने थे।

जिन नए मंत्रियों को नए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शपथ दिलाई, उनमें चार नेपाली कांग्रेस के हैं। नेपाली कांग्रेस मंत्रिमंडल में अपने कोटे के सभी मंत्रियों के नाम नहीं भेज पाई। बताया जाता है कि ऐसा पार्टी के अंदर गहरा मतभेद पैदा हो जाने के कारण हुआ। वरिष्ठ नेता शेखर कोइराला और पार्टी महासचिव गगन थापा के नेतृत्व वाला धड़ा मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया से नाराज हो गया है। उसने अपने कोटे के मंत्रियों ने नाम नहीं भेजे।

गठबंधन में सत्ता बंटवारे के तय हुए फॉर्मूले के तहत नेपाली कांग्रेस को आठ मंत्री पद देने का फैसला हुआ था। खबरों के मुताबिक कोइराला- थापा गुट कम से कम तीन मंत्री पद पाने पर अड़ा हुआ है। नेपाली कांग्रेस नेतृत्व के लिए इस पर राजी ना होने पर इस गुट ने पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा को सूचित किया कि वह अपने कोटे के मंत्रियों के नाम नहीं भेजेगा।

नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण के कुछ ही घंटों के अंदर जनमत पार्टी ने सरकार से अलग होने का एलान कर दिया। इस पार्टी के नेता अब्दुल खान को पहले मंत्री बनाया गया था। उन्होंने प्रधानमंत्री दहल को अपना इस्तीफा भेज दिया। गठबंधन में शामिल आम जनता पार्टी भी मंत्रिमंडल विस्तार से खफा है। पार्टी के प्रमुख पूर्व माओवादी नेता प्रभु शाह हैं। वे मंत्री बनने के लिए जोरदार लॉबिंग कर रहे थे। लेकिन दहल ने उनकी मांग नहीं मानी। इस पर शाह ने सार्वजनिक रूप से असंतोष जताया है। ऐसी चर्चा है कि आम जनता पार्टी दहल सरकार से अपना समर्थन वापस ले सकती है।

नेपाली कांग्रेस की तरफ से जो नेता मंत्री बने हैं, उनमें पार्टी उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का भी शामिल हैं, जिन्हें उप प्रधानमंत्री बनाया गया है। साथ ही उनके पास रक्षा मंत्रालय भी होगा। प्रकाश शरण महत को वित्त मंत्रालय मिला है, जबकि रमेश रिजाल उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री बनाए गए हैं। सीता गुरुंग को शहरी विकास मंत्रालय मिला है। दहल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) की शक्ति बसनेत और नारायण काजी श्रेष्ठ मंत्री बनाए गए हैं। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल के बेडुराम भुसाल और प्रकाश ज्वाला, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के शरत सिंह भंडारी, और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी प्रमुख रंजीता श्रेष्ठ चौधरी को भी मंत्रिमंडल में जगह मिली है। नेपाल समाजवादी पार्टी के महेंद्र राया यादव भी मंत्री बनने में सफल रहे हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने बंद कराया आठवां टोल प्लाजा

कीरतपुर साहिब-नंगल-ऊना टोल बंद होने से रोजाना बचेंगे 10 लाख

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को राज्य का आठवां टोल प्लाजा बंद करवाया, जिससे आम लोगों के रोजाना के करीब दस लाख रुपए की बचत होगी। कीरतपुर साहिब-रूपनगर रोड पर स्थित टोल प्लाजा बंद करने के बाद जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह टोल प्लाजा वाली पिछली सरकारों की मिलीभगत से लोगों के साथ नाजायज लूट कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने भ्रष्टाचार मुक्त पंजाब, नौजवानों के लिए रोजगार, मुफ्त बिजली, स्कूलों-कालेजों की कायाकल्प समेत अन्य गारंटियां दी थीं। भगवंत मान ने कहा कि कई अन्य ऐसे काम किए जा रहे हैं, जो गारंटी का हिस्सा नहीं थे परंतु यह राज्य सरकार का फर्ज है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन टोल प्लाजा पर आम लोगों की लूट को रोकना इस मुहिम का ही एक हिस्सा है। भगवंत

मान ने कहा कि उन्होंने लोक सभा में ये मुद्दे उठाए थे और अब जब उनको लोगों की सेवा करने का मौका मिला है तो वह यह टोल नाके बंद करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में *किराए पर सड़कों* का दौर खत्म हो गया है और यह आम आदमी के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अकालियों ने टोल प्लाजा कंपनियों के साथ मिलीभगत करके सभी बुरे कामों को अनदेखा करके उनको बड़ा फायदा पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस टोल प्लाजा का समझौता कैप्टन सरकार के समय पर 10 अक्तूबर, 2006 को हुआ था और 16.5 सालों के लिए टोल लगाया गया था। उन्होंने कहा कि यह टोल अकाली-भाजपा सरकार के दौरान 20 नवंबर, 2007 को चालू हो गया था और समझौते अनुसार पहली मरम्मत का काम 19 नवंबर, 2013 को किया जाना था। भगवंत मान ने कहा कि तत्कालीन अकाली सरकार ने राज्य और यहां के लोगों के हितों को नजरअंदाज किया, जिसके कारण निर्धारित तारीख से एक साल बाद 1 नवंबर, 2014 को प्रीमिकस डालने का काम किया गया था परंतु हैरानी की बात है कि कंपनी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सिद्धू के बाहर आते ही सूबे में गरमाएगी कांग्रेस की राजनीति

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिद्धू के जेल से बाहर आते ही सूबे की राजनीति में बदलाव आएगा। कांग्रेस में अब एक नया गुट सक्रिय होगा जो सिद्धू के जेल से बाहर आने के इंतजार में चुप बैठा हुआ था। नवजोत सिद्धू जेल जाने से पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से मुलाकात करके उनकी कार्यशैली की सराहना भी कर चुके हैं। नवजोत सिद्धू को 19 जुलाई, 2021 को कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। सिद्धू के साथ संगत सिंह गिलजियां, सुखविंदर सिंह डैनी, पवन गोयल तथा कुलजीत सिंह नागरा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। इसके बाद हाईकमान ने 9 अप्रैल, 2022 को अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को कांग्रेस पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। नवजोत सिद्धू के कार्यकाल के दौरान कांग्रेस पार्टी एकजुट नहीं हो सकी और गुटबाजी सड़कों पर रही।

गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर दिया धरना

यमुनानगर (हिंस)। विभागों के झगड़े में विकास कार्य को रोकने पर गुस्साए ग्रामीणों ने शनिवार को सड़क पर धरना देकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मौके पर तहसीलदार, फरकपुर थाना प्रभारी सहित विभागों के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। बता दें कि यमुनानगर के ससोली रोड से गांव सुढल की और निगम के ठेकेदार के द्वारा पाइपलाइन डाली जा रही है। जिसका उद्घाटन निगम के मेयर मदन चौहान व भाजपा के सिटी विधायक घनश्यामदास अरोड़ा ने एक हफ्ते ही पहले किया था। पाइप लाइन डालने का 70 प्रतिशत काम हो चुका है। आज सुबह जब मौके पर ठेकेदार जेसीबी लगाकर मजदूरों द्वारा काम किया जा रहा था कि अचानक लोक निर्माण विभाग के अधिकारी वहां पहुंच गए और उन्होंने बिना इजाजत सड़क तोड़ने को लेकर चल रहे इस काम को रोक दिया। सड़क की ओर लगभग 25 फुट गहरे गड्ढे होने की वजह से गुस्साए ग्राम वासियों ने सड़क पर धरना देकर प्रदर्शन शुरू कर

दिया। ग्रामीणों का कहना था कि गहरे गड्ढों की वजह से कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस कार्य को तुरंत पूरा किया जाना चाहिए। मौके पर तहसीलदार, फरकपुर थाना प्रभारी सहित सभी विभागों के अधिकारी भी पहुंचे। जहां पर घंटा हुई बहस के बाद विभागों में समझौता हो गया और विभागों ने अपने-अपने काम को 1 महीने में पूरा करने का समय दिया । जिसके बाद इलाके के ग्रामीणों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया। एडवोकेट कर्मवीर बुटर ने बताया कि आज सुबह जेसीबी मशीन का खुदाई का काम चल रहा था कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा आकार काम रोक दिया गया और जेसीबी मशीन हटाने के लिए कहा गया। जिससे का पता लगते ही ग्रामीण इकठ्ठा हो गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर वहां धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

वाहन पार्किंग विवाद ने पहुंचाया सलाखों के पीछे

चंडीगढ़ (हिंस)। वर्ष 1988 में पटियाला में वाहन पार्किंग को लेकर 65 वर्षीय गुरनाम सिंह से नवजोत सिद्धू का विवाद हो गया था। इस विवाद में सिद्धू ने गुरनाम सिंह पर घूंसे बरसाए थे, जिससे बाद गुरनाम की मौत हो गई थी। मृतक गुरनाम सिंह के परिजनों ने 2010 में एक चैनल के शो में सिद्धू द्वारा गुरनाम को मारने की बात स्वीकार करने की सीडी सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी। रोड रेज से जुड़े मामले में सितंबर 1999 में पंजाब की निचली अदालत ने सिद्धू को बरी कर दिया था लेकिन दिसंबर 2006 में पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने आईपीसी की धारा 304-बी के तहत सिद्धू और एक अन्य को गैर-इरादतन हत्या का दोषी करार देते हुए 3-3 साल कैद की सजा सुनाई।

निजी स्कूलों पर सख्त पंजाब सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने निजी स्कूलों की फीस वृद्धि को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। राज्य के शिक्षा मंत्री ने एक ई-मेल जारी करके प्रदेश वासियों का आह्वान किया है कि अगर कोई भी स्कूल संचालक फीस बढ़ाता है तो वह सीधे शिक्षा मंत्री को ई-मेल कर सकते हैं। उन्होंने प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस वसूली पर एक ई-मेल लांच की है। इस पर प्राइवेट स्कूल के छात्रों के परिजन स्कूल प्रबंधन के खिलाफ मनमानी फीस वसूली पर शिकायत दर्ज करा सकेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह द्वारा हर शिकायत पर संज्ञान लेकर आगामी कार्रवाई की जाएगी। पंजाब की भगवंत मान सरकार शुरू से ही शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सराहनीय बदलाव करने के दावे करती रही है। सरकार का कहना है कि शिक्षा क्षेत्र में पंजाब को सबसे अग्रणी राज्य बनाने के लिए मान सरकार प्रिंसिपलों को ट्रेनिंग दिलवा रही है। साथ ही खोले जा रहे स्मार्ट स्कूल में छात्रों को उनके रुचि क्षेत्र के अनुसार शिक्षित किया जाएगा।

बीकानेर में 10 अप्रैल तक चलेगा *नो डीएल-नो ड्राईव* अभियान

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर संभाग मुख्यालय पर शनिवार से *नो डीएल-नो ड्राईव* अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान 10 अप्रैल तक चलेगा। सड़क दुर्घटनाओं में कमी एवं सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली जनहानि की क्षति को कम करने के लिए एसपी तेजस्विनी गौतम के निर्देशानुसार जिले के सभी थानों एवं यातायात शाखा द्वारा जिला परिवहन अधिकारी के साथ बिना ड्राईविंग लाइसेंस के वाहन चालक एवं नाबालिग वाहन चालकों के विरुद्ध अभियान चलाया जाकर कार्रवाई की जाएगी। अभियान में जिन वाहन चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होगा व नाबालिग बच्चों/विद्यार्थियों द्वारा बिना लाइसेंस के वाहन चलाने

पर अभिभावक/वाहन मालिक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने पर एमवी एक्ट के तहत ड्राइवर के 5 हजार रुपए जुर्माना व वाहन स्वामी द्वारा बिना ड्राइविंग लाईसेंस वाले व्यक्ति को वाहन चलाने की अनुमति देने पर एमवीएक्ट के तहत वाहन स्वामी/अभिभावक पर 5 हजार रुपए जुर्माना अर्थात् कुल 10 हजार रुपए जुर्माना होगा। अभियान की मॉनिटरिंग जिले के एएसपी, वृत्ताधिकारी द्वारा की जाएगी। बीकानेर पुलिस ने वाहन चालकों व वाहन स्वामी/अभिभावकों से अपील की है कि बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाएं न ही वाहन चलाने की अनुमति दें। उधर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर पुलिस मुख्यालय से एसपी ट्रेफिक देवेंद्र बिश्नोई, एसपी तेजस्विनी गौतम, एएसपी सिटी हरिशंकर, डीटीओ भारती नैथानी, मो. अकील उस्ता एईएन पीडबल्यूडी व सुनील सिंह सीकर हाईवे लिमिटेड सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मीटिंग आयोजित कर कार्ययोजना बनायी गयी।

शरीर के ऊपर से गाड़ी गुजरवाकर व छाती पर पत्थर तुड़वाकर पहलवान बिजेंद्र ने किया शक्ति प्रदर्शन

भिवानी (हिंस)। देश का युवा आज नशे की गर्त में फंसता जा रहा है, परंतु स्टील मैन पहलवान बिजेंद्र सिंह को नशा मुक्त भारत का ऐसा नशा छाया हुआ है कि वह युवाओं को नशे से दूर रखने को प्ररित करने के लिए अपनी जान पर खेलकर ऐसे-ऐसे स्टंट दिखाते हैं कि देखने वालों के रौंगटे खड़े हो जाएं। इसी कड़ी में बिजेंद्र सिंह ने जिला के गांव धनाना स्थित डीपीएस स्कूल में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत हाथों से बस खींचकर, डस्टर गाड़ी को अपने ऊपर से गुजरवाकर, 80 किलोग्राम का पत्थर छाती पर तुड़वाकर तथा 50 किलोग्राम के युवक को दांतों उठाते हुए दौड़ लगाकर शक्ति प्रदर्शन किया और युवाओं को नशे से दूर रहकर ताकतवर बनने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को नशे व जंक फूड से दूर रहने की शपथ दिलाई। पहलवान बिजेंद्र सिंह ने कहा कि नशा न केवल एक सामाजिक बुराई, बल्कि अपराध व बर्बादी की जड़ भी है। नई पीढ़ी में तो नशाखोरी की प्रवृत्ति दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।इसीलिए समाज व राष्ट्र की भलाई के लिए युवा वर्ग को नशे की गर्त से निकालना अति आवश्यक है तथा नशा मुक्त समाज बनाने के लिए आमजन का सहयोग भी जरूरी है।

सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट पर रोक लगाने की मांग को लेकर निकाली रैली

यमुनानगर (हिंस)। युवा परिवार सेवा समिति के सैकड़ों युवाओं ने ओटीटी व सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर चलने वाले अश्लील, हिंसक व नशे को बढ़ावा देने वाले कंटेंट पर रोक लगाने की मांग को लेकर ट्विन सिटी में बाइक रैली निकाली। समिति के अध्यक्ष डॉक्टर राजबीर ने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील, हिंसा और नशे को लेकर कंटेंट परोसा जा रहा है। जिससे देश का युवा भ्रमित होकर राह भटक गया है। अगर इस पर थोड़ी बहुत लगाम लगी है तो उसका कारण सेंसर बोर्ड है। हमारी सरकार से मांग है कि जल्द से जल्द सिनेमैटोग्राफ अधिनियम 1952 में संशोधन कर ओटीटी व सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर एक नया सेंसर बोर्ड बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आज फिल्मों और वेब सीरीज के लिए ओटीटी प्लेटफार्म्स काफी प्रचलन में हैं जहां मोबाइल के माध्यम से इनकी पहुंच हर घर और व्यक्ति तक हो गई है। इन प्लेटफार्म्स पर कोई सेंसर बोर्ड ना होने के कारण बेहद अश्लील, हिंसक व नशे को बढ़ावा देने वाला कंटेंट परोसा जा रहा है। जिसका सीधा असर भारतीय संस्कृति, सभ्यता और मूल्यों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश के नौजवानों के मन में जहर भरने वाले ऐसे अश्लील और हिंसक कंटेंट पर रोक लगाई जाए।

मंडियों में फसल बेचने में किसानों को होगी दिक्कत : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (हिंस)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि बारिश एवं ओलावृष्टि से फसल खराब होने से परेशान प्रदेश के किसानों की दिक्कत अभी और बढ़ने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार के इशारे पर किसानों को मंडियों में परेशान करने की साजिश रची गई है। इसके तहत उन्हें फसल बेचने में दिक्कत खड़ी होने वाली हैं। क्योंकि अभी तक 13 लाख एकड़ से अधिक रकबा में बोई गई फसलों को जिला स्तर पर वेरिफाई ही नहीं किया गया है। कुमारी सैलजा ने शनिवार को एक बयान में कहा कि एक अप्रैल से गेहूं खरीद शुरू करने का दावा करने वाली सरकार अधिकतर जगह फसल की खरीद शुरू ही नहीं कर पाई। विभिन्न मंडियों से सूचना मिली कि खरीद की तैयारी ही पूरी नहीं की गई हैं। किसानों ने गेहूं समेत अन्य फसलों के लिए करीब 57 लाख एकड़ में बुआई को लेकर अपना पंजीकरण कराया हुआ है। इसे मैच करने की जिम्मेदारी जिलास्तर पर सभी डीसी की रहती है, उन्हें राजस्व विभाग से इसकी पड़ताल करानी होती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि रकबा मैच करने का कार्य फरवरी महीने के अंत तक पूरा कर लिया जाना चाहिए था। ऐसा होने पर किसानों के सामने किसी तरह की दिक्कत खड़ी नहीं होती, लेकिन सरकार के इशारे पर जानबूझकर रकबा मैच नहीं किया गया।

टैलेंट सर्च के जरिए होगा प्रवक्ताओं का चयन

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी की विचारधारा, रीति-नीतियों, सिद्धांतों के साथ ही ज्वलंत मुद्दों को सार्वजनिक मंचों, सोशल मीडिया और मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुखरता के साथ रखने के लिए एक बार फिर भारतीय युवा कांग्रेस ने तेजतर्रार प्रवक्ताओं की खोज शुरू कर दी है। इसके लिए भारतीय युवा कांग्रेस में यंग इंडिया के बोल सीजन-3 कार्यक्रम फिर से लांच कर दिया है। इस कार्यक्रम के जरिए जिले से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के प्रवक्ताओं का भी चयन किया जाएगा। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और इंडिया बोल के प्रभारी कपिल देसाई ने बताया कि यंग इंडिया बोले कार्यक्रम के जरिए यूथ कांग्रेस प्रवक्ताओं के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। 18 से लेकर 35 साल के युवा 25 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और उसके बाद प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में भाषण और

वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अंकों के आधार पर विजेताओं का चयन किया जाएगा। प्रवक्ताओं के लिए आवेदन करने वाले युवाओं को पार्टी की रीति-नीति और ज्वलंत मुद्दों पर बोलने के लिए 5 मिनट का समय दिया जाएगा। उस आधार पर उन्हें अंक दिए जाएंगे और उसी आधार पर उनका चयन होगा उसके बाद प्रवक्ताओं के चयन के लिए जून के आखिर में दिल्ली में भी इंटरव्यू होंगे, जहां पर पार्टी के शीर्ष नेताओं के सामने प्रवक्ताओं पद के लिए आवेदन करने वाले युवाओं को अपना प्रजेंटेशन देना होगा। इससे पहले भी युवा कांग्रेस में यंग इंडिया के बोल सीजन प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिसमें जिला और प्रदेश लेवल पर प्रवक्ताओं का चयन किया गया था। इसी प्रतियोगिता के तहत करीब डेढ़ दर्जन प्रवक्ता प्रदेश कांग्रेस में नियुक्त किए गए थे।

गेहूं पर किसानों को पांच रुपए प्रति क्विंटल बोनस दे सरकार : भाकियू

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने केंद्रीय कृषि मंत्री को पत्र लिखकर गेहूं पर पांच सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से बोनस देने की मांग की है। भाकियू के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को लिखे पत्र की प्रति शनिवार को चंडीगढ़ में जारी करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 22 मार्च को गेंहू के रेट 389 अमरीकी डॉलर प्रति टन यानी लगभग 3200 रुपए प्रति क्विंटल रहा है। गेंहू की मांग अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लगातार बनी हुई है और भारत में बे-मौसमी बारिश के कारण गेंहू के उत्पादन में भी भारी कमी आई है।

भारत सरकार हमेशा किसानों के साथ रही : चौधरी

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय कृषि कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी शनिवार को जोधपुर पहुंचे। इस दौरान किसानों की टोल माफी के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत सरकार हमेशा किसानों के साथ रही है। प्रदेश में पूर्व की भाजपा सरकार ने स्टेट हाईवे पर टोल टैक्स माफ कर दिया था। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत की सरकार बनने के बाद स्टेट हाईवे टोल टैक्स वापस चालू कर दिया गया। भाजपा की सरकार बनने पर इस पर विचार किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री से जब यह पूछा गया कि क्या केंद्रीय मंत्रालय के अधीन आने वाले नेशनल हाईवे पर भी किसानों का टोल माफ किया जाएगा ? इस सवाल का जवाब कृषि मंत्री टाल गए। उन्होंने कहा सरकार किसानों की बेहतरी के लिए काम कर रही है। आज किसानों के लिए किसान सम्मान निधि लागू की गई। स्टार्टअप के तौर युवाओं के लिए कई स्कीम लांच की गई है। उन्होंने कहा केंद्र सरकार किसानों की बेहतरी के लिए लगातार काम कर रही है। कई योजनाएं किसानों के हित में बनाई गई हैं। आज 2023 के साल को मिलिटियस के तौर पर मनाया जा रहा है। ऐसे में यहां के किसानों के मोटे अनाज को भी विश्व स्तर तक प्रोत्साहन मिलेगा। बारिश से हुए फसलों के नुकसान पर कहा किसानों के लिए स्टेट डिजास्टर फंड भारत सरकार ने पहले ही राज्य सरकार को दे रखा है। पूरे देश के सभी राज्य सरकारों के पास में इस फंड से मुआवजा दिया जाता है। यदि सरकार लिख कर देगी तो हम और भी राशि देने को तैयार हैं। पहले सरकार गिरदावरी कराकर किसानों को मुआवजा दे। केंद्रीय मंत्री ने कहा पीएम नरेंद्र मोदी देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं। राहुल गांधी विदेश में जाकर भारतीय छवि और भारतीय लोकतंत्र को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। यही फर्क है संस्कारों का। लोकतंत्र की दुहाई देने वाली कांग्रेस आज सदन को नहीं चलने दे रही है। केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी के जोधपुर पहुंचने पर सर्किट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष देवेंद्र सालेचा के नेतृत्व में उनका स्वागत किया।

मोहम्मद यासीन मलिक सहित छह आरोपियों की पहचान की सुनवाई टली

श्रीनगर (हिंस)। श्रीनगर में 1990 में हुए एक आतंकी हमले में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के चार जवानों के मारे जाने के मामले में जेकेएलएफ प्रमुख मोहम्मद यासीन मलिक सहित छह आरोपियों की चश्मदीद गवाह द्वारा पहचान करने की सुनवाई को शनिवार को एक स्थानीय अदालत ने टाल दिया है। सीबीआई की मुख्य अभियोजक मोनिका कोहली ने कहा कि कुछ आरोपियों के श्रीनगर अदालत में उपलब्ध नहीं होने के कारण पहचान की सुनवाई टाल दी गई है जबकि जिरह के लिए आए दो चश्मदीदों में से एक ने उनकी पहचान करने की इच्छा जताई थी। दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद मलिक बहुचर्चित मामले की सुनवाई के दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मौजूद रहा। मोनिका कोहली ने कहा कि दो चश्मदीद गवाह जिरह के लिए आए और उनमें से एक ने अभियुक्तों की पहचान करने की इच्छा व्यक्त की। चूंकि कुछ आरोपी अदालत में मौजूद नहीं थे इसलिए पहचान को अगली सुनवाई तक के लिए टाल दिया गया है। कोहली ने कहा कि दूसरे चश्मदीद गवाह से जिरह पूरी हो गई थी लेकिन उसने आरोपी की पहचान करने में असमर्थता जताई। विशेष टाडा अदालत पहले ही इस मामले में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख और कई अन्य लोगों के खिलाफ अलग-अलग आरोप तय कर चुकी है।

आठ लाख किसानों को मिलेंगे संकर बाजरा बीज के मिनीकिट

जयपुर (हिंस)। प्रदेश के 8 लाख लघु एवं सीमांत कृषकों को संकर बाजरा बीज के मिनिकिट्स वितरित किए जाएंगे। इस पर 16 करोड़ रुपए की लागत आएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2023-24 में बीज किट के लिए 16 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसमें कृषक कल्याण कोष से 10 करोड़ रुपए और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) न्यूट्रिसीरियल्स से 6 करोड़ रुपए खर्च होंगे। राजस्थान मिलेट्स प्रोत्साहन मिशन के अंतर्गत कम उत्पादकता वाले 15 जिलों में मिनिकिट्स का वितरण किया जाएगा। इनमें अजमेर, बाड़मेर, बीकानेर, चुरू, हनुमानगढ़, जयपुर, झुंझुनूं, जोधपुर, नागौर, पाली, सीकर, सिरोही एवं टोंक जिले शामिल हैं।

विरले होते हैं समाज सेवा के लिए समूचा जीवन समर्पित करने वाले : न्यायाधीश व्यास

बीकानेर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मदन गोपाल व्यास ने कहा कि समूचा जीवन समाज की सेवा को समर्पित करने वाले लोग विरले होते हैं। इनके योगदान हलको सदैव याद रखा जाता है। व्यास शुक्रवार को स्व. मोहनलाल किराडू की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर मोहनलाल किराडू प्रन्यास की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि सभा और सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। सूरदासाणी बगीची में आयोजित कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीश व्यास ने कहा कि स्व. मोहन लाल किराडू ने समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा और मदद के नए आयाम स्थापित किए। उन्होंने पुष्करणा ब्राह्मण समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। उनकी स्मृति में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किया जाना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजय आचार्य, कर्मचारी

नेता महेश व्यास, भंवर पुरोहित, भाजपा नेता गोकुल जोशी, डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य, श्रीकिशन व्यास, युवा उद्यमी कमल कल्ला, सेवानिवृत्त न्यायाधीश एलडी किराडू सहित समाज के अनेक लोगों ने स्व. मोहनलाल किराडू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से पर प्रकाश डाला। सभी वक्ताओं ने किराडू द्वारा पुष्करणा ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्यों को रेखांकित किया गया। प्रन्यास द्वारा इस अवसर पर समाज की ग्यारह प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में शिक्षा अधिकारी रमेश हर्ष, मनमोहन आचार्य, भवानीशंकर व्यास, अरुण आचार्य, कर्मचारी नेता शंकर लाल पुरोहित, शिक्षाविद श्यामा पुरोहित, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक हरिशंकर आचार्य, पत्रकार विमल छंगाणी, सुखदेव व्यास, केशव किराडू और मनीष पुरोहित शामिल रहे। सभी सम्मानित प्रतिभाओं को साफा, शॉल और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इससे पहले सभी अतिथियों ने स्व. मोहनलाल किराडू के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रख दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। प्रन्यास प्रतिनिधि और भाजपा नेता अविनाश जोशी ने संस्था की गतिविधियों और भावी रूपरेखा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा पुष्करणा समाज के युवाओं को करियर संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अब आएगा चिप वाला ई-पासपोर्ट, शुरुआत मई से : 4.5 करोड़ बुकलेट प्रिंटिंग का ऑर्डर, पहले साल 70 लाख छपेंगी

नई दिल्ली।
पासपोर्ट इलेक्ट्रॉनिक होगा। यह ई-पासपोर्ट कहलाएगा। बुकलेट में चिप लगी होगी, जिसमें आपका पूरा ब्योरा इलेक्ट्रॉनिक रूप में दर्ज होगा। इसे कंप्यूटर सेंसर के पास लाने से ब्योरा स्क्रीन पर खुल जाएगा। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि ई-पासपोर्ट का पायलट प्रोजेक्ट मई में शुरू होगा। पायलट प्रोजेक्ट में 10 लाख ई-पासपोर्ट जारी करने का लक्ष्य है। शुरुआत के लिए अभी ऐसे सेवा केंद्रों को चुना जा रहा है, जहां कम पासपोर्ट जारी होते हैं, ताकि भीड़भाड़ वाले केंद्रों पर काम प्रभावित न हो। आने वाले समय में सिर्फ ई-पासपोर्ट मिलेंगे। इनसे यात्रा सुगम होगी। इससे इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के मानक अपनाने वाले 70 देशों में भारतीयों को इमिग्रेशन संबंधी आसानी होगी।

आगे क्या: पुराने पासपोर्ट भी अपग्रेड करने पड़ेंगे – विदेश मंत्रालय के अफसरों के अनुसार, पुरानी पासपोर्ट बुकलेट को भी चिप वाले पासपोर्ट में बदला जाएगा। उसके लिए अभी आवेदन के तरीके तय किए जा रहे हैं। नई बुकलेट बनने का काम शुरू हो चुका है। देश में 10 करोड़ लोगों के पास पासपोर्ट हैं। भविष्य में ये सभी ई-पासपोर्ट में बदले जाएंगे। चिप वाली बुकलेट की प्रिंटिंग भारतीय प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक में की जा रही है। कुल 4.5 करोड़ बुकलेट का ऑर्डर दिया गया है। ये अगले 4-5 साल की जरूरत के हिसाब से हैं। पहले साल के लिए विदेश मंत्रालय ने 70 लाख बुकलेट प्रिंट करने का लक्ष्य तय किया है।

दावा... फर्जी तरीके से पासपोर्ट बनने रुकेंगे – ई-पासपोर्ट राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अहम है। पासपोर्ट अफसरों ने बताया कि फेक पासपोर्ट बनाना अब लगभग नामुमकिन हो जाएगा। भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त उन लोगों के मंसूबे नाकाम होंगे, जो नकली भारतीय पासपोर्ट पर यात्राएं करते हैं।

तैयारी... जून तक पूरा नेटवर्क तैयार होगा – ई-पासपोर्ट के लिए मैनेजमेंट सिस्टम, इंटरऑपरेबिलिटी टेस्ट बेड, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट, ई-पर्सनलाइजेशन, ई-पासपोर्ट वेरिफिकेशन, इमिग्रेशन चेकपोस्ट जैसा तकनीकी ढांचा तैयार होगा। पूरा नेटवर्क जून तक तैयार हो जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

एसबीआई को 95 करोड़ रुपये का चूना लगाने के मामले में ईडी की कार्रवाई, कोलकाता का कारोबारी गिरफ्तार

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ 95 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में धनशोधन रोधी कानून के तहत कोलकाता के एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कौशिक कुमार नाथ को 30 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और कोलकाता में एक विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने उन्हें 10 अप्रैल तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। इसमें कहा गया है कि नाथ ने जाली और मनगढ़ंत दस्तावेज जमा कर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से ऋण सुविधाओं का लाभ उठाया। इसमें कहा गया है, ऋण सुविधाओं की आड़ में प्राप्त धन को नकद में निकाला गया और जिनके लिए उन्हें मंजूरी दी गई थी उससे अलग उद्देश्यों के लिए उपयोग किया गया। ईडी ने कहा कि देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के साथ करीब 95 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। नाथ के खिलाफ धन शोधन का मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दायर कम से कम चार प्राथमिकियों और आरोप पत्रों से उपजा है।

चालू खाते का घाटा कम होकर जीडीपी का 2.2 प्रतिशत रहा, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश घटकर 2.1 अरब डॉलर

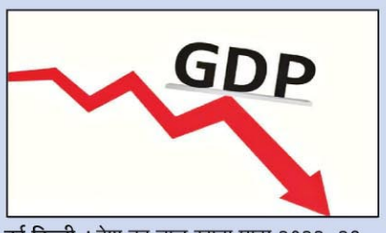

नई दिल्ली । देश का चालू खाता घाटा 2022-23 की अक्तूबर-दिसंबर यानी तीसरी तिमाही में घटकर 18.2 अरब डॉलर या जीडीपी का 2.2 फीसदी रह गया। व्यापार घाटे में कमी से चालू खाता घाटे (कैड) में गिरावट आई है।यह वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर देश की स्थिति को बताता है। आरबीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक, चालू खाता घाटा 2022-23 की दूसरी तिमाही में 30.9 अरब डॉलर या जीडीपी का 3.7 फीसदी रहा था। केंद्रीय बैंक ने कहा, 2022-23 की दूसरी तिमाही में व्यापार घाटा 78.3 अरब डॉलर से घटकर 72.7 अरब डॉलर पर आ गया।मजबूत सेवाओं व निजी हस्तांतरण प्राप्तियों से भी समर्थन मिला। दिसंबर तिमाही में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश घटकर 2.1 अरब डॉलर रह गया। एक साल पहले की समान अवधि में 4.6 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2022-23 की दिसंबर तिमाही में शुद्ध विदेशी पोर्टफोलियो निवेश 4.6 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 5.8 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी हुई थी। प्राथमिक आय खाते से शुद्ध खर्च सालाना आधार पर बढ़कर 12.7 अरब डॉलर हो गया। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा फरवरी के अंत में पूरे साल के लक्ष्य का 82.8 फीसदी तक हो गया।

सस्ता हुआ कॉमर्शियल गैस सिलेंडर: इसकी कीमत में हुई 92 रुपए की कटौती, घरेलू सिलेंडर के दामों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 92 रुपए कम हुई है। इस कटौती के बाद दिल्ली में ये 2028 रुपए पर आ गया है। हालांकि घरेलू एलपीजी गैस ग्राहकों के लिए कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 14.2 किलो के गैस सिलेंडर के रेट पिछले महीने की तरह ही हैं। इससे पहले 1 मार्च को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 350.50 रुपए का इजाफा किया गया था। इसके बाद दिल्ली में ये 2119.50 रुपए पर पहुंच गया था। वहीं 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़ाए गए थे। इससे इसकी कीमत दिल्ली में 1103 रुपए हो गई। जून, 2020 से एलपीजी सिलेंडर पर ज्यादातर लोगों को सब्सिडी नहीं मिल रही है। अब केवल उज्जवला योजना के तहत जिन्हें सिलेंडर दिए गए हैं, उन्हें 200 रुपए की सब्सिडी मिलती है। इसके लिए सरकार करीब 6,100 करोड़ रुपए खर्च करती है। दिल्ली में जून 2020 में बिना सब्सिडी वाला सिलेंडर 593 रुपए में मिलता था, जो अब बढ़कर 1103 रुपए का हो गया है।

रुपये को वैश्विक मुद्रा बनाने पर जोर, बढ़ेगा ई-कॉमर्स निर्यात, प्रति खेप मूल्य सीमा अब दोगुना

नई दिल्ली।
सरकार की ओर से पेश नई विदेश व्यापार नीति (एफटीपी)-2023 के जरिये रुपये में भुगतान प्रणाली को मजबूत करने पर ध्यान देगी। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि भारतीय रुपये को वैश्विक मुद्रा बनाने के लिए एफटीपी में बदलाव किए गए हैं ताकि घरेलू मुद्रा में विदेशी व्यापार लेनदेन संभव हो सके। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे देश हैं, जहां मुद्रा की विफलता या डॉलर की कमी है तो हम उनके साथ रुपये में व्यापार करने को तैयार हैं। इसके अलावा, एफटीपी से ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। 2030 तक ई-कॉमर्स निर्यात बढ़कर 200-300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके अलावा, इसमें कूरियर सेवाओं के जरिये निर्यात के लिए मूल्य सीमा 5 लाख रुपये प्रति खेप से बढ़ाकर 10 लाख रुपये की गई है।

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि व्यापार, उद्योग के हित और निर्यातकों को प्रोत्साहन देने के लिए नई विदेशी व्यापार नीति में उन निर्यातकों को राहत दी गई है, जो अपने निर्यात बाध्यताओं को पूरा नहीं कर पाए। इसमें अग्रिम प्राधिकरण और निर्यात संवर्धन पूंजीगत वस्तु (ईपीसीजी) योजनाओं के तहत निर्यात बाध्यताओं में चूक को लेकर एकमुश्त निपटान के लिए आम माफी योजना शुरू की गई है। आवेदनों का होगा डिजिटलीकरण...नई नीति में विदेश व्यापार नीति से संबंधित आवेदनों का डिजिटलीकरण होगा। यानी एफटीपी आवेदनों को स्वचालन प्रणाली के जरिये मंजूरी मिलेगी। साथ ही, आधुनिक प्राधिकार से संबंधित आवेदनों की प्रक्रिया में लगने वाले समय को घटाकर एक दिन करने की योजना भी शुरू की गई है।

हर जिले में बढ़ेगी निर्यात गतिविधियां

नई विदेश व्यापार नीति का उद्देश्य एससीओएमईटी (विशेष रसायन, जीव, सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकी) नीति के तहत दोहरे उपयोग वाले उत्पादों के निर्यात को व्यवस्थित करना है। इसमें 'निर्यात केंद्र के रूप में जिले' पहल के जरिये राज्यों और जिलों के साथ गतिविधियों को बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इसके तहत, हर जिले में उत्पादों व सेवाओं की पहचान करना, संस्थागत प्रणाली एवं जिला निर्यात कार्य योजना बनाना आदि शामिल है।

खास बातें

निर्यात वस्तुओं पर शुल्क और करों में छूट के लिए योजना शुरू की गई है। विशेष अग्रिम प्राधिकरण योजना का विस्तार परिधान और कपड़ा क्षेत्र तक किया गया है। डेयरी क्षेत्र को औसत निर्यात बाध्याताएं बनाए रखने से छूट दी गई है। निर्यात करने वाली कंपनियों को स्टार श्रेणी देने से संबंधित नियमों में ढील दी गई है। निर्यात संवर्धन पूंजीगत माल योजना के तहत बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन, कृषि उपकरण और हरित हाइड्रोजन के लिए दायित्व में कमी की गई है। उद्योग जगत ने कहा, नई विदेश व्यापार नीति व्यावहारिक है। इसने वैश्विक व्यापार में देश की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक मंच तैयार कर दिया है।

व्यापार में बढ़ेगी भारत की हिस्सेदारी : उद्योग जगत

अभिनव उपायों के साथ नई एफटीपी से वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को 2 लाख करोड़ डॉलर तक बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह निर्यात को बढ़ाने के लिए नीतिगत घोषणाओं के अनुरूप है। -चंद्रजीत बनर्जी महानिदेशक, सीआईआई नई विदेश व्यापार नीति वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक मंच तैयार करेगी। वैश्विक बाजार में एक गतिशील नीति का पालन करने का श्रेय सरकार को जाता है। -दीपक सूद, महासचिव, एसोचैम विश्व निर्यात में भारत की हिस्सेदारी वस्तु निर्यात में मौजूदा 1.8 फीसदी और सेवा निर्यात में चार फीसदी से बढ़ने की काफी संभावना है। नई एफटीपी अनिश्चितताओं को दूर करेगी।-साकेत डालमिया, अध्यक्ष, पीएचडी चैंबर एफटीपी काफी व्यावहारिक है। इससे माल और सेवाओं, दोनों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

इस हफ्ते सोने-चांदी में शानदार तेजी

60 हजार के करीब पहुंचा सोना, चांदी 71 हजार के पार निकली

नई दिल्ली।
इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 27 मार्च को सोना 59,003 रुपए पर था जो अब 1 अप्रैल को 59,751 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 748 रुपए बढ़ी है। सोना इस समय अपने ऑल टाइम हाई पर है।

65 हजार तक जा सकता है सोना – केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

71 हजार के पार हुई चांदी – इस हफ्ते चांदी में 2 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 69,580 रुपए पर थी जो अब 71,582 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 2,002 रुपए बढ़ी है।

सिर्फ छह डिजिट वाले हॉलमार्क सोने के आभूषणों की बिक्री होगी – नए नियम के तहत छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है-ॅ4524। इस नंबर के जरिए ये पता करना संभव होगा कि कोई सोना कितने कैरेट का है। देशभर में सोने पर ट्रेड मार्क देने के लिए 940 सेंटर बनाए गए हैं।

दुनिया में भारतीय रुपये की बढ़ती साख: मलेशिया भी व्यापार में करेगा स्वीकार, 35 देश पहले ही दे चुके हैं मंजूरी

नई दिल्ली।
भारत और मलेशिया के बीच हमेशा से ही घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहा है। दोनों ही देशों के बीच समय-समय पर उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन भी होता है। ये दोनों ही राष्ट्र आसियान समूह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। व्यापार के मामले में भी दोनों देशों के बीच काफी अच्छा संबंध रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय से भारत मलेशिया के बीच व्यापार को लेकर एक अहम जानकारी दी है। यह जानकारी दोनों देशों के होने वाले व्यापार के मुद्रा से जुड़ा है।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार अब अन्य मुद्राओं के अलावा रुपये में हो सकता है।

बता दें कि भारत के साथ अबतक 35 देशों ने रुपयों में व्यापार करने में अपनी रूचि दिखा चुके हैं। इसमें रूस के अलावा भारत के पड़ोसी देश म्यांमार, बांग्लादेश और नेपाल भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मांग सबसे अधिक है। अभी तक भारत अपने हर चीज के लिए डॉलर में भुकतान करता है। इसके लिए भारत की तरफ से हर साल अरबों डॉलर खर्च होता है। यदि भारत भी आयात की जाने वाली चीजों का भुकतान रुपय के माध्यम से किया जाए तो डॉलर की निर्भरता को कम किया जा सकता है।

मुंबई में नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर का हुआ आगाज

नई दिल्ली।
मुंबई में नीता मुकेश अंबानी कल्चरण सेंटर का आगाज हो गया। इस दौरान देश-विदेश के कलाकार, धर्म गुरु, खेल और व्यापार जगत की जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह की मेजबानी रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी और उनकी पुत्री ईशा अंबानी ने की।

नीता अंबानी बोलीं- यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कल्चरल सेंटर्स में से एक

कार्यक्रम के दौरान नीता अंबानी ने कहा,कल्चरल सेंटर को मिल रहे सपोर्ट से मैं अभिभूत हूं। यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कल्चरल सेंटर्स में से एक है। यहां सभी कलाओं और कलाकारों का स्वागत है। यहां छोटे शहरों और दूर-दराज के युवाओं को भी अपनी कला दिखाने का मौका मिलेगा। मुझे उम्मीद है की दुनिया के बेहतरीन शो यहां आएंगे। मुकेश अंबानी ने कहा, मुंबई के साथ देश के लिए भी यह कला का बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा। यहां बड़े शो हो सकेंगे। मुझे उम्मीद है कि भारतीय अपनी पूरी कलात्मकता के साथ ओरिजनल शो को प्रोड्यूस कर सकेंगे।

भारत रत्न सचिन तेंदुलकर रहे मौजूद

कल्चरल सेंटर के आगाज के मौके पर भारत रत्न सचिन तेंदुलकर के अलावा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा, लॉन टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा और एथलीट दीपा मलिक भी मौजूद थीं। उनके अलावा सुपरस्टार रजनीकांत, आमिर खान, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, प्रियंक चोपड़ा, वरूण धवन, सोनम कपूर, अनुपम खेर, जावेद अख्तर, शबाना आजमी, सुनील शेट्टी, शाहिद कपूर, विद्या बालन, आलिया भट्ट जैसी फिल्मी हस्तियां भी मौजूद रहीं।

राजनेताओं से लेकर आध्यात्मिक गुरु भी रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौश्रान एमा चेम्बर्लेन, जीजी हदीद जैसी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मॉडल्स ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, स्मृति ईरानी जैसे राजनेता भी उपस्थित रहे। उनके अलावे सद्गुरु जग्गी वासुदेव, स्वामी नारायण संप्रदाय के राधानाथ स्वामी, रमेश भाई ओझा, स्वामी गौर गोपल दास जैसे अध्यात्मिक गुरु भी मौजूद थे।

बैंक निफ्टी में ट्रेडिंग करने वालों के लिए जरूरी खबर

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने लॉट साइज में किया बदलाव

नई दिल्ली ।
बैंक निफ्टी में ट्रेड करने वालों के लिए एक काम की खबर है। नेशनल स्टॉल एक्सचेंज ने बैंक निफ्टी का लॉट साइज 25 से घटाकर 15 करने की घोषणा की है। हलांकि एनएसई ने इसके अलावे अन्य डेरेवेटिव अनुबंधों की लॉट साइज में कोई परिवर्तन नहीं किया है। इनमें निफ्टी 50, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी मिडकैप सिलेक्ट हैं, जिनके लॉट साइज क्रमश: 50, 45 और 75 हैं। एनएसई ने बताया है कि उसकी ओर से जारी अधिसूचना 28 अप्रैल से प्रभावी होगी।

निफ्टी के फैसले से क्या क्या बदलेगा

जुलाई 2023 की एकस्पायरी वाले बैंक निफ्टी अनुबंधों की लॉट साइज में बदलाव होगा। अप्रैल 2023, मई 2023 और जून 2023 की मैच्युरिटी वाले अनुबंधों की लॉट साइज पहले जैसी रहेगी।

जुलाई 2023 की मंथली एक्सपायरी और उसके बाद के सभी अनुबंधों की लॉट साइज बदल जाएगी यानी 25 से 15 हो जाएगी। मई 2023, जुलाई 2023 जून 2023 और जुलाई 2023 में समाप्त होने वाले अनुबंध के लिएउ डे स्प्रेड ऑर्डर बुक उपलब्ध नहीं रहेगा।

अगस्त 2023 की एक्सपायरी वाले अनुबंधों के लॉट साइज बदल जाएंगे।

कम से कम तीन महीने से अधिक समय में एक्सपायर होने वाले अनुबंधों के लॉट साइज 30 जून के बाद बदलकर स्वत: ही 25 से 15 हो जाएंगे।

क्यों लिया गया लॉट साइज में बदलाव का फैसला

एनएसई लॉट साइज में बदलाव का यह फैसला सरकार की ओर से एफएंडओ ट्रेडर्स के लिए सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स में बढ़तरी करने के बाद लिया गया है। फाइनेंस बिल 2023, में ऑप्शंस ट्रेडिंग के लिए एसटीटी को 0.05 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.0625 प्रतिशत कर दिया गया है। फ्यूचर ट्रेडिंग के लिए इसे 0.01 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.0125 प्रतिशत कर दिया गया है। फ्यूचर सेगमेंट में ट्रेडिंग करने वाले कारोबारियों को अब एक करोड़ के टर्नओवर पर 1250 रुपये एसटीटी के रूप में चुकाने पड़ेंगे, पहले उन्हें 1000 रुपये चुकाने पड़ते थे। वहीं ऑप्शंस सेगमेंट में कारोबार करने वाले कारोबारियों को एसटीटी के रूप में एक कारोड़ से अधिक के टर्नओवर पर एसटीटी के रूप में 6250 रुपये चुकाने पड़ेंगे, पहले उन्हें 5000 रुपये चुकाना चुकाने पड़ते थे।

रक्षा निर्यात 15,920 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा, पीएम मोदी ने ट्वीट पर दी बधाई

नई दिल्ली । रक्षा निर्यात के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। निर्यात रिकॉर्ड के ऊचाई पर पहुंचने की जानकारी देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट के जरिए दी। पीएम मोदी ने रक्षा मंत्री के इसी ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। पीएम मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस ट्वीट पर प्रतिक्रिया दिए, जिसमें उन्होंने कहा था कि समाप्त हुए वित्त वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात 15,920 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। सिंह ने इसे देश के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि भी बताया। मोदी ने कहा, उत्कृष्ट! यह भारत की प्रतिभा और मेक इन इंडिया के प्रति उत्साह की स्पष्ट अभिव्यक्ति है। इससे यह भी पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में किए गए सुधार अच्छे परिणाम दे रहे हैं। हमारी सरकार भारत को एक रक्षा उत्पादन केंद्र बनाने के प्रयासों का समर्थन करती रहेगी।

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस माही कोविड का शिकार

बेटी से अलग हुई माही विज, तारा का रो-रोकर हुआ बुरा हाल

मुंबई (ईएमएस)। टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस माही कोविड का शिकार हो गई हैं। टीवी कपल जय भानुशाली और माही विज की बेटी तारा भी अपने माता-पिता की तरह काफी फेमस है। तारा की क्यूटनेस का हर कोई दिवाना है, लेकिन इन दिनों वह अपनी मां से दूर है। दरअसल, टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस माही कोविड का शिकार हो गई हैं, इसकी जानकारी उन्होंने खुद दी है। माही ने अपने वीडियो शेयर कर बताया कि वह दर्द से गुजर रही है। इंस्टा पर पोस्ट की गई वीडियो में वह कहती सुनाई दे रही हैं कि रिजल्ट को आए चार दिन हो गए हैं कि मैं कोविड पॉजिटिव हूं। जैसे ही मुझे फीवर और बाकी लक्षण आए तो मैंने टेस्ट किया। मुझे सबने बोला कि मत कर, फ्लू है, वेदर चेंज हो रहा है, लेकिन मैं बस सेफ रहना चाहती थी, क्योंकि घर पर बच्चे हैं तो मैंने टेस्ट कराया और मेरा कोविड पॉजिटिव आया। अदाकारा माही ने आगे कहा कि मुझे दर्द बहुत ज्यादा हो रहा था। सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। ये कोविड पिछले कोविड से ज्यादा खराब है और मैं बस सबको यही बोलूंगी कि आप सेफ रहिए और अपना ख्याल रखिए, क्योंकि हम नहीं चाहते कि हमारी वजह से हमारे पैरेंट्स या बच्चों को लगे। मैं अपने बच्चों से दूर हूं। माही अपनी बेटी को याद कर भावुक होते हुए कहती है कि तारा कहती है मम्मा के पास जाना है। मैं वीडियो पर तारा को देखती हूं और मुझे बहुत रोना आता है। खुशी मुझे फोन करके बोलती है मम्मा मैं आपको याद कर रही हूं। बस, आप अपना ध्यान रखें। मेरे जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करें।

बेकाबू के साथ टेलीविजन पर लौटीं मोनालिसा

-यामिनी के रूप में जीत रही दर्शकों का दिल

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस मोनालिसा हाल ही में बेकाबू के साथ टेलीविजन पर लौटीं और यामिनी के रूप में दर्शकों का दिल जीत रही हैं। विक्रांत और उनका करियर सही रास्ते पर चल रहा है, इस जोड़ी ने जल्द ही अपना परिवार शुरू करने की प्लानिंग की है। बिग बॉस 10 के घर में अपने बॉयफ्रेंड विक्रांत सिंह राजपूत से शादी करने वाली मोनालिसा एक खूबसूरत रिश्ते में रही हैं। मोनालिसा ने अपने नए शो बेकाबू और परिवार शुरू करने की अपनी इच्छा के बारे में बात की। मोनालिसा ने कहा- मैं इस इंडस्ट्री में इतने सालों से हूं और मैं हमेशा एकता कपूर मैम के साथ काम करना चाहती थी। यह उनके साथ मेरा पहला प्रोजेक्ट है और मैं बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा रोल है। ऑडिशन देते समय मैंने हमेशा यह सुनने को मिलेगा कि एकता मैम अपने कलाकारों को भव्य तरीके से दिखाती हैं। रोल्स हमेशा जीवन से बड़े होते हैं और आखिरकार जब मुझे रोल मिला तो मैं खुशी से झूम उठी।मोनालिसा, जो एक बार फिर निगेटिव रोल कर रही हैं, ने शेयर किया कि उन्हें एक विलन के रोल में कोई आशंका नहीं है। इस पर उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि अगर लोग मुझे निगेटिव रोल में पसंद कर रहे हैं तो मुझे समस्या क्यों होनी चाहिए? मुझे कोई आशंका नहीं है। टेलीविजन में मैं नेगेटिव रोल कर रही हूं लेकिन जब मैं वेब शो करती हूं तो पॉजिटिव किरदार निभाती हूं। फिल्मों में भी मैंने हमेशा एक हीरोइन का रोल किया है, पॉजिटिव किरदार। नेगेटिव रोल में मुझे खुद को चैलेंज करने और कुछ अलग करने का मौका मिलता है। मुझे कोई आशंका नहीं है और हमेशा वही करूंगी जो मेरे दर्शक पसंद करते हैं।मोनालिसा अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देती हैं और उन्होंने शेयर किया कि- मैं अपना ध्यान रखती हूं और अपने खाने का ध्यान रखती हूं। मैं बहुत सारा पानी पीती हूं, मैं एक इंसान के रूप में बहुत ईमानदार हूं और यह मेरे चेहरे पर झलकता है। मुझे कोई दुर्भावना नहीं है। यह मेरे लिए काम करता है। परिवार शुरू करने के बारे में बात करते हुए मोनालिसा ने कहा- हां, विक्रांत और मैं एक परिवार शुरू करना चाहते हैं। मैं ब्रेक पर नहीं हूं, हम पारिवारिक तरीके से आगे बढ़ना चाहते हैं, हम कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हम इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करते क्योंकि ये चीजें हमारे हाथ में नहीं हैं।

शेखर सुमन ने 4 लोगों पर लगाए गंभीर आरोप

- गैंगस्टर्स बहुत ताकतवर हैं और सांप से भी ज्यादा खतरनाक हैं

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक साक्षात्कार में प्रियंका चोपड़ा ने इस बात का खुलासा किया था कि आखिर उन्होंने क्यों बॉलीवुड छोड़ा। उन्होंने बताया था कि उन्हें किनारे किया जा रहा था। उन्हें काम नहीं मिल रहा था। प्रियंका चोपड़ा के बाद गायक-संगीतकार अमाल मलिक ने अपने साथ होने वाली घटना का खुलासा किया। इसी कड़ी में अभिनेता शेखर सुमन ने भी बॉलीवुड गैंग की पोल खोलते हुए कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शेखर सुमन ने एक ट्वीट किया, हजार बर्क़ गिरे, लाख आंधिया उठे, वो फूल खिल कर रहेंगे जो खिलने वाले हैं। यूजर्स ने इस ट्वीट को उनके पुराने ट्वीट से जोड़ कर देखा है, जिसमें उन्होंने कहा कि वह इंडस्ट्री से ऐसे चार लोगों को जानते हैं, जिन्होंने उन्हें और अध्ययन को हटाने के लिए टीम बना ली। वह निश्चित तौर पर उन्हें जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह गैंगस्टर्स बहुत ताकतवर हैं और सांप से भी ज्यादा खतरनाक हैं। लेकिन सच यही है कि यह मुसीबत खड़ी कर सकते हैं, लेकिन हमें रोक नहीं सकते। शेखर सुमन के ट्वीट करते ही फैंस उनके समर्थन में आ गए हैं। एक यूजर ने उन्हें कमेंट किया, आपको यह देखने की जरूरत है कि कौन आपसे जलन की भावना रखता है। जिनका ऐसा व्यवहार है, वह कभी आपसे नए प्रोजेक्ट पर बात नहीं करेंगे न ही आपकी तारीफ करेंगे। फिर भले ही वह कुछ और बात कर लें। वह कभी भी दिलचस्पी नहीं लेंगे कि आप कैसे हो। क्या ऐसा कोई आपके दिमाग में आता है? एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, दिक्कत तो यही है ना...कोई कभी इनका नाम नहीं लेगा, पदार्फाश करेगा नहीं। अब विवेक ओबरॉय वाला टाइम नहीं है, आप एक बार नाम तो लीजिए, आमिर खान तक को हमलोग घुटने पर ले आए हैं। बॉयकॉट मार के करियर खत्म कर देंगे। जो अपनी बपौती समझे हुए हैं देश को।

सत्यप्रेम की कथा 29 जून को रिलीज के लिए तैयार

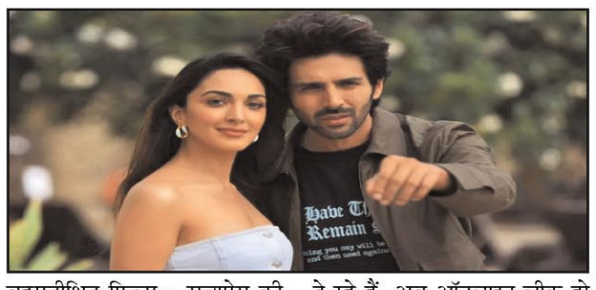

बहुप्रतीक्षित फिल्म - सत्यप्रेम की कथा 29 जून को रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में हैं। नमह पिक्चर्स के सहयोग से साजिद नाडियाडवाला की यह फिल्म एक संगीतमय प्रेम कहानी है जो कार्तिक और कियारा को उनकी पिछली फिल्म भूल भुलैया 2 के बाद दूसरी बार फिर से मिलाती है। दिलचस्प बात यह है कि सत्यप्रेम की कथा का एक दृश्य जिसमें दोनों दूल्हा और दुल्हन के रूप में दिखाई दे रहे हैं, अब ऑनलाइन लीक हो गया है। यह एक शादी का दृश्य है जिसमें अभिनेताओं को फेरे लेते दिखाया गया है। फिल्म का एक लीक सीन इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें कियारा और कार्तिक को शादी के सीन में दूल्हा और दुल्हन के रूप में दिखाया गया है। वे व्हाइट ट्रेडिशनल वेडिंग आउटफिट में सात-फेरे लेती नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर बहुत ही उदास भाव हैं जिसने प्रशंसकों को उत्सुक कर दिया है।

मराठी फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2022 में छाई गोदावरी

- महाकवि कालिदास नाट्यमंदिर हॉल मुलुंड मुंबई में किया गया आयोजन

मुंबई (ईएमएस)। मराठी सिनेमा की सबसे बड़ी शाम प्लैनेट मराठी प्रेजेंट्स का 7वां एडिशन फिल्मफेयर अवाड्र्स मराठी 2022, 30 मार्च को महाकवि कालिदास नाट्यमंदिर हॉल मुलुंड मुंबई में आयोजित किया गया। सितारों से भरी इस रात को एक्टर अमेय वाघ और सिद्धार्थ जाधव ने होस्ट किया था। जिसमें बेस्ट फिल्म का अवार्ड गोदावरी को मिला। बेस्ट फिल्म क्रिटिकनिपुन धर्माधिकारी को मैं वसंतराव के लिए, लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्डः डॉ. जब्बार पटेल, बेस्ट डायरेक्टरः गोदावरी के लिए निखिल महाजन, लीड रोल में बेस्ट एक्टर (मेल)धर्मवीर के लिए प्रसाद ओक, लीड रोल में बेस्ट एक्ट्रेस फीमेलः सयाली संजीव, गोष्टा एक पैठणीची के लिए, बेस्ट एक्टर क्रिटिक्सः जितेंद्र जोशी गोदावरी के लिए, बेस्ट एक्ट्रेस क्रिटिक्सः पांडिचेरी के लिए सई ताम्हनकर, सपोर्टिंग रोल में बेस्ट एक्टर (मेल) वाई के लिए नंदू माधव, सपोर्टिंग रोल में बेस्ट एक्ट्रेस (फीमेल) मैं वसंतराव के लिए अनीता दाते, बेस्ट डेब्यू फीमेल पांघरुन के लिए गौरी इंगवाले और अनन्या के लिए हृता दुगुर्ले, बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर अजीत वाडेकर (वाई), बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट खुशी हजारे और आर्यन मेघजी, बेस्ट म्यूजिक एल्बम चंद्रमुखी के लिए अजय अतुल बेस्ट सांग कैवल्यागान के लिए वैभव जोशी, बेस्ट प्लेबैक सिंगर मेल राहुल देशपांडे को मैं वसंतराव के कैवल्यगान के लिए, बेस्ट प्लेबैक सिंगर फीमेल चंद्रमुखी से बाई गा के लिए आर्या अम्बेकर, बेस्ट स्टोरी गोष्टा एक पैठणीची के लिए शांतनु गणेश रोडे, बेस्ट स्क्रीनप्ले गोदावरी के लिए निखिल महाजन और प्राजक्त देशमुख, बेस्ट डायलॉग धर्मवीर के लिए प्रवीण तरडे, बेस्ट सिनेमेटोग्राफी सरसेनापती हंबीरराव के लिए महेश लिमये, बेस्ट एडिटिंग वाई के लिए जयंत जठर और बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर के लिए एवी प्रफुल्लचंद्र को गोदावरी के लिए दिया गया।

शादी की खबरों पर राघव-परिणीति ने नही दी प्रतिक्रिया

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आप नेता राघव चडढा ने शादी की खबरों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। फैंस को दोनों की तरफ से रिलेशनशिप ऑफिशियल करने का बेसब्री से इंतजार है। इसी कड़ी में परिणीति चोपड़ा को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां वह बेहद खुश नजर आईं। उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि इस दौरान परिणीति व्हाइट शर्ट के साथ ब्लैक पैंट कोट में बेहद गॉर्जियस दिखीं। इसके साथ उन्होंने ब्लैक बूट पेयर किए हैं। चेहरे पर ट्रांसपेरेंट गॉग्लस और खुले बालों से उन्होंने लुक को कंप्लीट किया है। गाड़ी में बैठते हुए वह मीडिया के कैमरे के सामने ब्लश करते हुए पोज दे रही हैं। फैंस को परिणीति की ये तस्वीरें खूब पसंद आ रही हैं। बता दें कि, खबरें ये भी हैं कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने सगाई भी कर ली है, जिसके बाद आप सांसद संजीव अरोड़ा ने रूमर्ड कपल को ट्विटर पर बधाई भी दे डाली है। संजीव के ट्वीट के बाद फैंस दोनों की शादी की खबर को कंफर्म मान रहे हैं। हालांकि, अभी कपल की तरफ से ऑफिशिलय अनाउंसमेंट नहीं की गई है। मालूम हो कि एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर खूब चर्चा में बनी हुई हैं। कहा जा रहा है कि वह आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा को डेट कर रही हैं। खबरें यहीं तक नहीं है, बल्कि ये भी कहा जा रहा है कि दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।

फिल्म दसरा ने सिनेमाघरों में दी दस्तक

पैन इंडिया फिल्म दसरा ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। दसरा नानी की पहली पैन इंडिया फिल्म है और इस फिल्म के पोस्टर से लेकर ट्रेलर तक को प्रशंसकों ने पसंद किया था। इस फिल्म से अभिनेता के साथ-साथ निमार्ताओं को भी काफी उम्मीद हैं। फिल्म की एडवांस टिकट बुकिंग भी धांसू रही, जिस वजह से सिनेमा जगत के एक्सपर्ट्स ने भी दसरा की ओपनिंग को ब्लॉकबस्टर मान लिया था। लेकिन अब फिल्म निमार्ताओं को बड़ा झटका लगा है। उन्हें करोड़ों का नुकसान होने की सम्भावना बन गई है। कारण यह है कि फिल्म दसरा प्रदर्शन दिन ही ऑनलाइन लीक हो गई है। अब कई ट्रेंड पंडितों की राय भी सामने आ गई है। माना जा रहा है कि अब फिल्म की कमाई में जबरदस्त नुकसान देखने के लिए मिलेगा। दरअसल, नानी की फिल्म पायरेसी का शिकार हो गई है।

शालीन भनोट और ईशा सिंह के फैंटेसी ड्रामा की 18 मार्च को हुई धमाकेदार लॉन्चिंग

-पॉपुलैरिटी लिस्ट में जबरदस्त एंट्री मिली

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिग बॉस-16 में दो कंटेस्टेंट्स के बीच कभी दोस्ती नजर नहीं आई, ये जरूर शिव ठाकरे और प्रियंका चाहर चौधरी होंगे। ये हैं शालीन भनोट और मिस्टर साइलेंट अंकित गुप्ता है। शालीन की दोस्ती प्रियंका से अच्छी हो गई थी, दोनों एक दूसरे की सखी हो गए थे। लेकिन शालीन और अंकित के बीच हमेशा छत्तीस का आंकड़ा रहा। अब कुछ ऐसा हुआ है जिसमें शालीन, अंकित को मात देते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, शालीन भनोट और ईशा सिंह के फैंटेसी ड्रामा को 18 मार्च को धमाकेदार तरीके से दर्शकों के सामने लॉन्च किया गया है। इसे पॉपुलैरिटी लिस्ट में जबरदस्त एंट्री मिली है। टीआरपी लिस्ट में भी बेकाबू को काफी पॉजिटिव शुरूआत मिली है। इस वीकेंड ड्रामा को अपने दो एपिसोड के बाद ही 1.3 की रेटिंग मिली है। दूसरी तरफ अंकित गुप्ता म्यूजिकल ड्रामा शो जुनूनियत टीआरपी लिस्ट में हमेशा स्ट्रगल करता ही नजर आया। सोशल मीडिया पर भी ईशा सिंह के साथ अपनी रोमांटिक केमिस्ट्री के लिए लोग शालीन की तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने ट्विटर पर लिखा- बेकाबू का अपना टाइटल सॉन्ग है, जो कि सबसे अच्छी बात है। तो किसी का कहना है कि ईशा सिंह और शालीन ने बेकाबू में काफी अच्छी एक्टिंग की है, अपना बेस्ट दिया है। हालांकि एक सोशल मीडिया यूजर ने जरूर शालीन को अपनी हेयर स्टाइल चेंज करने की सलाह दी। हाल ही में शालीन ने मीडिया के सामने खुलासा किया कि उनकी झोली में कुछ और भी बड़े प्रोजेक्ट्स आए हैं।

अच्छी नींद फिटनेस का महत्वपूर्ण हिस्सा : आदित्य रॉय

-वर्कआउट और पौष्टिक खाना लाइफ स्टाइल के 3 पिलर्स

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्टर आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड के सबसे फिटनेस एक्टर्स में से एक हैं। फिटनेस को लेकर उनका मानना है कि अच्छी नींद फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक्टर ने बताया, इस फिल्म के लिए मुझे अपने फिटनेस को लेकर ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी, क्योंकि फिल्म में मेरा किरदार को फिटनेस से जुड़ा हुआ नहीं दिखाया गया है, इसलिए सामान्य तौर पर मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि मुझे पर्याप्त नींद मिले। अच्छी नींद, वर्कआउट और पौष्टिक खाना लाइफ स्टाइल के तीन पिलर्स है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है, शरीर को अपनी पूरी क्षमता प्राप्त करने के लिए 7-8 घंटे की नींद जरूरी है। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि हर दिन आपको वर्कआउट करते रहना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि आप कुछ समय के लिए एक वर्कआउट करते हैं और फिर लापरवाह हो जाते हैं। कम वर्कआउट करें,लेकिन सुनिश्चित करें कि आप उन्हें नियमित रूप से करें। गुमराह में मृणाल ठाकुर भी हैं। इसमें आदित्य को डबल रोल निभाते हुए नजर आएगे। यह फिल्म 7 अप्रैल को सिनेमाघरों में आने वाली है। बता दें कि बॉलीवुड एक्टर आदित्य रॉय कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म गुमराह को लेकर चचाओं में हैं।

सूडोकु नवताल- 6388

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6387 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्दजाल - 7135

त	स	आ	त्म	ली	न	षा	गु	बा	प	दे
क	अ	अ	त्म	त	अ	ला	र	न	द	जू
आ	स	आ	क	प्र	न	भि	द	नं	जू	व
जी	अ	चा	आ	र	ति	गु	आ	प	दे	न
व	अ	र्य	त	अ	ला	ष्ठा	न	श	म	क
न	आ	चा	र	वा	न	द	शा	च	व	त
वा	अ	सौ	र	जा	ला	गु	आ	प	दे	आ
ह	आ	मो	व	आ	वा	द	ह	यु	व	ग
क	जा	ह	व	प	गो	द	व	प	र	र
र	दी	ब्ब	फा	प	स	श	ह	वि	बा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	आ	गा	ह	र

शब्द जाल में 'आ' से शुरु होने वाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

आत्मलीन, आत्मप्रतिष्ठा, आचारवान, आगोश, आगाह, आनंद, आजीवन, आचार्य, आजादी, आचमन.

शब्दजाल - 7134 का हल

ची	दु	मे	रि	द्रो	णा	चा	र्य	न	प	क
न	यों	शा	प	इं	डो	भी	म	या	ड़	क
अ	ध	जा	स	र	ग	स	द	ह	प	न
जी	न	ल	पा	न	दू	स	न	ह	र्जु	ल
त	या	अ	सौ	न	जा	ला	न्यु	अ	प	दे
आ	यु	इ	मो	व	प	म	क	ह	यु	बां
ग	धि	ल	ह	च	भि	रि	पा	व	प	ग
र	ष्ठ	भा	त्क	अ	प	स	रा	ब्रा	वि	ला
क	र	टो	तें	व	न	क	र्ण	शा	जू	दे
र	घ	ल	प	व	सिं	ल	स	अ	प	श
बां	स	ल	भी	ष्म	पि	ता	मा	ह	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6088

5		1		6		2
4	25	2	32		36	
			6	7		3
	31	3	42		33	
3	2	7		4	5	
	37		35	3	30	
2		6		1		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6087 का हल

5	3	6	4	1	7	2
4	33	2	32	2	28	7
1	5	7	6	4	2	3
6	33	5	42	3	31	6
3	2	4	6	7	5	1
7	27	3	35	5	40	5
2	5	1	3	6	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

रेलवे हॉकी चैम्पियनशिप में भुवनेश्वर विजेता : आरसीएफ कपूरथला को 2-1 से हराकर जीती ट्रॉफी; देश भर से 8 टीमों ने लिया भाग

कपूरथला।
पंजाब के कपूरथला में रेल कोच फैक्टरी के सिंथेटिक टर्फ हॉकी स्टेडियम में हुई 80वीं ऑल इंडिया रेलवे पुरुष हॉकी चैम्पियनशिप ईस्ट कोस्ट रेलवे भुवनेश्वर की टीम ने अपने नाम कर ली है। फाइनल में ईस्ट कोस्ट रेलवे भुवनेश्वर की टीम ने आरसीएफ कपूरथला को 2-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर किया है।

इससे पहले साउथ सेंट्रल रेलवे सिकंदराबाद ने सेंट्रल रेलवे मुंबई को 5-1 से शिकस्त देकर कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। आरसीएफ में इस चैम्पियनशिप की नॉक आउट स्टेज खेली गई और इसमें समस्त रेलवे से आठ टीमों ने भाग लिया। अमित रोहिदास व अन्य कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने इस चैम्पियनशिप में अपने खेल के जौहर दिखाए।

चैम्पियनशिप में मेजबान रेल कोच फैक्टरी कपूरथला सहित ईस्ट कोस्ट रेलवे भुवनेश्वर, साउथ वेस्टर्न रेलवे हुबली, इंटीग्रल कोच फैक्टरी चेन्नई, साउथ सेंट्रल रेलवे सिकंदराबाद, वेस्टर्न रेलवे मुंबई, साउथ ईस्टर्न रेलवे कोलकाता और सेंट्रल रेलवे मुंबई की टीमों ने भाग लिया।

मैच की समाप्ति पर पुरस्कार वितरण समारोह हुआ जिसकी अध्यक्षता आरसीएफ के जीटी अशेष अग्रवाल ने की। श्री अग्रवाल ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि समस्त खिलाड़ियों ने सभी मैचों में बहुत उच्च कोटि के खेल का प्रदर्शन किया।

जीटी ने कहा कि आरसीएफ के लिए सौभाग्य की बात रही कि कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी सहित भारतीय रेल के अनुभवी और नए खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यह आरसीएफ के लिए बहुत खुशी की बात है कि रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की तरफ से बीते कुछ वर्षों से ऑल इंडिया रेलवे पुरुष और महिला हॉकी चैम्पियनशिप रेल कोच फैक्टरी में करवाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि आरसीएफ का सिंथेटिक टर्फ हॉकी स्टेडियम देश के बेहतरीन हॉकी स्टेडियमों में से एक है। यह टूर्नामेंट पहली बार फ्लड लाइट्स की रोशनी में खेला गया है।

इस अवसर पर जीटी के अलावा आरसीएफ महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती सुरभि अग्रवाल, आरसीएफ खेल संघ के अध्यक्ष जीएस हीरा, आनरेरी जनरल सेक्रेटरी आरके वर्मा, सभी वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न यूनियन के सदस्य, विभिन्न खेलों से वर्तमान और भूतपूर्व खिलाडी और भारी गिनती में खेल प्रेमी मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

विंबलडन में खेल सकेंगे रूस और बेलारूस के खिलाड़ी, तीन जुलाई से शुरू होगा टूर्नामेंट

लंदन । रूस और बेलारूस के खिलाड़ी ग्रैंडस्लेम टूर्नामेंट विंबलडन में तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर खेलते दिखाई देंगे। ऑल इंग्लैंड क्लब ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर पिछले साल लगाए प्रतिबंध को हटा दिया है। खिलाड़ियों को शर्तों के साथ टूर्नामेंट खेलने की अनुमति मिली है। वे यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का समर्थन नहीं करेंगे। ऑल इंग्लैंड क्लब ने कहा कि खिलाड़ी अपने देश रूस और बेलारूस से फंड भी नहीं लेंगे। अन्य टेनिस टूर्नामेंटों ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर खेलने की अनुमति दी हुई है। इस साल विंबलडन की शुरुआत तीन जुलाई से होगी। महिला एकल का फाइनल 15 जुलाई और पुरुष एकल का फाइनल 16 जुलाई को होगा। पिछले साल यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर राष्ट्रीय ध्वज, प्रतीकों के इस्तेमाल और राष्ट्रगान गाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। यूक्रेन पर हमला करने में बेलारूस भी रूस की मदद कर रहा है। भारत में हुई आईबीए महिला विश्व चैंपियनशिप में रूस और बेलारूस के मुक्केबाज अपने-अपने देशों के झंडे के साथ खेले थे। अब विंबलडन ओपन में भी दोनों देशों के खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति मिली हुई है।

पीवी सिंधू सेमीफाइनल में पहुंचीं, श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में बाहर

मैड्रिड । दो बार ओलंपिक पदक जीत चुकीं भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंच गईं। पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में हार के साथ बाहर हो गए। सिंधू इस वर्ष पहली बार किसी टूर्नामेंट के अंतिम चार दौर में पहुंचने में सफल रही हैं। पीवी ने डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ड को 21-14, 21-17 से हराया। श्रीकांत को शीर्ष वरीय जापान के केंता निशिमोतो के हाथों 18-21, 15-21 से हार मिली। यह उनकी इस जापानी खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी हार है। दूसरी वरीयता प्राप्त 27 साल की सिंधू चोट के कारण लंबे समय बाद इस साल लौटी हैं और इस साल शुरुआती टूर्नामेंटों के दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सकी थी। पूर्व विश्व चैंपियन ने पहले गेम में पूरे दबदबे के साथ जीत हासिल की। दूसरे गेम में वह पिछड़ रही थी लेकिन 6-12 से वापसी करते हुए सीधे गेमों में मैच जीत लिया। सेमीफाइनल में सिंधू की टक्कर सिंगापुर की गैर वरीय यिओ जिया मिन से होगी।

अनुशासनात्मक पैनल ने मुझ पर लगे नस्लवाद के आरोपों को गलत पाया : वॉन

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि उनपर लगे नस्लवाद के आरोप गलत पाये गये हैं।

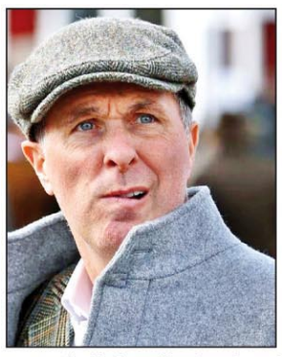

वॉन के अनुसार अनुशासनात्मक जांच पैनल ने नस्लभेद के सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। वॉन पर इससे पहले आरोप लगा था कि उन्होंने साल 2009 में यॉर्कशर टीम के एशियाई मूल के खिलाड़ियों के प्रति नस्लीय टिप्पणी की थी। गौरतलब है कि इंग्लैंड के यॉर्कशर टीम के पूर्व खिलाड़ी अजीम रफीक ने साल 2020 में आरोप लगाया था कि उन्हें दो बार नस्लीय उत्पीड़न और धमकी मिली थीं। रफीक ने जिन लोगों पर आरोप लगाये थे उनमें वॉन का नाम भी शामिल था। इसके बाद से ही वॉन आलोचकों के निशाने पर थे इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन ने एक टी20 मैच के उन्हें और एशियाई मूल के अन्य खिलाड़ियों का टिप्पणी की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था 'आप जैसे लोगों की तादाद काफी बढ़ गई है, हमें इस पर कुछ करने की जरूरत है।

पंजाब किंग्स की जीत से शुरुआत

डीएलएस मैथड से कोलकाता को 7 रन से हराया, अर्शदीप सिंह ने चटकाए 3 विकेट

मोहाली ।
पंजाब किंग्स ने आईपीएल -16 में जीत से शुरुआत की है। टीम ने वर्षा बाधित मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को डकवर्थ-लुइस मैथड के अनुसार 7 रन से हराया। मोहाली के मैदान पर कोलकाता ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 191 रन बनाए। जवाब में कोलकाता ने 16 ओवर में 7 विकेट पर 146 रन बनाए थे कि बारिश आ गई और खेल रोकना पड़ा।

ऐसे गिरे कोलकाता के विकेट

पहला: दूसरे ओवर की पहली बॉल पर अर्शदीप ने मंदीप को सैम करेन के हाथों कैच कराया। दूसरा : दूसरे ओवर की आखिरी बॉल पर अर्शदीप ने अनुकूल रॉय को सिकंदर रजा के हाथों कैच कराया। तीसरा : नाथन एलिस ने गुरबाज को 5वें ओवर की दूसरी बॉल पर बोल्ड कर दिया। चौथा: 10वें ओवर की दूसरी बॉल पर सिकंदर रजा ने नितिश राणा को चाहर के हाथों कैच कराया। पांचवां : 11वें ओवर की पहली बॉल पर राहुल चाहर ने रिंकू सिंह को सिकंदर रजा के हाथों कैच कराया। छठा : 15वें ओवर की 5वीं बॉल पर सैम करेन ने रसेल को सिंकदर रजा के हाथों कैच कराया।

पावर प्ले में पंजाब के गेंदबाजों का दबदबा - 192 रन का टारगेट चेज करने उतरी कोलकाता की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में 46 रन बनाने में तीन विकेट गंवा दिए।

राजपक्षे का अर्धशतक, पंजाब किंग्स ने बनाए 191 रन - मोहाली के मैदान पर टॉस हारकर बैटिंग करते हुए पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 191 रन बनाए। श्रीलंकाई बल्लेबाज भानुका राजपक्षे ने 32 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान शिखर धवन ने 29 बॉल पर 40 रन बनाए। दोनों के बीच 55 गेंदों पर 86 रन की साझेदारी हुई। इससे पहले, ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने 23 रन बनाते हुए टीम को तेज शुरुआत दिलाई। टिम साउदी को दो विकेट मिले। उमेश यादव, सुनील नरेल और वरुण चक्रवर्ती को एक-एक विकेट मिला।

राजपक्षे-धवन के बीच 86 रनों की साझेदारी - श्रीलंकाई बल्लेबाज भानुका राजपक्षे और कप्तान शिखर धवन ने दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की। दोनों ने 55 बॉल पर 86 रन जोड़े। इस साझेदारी ने टीम को पहले झटके से उबारा। पंजाब को 23 रन पर पहला झटका लगा। तब प्रभसिमरन आउट हुए।

पंजाब के नाम रहा पावर प्ले - पहली पारी का पावर प्ले पंजाब के नाम रहा। टीम को ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने तोबड़तोड़ शुरुआत दिलाई। उन्होंने 12 बॉल पर 191.67 के स्ट्राइक रेट से 23 रनों की पारी खेली। बाद में कप्तान धवन और भानुका राजपक्षे ने अच्छे हाथ जमाए। प्रभसिमरन को टिम साउदी ने विकेटकीपर गुरबाज के हाथों कैच कराया। इससे पहले प्रभसिमरन ने साउदी की 5 बॉलों पर 14 रन बनाए।

ऐसे गिरे पंजाब के विकेट...

पहला: दूसरे ओवर की आखिरी बॉल पर टिम साउदी ने प्रभसिमरन सिंह को विकेटकीपर गुरबाज के हाथों कैच कराया। दूसरा : 11वें ओवर की आखिरी बॉल पर उमेश यादव ने राजपक्षे को रिंकू सिंह के हाथों कैच कराया। तीसरा: 14वें ओवर की तीसरी बॉल पर टिम साउदी ने जितेश शर्मा को यादव के हाथों कैच कराया। चौथा: वरुण चक्रवर्ती ने 15वें ओवर की तीसरी बॉल पर शिखर धवन को बोल्ड कर दिया। पांचवां: 18वें ओवर की 5वीं बॉल पर सिकंदर रजा को सुनील नरेन ने नितिश राणा के हाथों कैच कराया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, भानुका राजपक्षे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), सिकंदर रजा, शाहरुख खान, सैम करन, नाथन एलिस, हरप्रीत बराड़, राहुल चाहर, अर्शदीप सिंह ।

इम्पैक्ट प्लेयर्स: ऋषि धवन, अथर्व तायड़े, मैथ्यू शॉर्ट, मोहित राठी, हरप्रीत सिंह भाटिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स: नीतीश राणा (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), मनदीप सिंह, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, शार्दूल ठाकुर, सुनील नरेन, टिम साउदी, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती, अनुकुल रॉय।

इम्पैक्ट प्लेयर्स: सुयश अरोरा, जगदीशन, वेंकटेश अय्यर, डेविड विसे।

महिला मुक्केबाजी टीम के चीफ कोच समेत 16 को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक का पुरस्कार, खेल मंत्री ने किया सम्मानित

नई दिल्ली ।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के स्थापना दिवस पर 16 प्रशिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक का पुरस्कार दिया। यही नहीं खेल मंत्री ने हॉकी खिलाड़ी रानी रामपाल, क्रिकेट कोच गुरचरण सिंह समेत पांच पद्म श्री प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया। विश्व महिला मुक्केबाजी में चार स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के चीफ कोच भास्कर भट्ट समेत 16 प्रशिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक चुने जाने के लिए 50 हजार रुपये का कैश अवार्ड मिला।

स्थापना दिवस पर प्रशिक्षकों के सम्मान में जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। खेल मंत्री ने पद्म श्री बने और पूर्व साई कोच गुरचरण सिंह, रानी रामपाल, दिग्गज एथलीट रहे कैप्टन श्रीराम सिंह, ऊंची कूद में पैरालंपिक का स्वर्ण जीतने वाले टी मरियप्पन, 1998 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता दिवंगत डिंको सिंह को सम्मानित किया। डिंको केलिए उनकी पत्नी बबई देवी ने अवार्ड लिया।

विक्रम चोपड़ा, हरसेन दो वर्ष के लिए चुने गए सर्वश्रेष्ठ कोच - वर्ष 2020-21 के लिए हॉकी टीम के हाई परफॉरमेंस मैनेजर पीयूष कुमार दुबे, पैराएथलेटिक कोच सुनील तंवर, गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में बैडमिंटन कोच केएस हरसेन, शूटिंग कोच दीपक कुमार दुबे, शॉटगन शूटिंग कोच विक्रम चोपड़ा को सर्वश्रेष्ठ कोच का अवार्ड मिला। 2021-22 केलिए मुक्केबाजी कोच भास्कर भट्ट, तीरंदाजी कोच रामअवधेश, तलवारबाजी कोच तुकाराम मेहात्रा, जूडो कोच अमित विज, बैडमिंटन कोच केएस हरसेन, वूशु कोच नागेश और रत्नेश सिंह ठाकुर, जिम्नास्टिक कोच विशाल दीप, शूटिंग कोच विक्रम चोपड़ा, एथलेटिक्स कोच गुरमीत सिंह और पैरा पावरलिफ्टिंग कोच राजेंदर सिंह रहेलू को सर्वश्रेष्ठ कोच का अवार्ड मिला।

केन विलियमसन आईपीएल के पूरे सीजन से बाहर: पहले मुकाबले में चेन्नई के खिलाफ घुटने में लगी थी चोट

नई दिल्ली।

आईपीएल के पहले मुकाबले के बाद ही गुजरात टाइटंस को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार प्लेयर केन विलियमसन घुटने की चोट की वजह से आईपीएल से बाहर हो गए हैं। केन की चोट सीरियस है और वह आगे टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। आईपीएल के पहले मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बाउंड्री लाइन पर कैच लेने की कोशिश में विलियमसन चोटिल हो गए थे। उनके दाएं घुटने में चोट लगी है। दूसरी पारी में चोट के कारण विलियमसन ने बल्लेबाजी भी नहीं की। उनकी जगह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में साई सुदर्शन आए थे।

टीम के प्लेयर उठा कर ड्रेसिंग रूम में ले गए

13वें ओवर की तीसरी बॉल गुजरात के जोशुआ लिटिल ने शॉर्ट पिच फेंकी। चेन्नई के गायकवाड ने शॉट खेला, बॉल मिड-विकेट की ओर गई। बाउंड्री पर खड़े

विलियमसन ने जंप मारकर कैच लेने की कोशिश की। विलियमसन ने छक्का तो नहीं होने दिया, लेकिन अपना घुटना इंजर्ड करा लिया।

फिजियो और टीम के बाकी प्लेयर्स उन्हें मैदान से उठाकर ड्रेसिंग रूम में ले गए। वह मैच में फिर फील्डिंग और बैटिंग करने नहीं उतरे। उनकी जगह गुजरात ने साई सुदर्शन को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में शामिल किया और उन्ही से बैटिंग भी कराई। इस इंजरी के वक्त चेन्नई का स्कोर 120/3 था।

केन विलियमसन के आईपीएल में 18 अर्धशतक

केन विलियमसन ने आईपीएल में 2015 में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने टूर्नामेंट में 77 मैच खेले और 18 अर्धशतक जमाए हैं।

श्रीलंका को 44 साल बाद क्वालिफायर खेलना पड़ेगा: न्यूजीलैंड से तीन मैच की वनडे सीरीज 0-2 से हारा श्रीलंका

हैमिलटन।
तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड से हारने के बाद श्रीलंका का सीधा वर्ल्ड कप खेलने का सपना भी टूट गया। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की वनडे सीरीज को 2-0 से जीत लिया है। हारने के बाद श्रीलंका रैंकिंग में टॉप-8 में आने की रेस से पिछड़ गई है और इस तरह उन्हें अब वर्ल्ड कप के मुख्य टूर्नामेंट में क्वालिफाई करना पड़ेगा। क्वालिफाइंग टूर्नामेंट जिम्बाब्वे में होगा। जहां वो अन्य टीम के साथ क्वालिफाई मुकाबले में नजर आएगी। श्रीलंका के इतिहास में उन्हें आईसीसी द्वारा मान्यता (1981) मिलने के बाद पहली बार क्वालिफाइंग टूर्नामेंट खेलना होगा।

आखिरी बार पूर्व चैम्पियन श्रीलंका को 1979 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप खेलने के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट

खेलेगी।श्रीलंका के कप्तान शनाका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया। हालांकि, श्रीलंका के बल्लेबाजों ने टीम को निराश किया और केवल 157 रन ही बना पाई। श्रीलंका की ओर से पथुम निशंका ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाएं। निशंका के अलावा कोई बल्लेबाज 50 का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने श्रीलंका के 9 विकेट अपने नाम किए। मैट हेनरी, हेनरी सिप्ली और डेरिल मिचेल को 3-3 विकेट मिले।

टारगेट का पीछा करने आई न्यूजीलैंड ने भी 59 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद निकोल्स (44*) और विल यंग (86*) की 100* रन की साझेदारी ने न्यूजीलैंड को 33वें ओवर में जीत दिलाई। बल्लेबाजों ने टीम को निराश किया और केवल 157 रन ही बना पाई। श्रीलंका की ओर से पथुम निशंका ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाएं। निशंका के अलावा कोई बल्लेबाज 50 का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने श्रीलंका के 9 विकेट अपने नाम किए। मैट हेनरी, हेनरी सिप्ली और डेरिल मिचेल को 3-3 विकेट मिले। टारगेट का पीछा करने आई न्यूजीलैंड ने भी 59 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद निकोल्स (44*) और विल यंग (86*) की 100* रन की साझेदारी ने न्यूजीलैंड को 33वें ओवर में जीत दिलाई।

पॉल स्टर्लिंग के तूफान में उड़ी बांग्लादेश

आयरलैंड ने तीसरा टी20 जीतकर किया बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली।

पॉल स्टर्लिंग (77) और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत आयरलैंड ने बड़ा उलटफेर करते हुए बांग्लादेश को तीसरे व अंतिम टी20 इंटरनेशनल मैच 36 गेंदें शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। बांग्लादेश ने चट्टोग्राम में खेले गए पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 19.2 ओवर में 124 रन पर ऑलआउट हुई। जवाब में आयरलैंड ने 14 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया।

आयरलैंड ने मौजूदा बांग्लादेश दौरे पर अपनी पहली जीत दर्ज की। हालांकि तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज बांग्लादेश ने 2-1 से अपने नाम की।

स्टर्लिंग ने खेली तूफानी पारी

125 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड को कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने धमाकेदार शुरुआत दिलाई। हालांकि, दूसरे छोर से उन्हें समर्थन नहीं मिला और रॉस एडेर (7) तास्किन अहमद की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। इसके बाद लॉर्कन टकर (4) को शरीफुल इस्लाम ने लिटन दास के हाथों कैच आउट करा दिया। यहां से स्टर्लिंग ने हैरी टेक्टर (14*) के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी करके टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया।

स्टर्लिंग ने केवल 41 गेंदों में 10 चौके और चार छक्के की मदद से 77 रन बनाए। रिशाद हुसैन ने शांतो के हाथों कैच आउट कराकर स्टर्लिंग की पारी का अंत किया। फिर टेक्टर और कर्टिस कैंफर (16*) ने टीम को जीत दिलाई। बांग्लादेश की तरफ से तास्किन अहमद, शरीफुल इस्लाम और रिशाद हुसैन को एक-एक सफलता मिली।

बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने किया सरेंडर

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ने शमीम हुसैन के अर्धशतक की मदद से 124 रन बनाए। मेजबान टीम की शुरुआत खराब रही। लिटन दास (5) को मार्क एडेर ने डॉकरेल के हाथों कैच आउट कराया। पावरप्ले तक बांग्लादेश ने 41 रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे। शमीम हुसैन एक छोर पर डटकर खेले, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें समर्थन नहीं मिला। बांग्लादेश को नियमित अंतराल में विकेट गंवाना भारी पड़ा और पूरी टीम 19.2 ओवर में 124 रन पर ऑलआउट हुई। आयरलैंड की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज मार्क एडेर रहे, जिन्होंने 25 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रे ने दो विकेट लिए। फियोन हैंड, हैरी टेक्टर, कर्टिस कैंफर, बेन व्हाइट और गारेथ डलानी को एक-एक सफलता मिली। बांग्लादेश और आयरलैंड के बीच 4 अप्रैल से एकमात्र टेस्ट मैच खेला जाएगा।

सलाह

इस कारण से रात में रोता है आपका बच्चा

बच्चे अकसर रोते हैं, हर उम्र में बच्चों का रोना आम बात है। छोटे बच्चों के रोने का कारण हैं कि वे अपनी बात को सही तरह से कह नहीं पाते, जिससे अपनी बात को कहने के लिए रोने का सहारा लेते हैं। बच्चों के रोने का कम्यूनिकेशन से गहरा तल्लुक है। वैसे बच्चे के रोने के और भी कई कारण हो सकते हैं जिसे आपको समझना चाहिए। लेकिन सवाल ये उठता है कि बच्चे रात में क्यों रोते हैं। अचानक बच्चे नींद में उठकर रोना क्यों शुरू कर देते हैं। आपके साथ भी कभी ऐसा अनुभव हुआ होगा आपका बच्चा अचानक नींद से जागकर रोना शुरू कर देता है। आपको बच्चों के सोने के पैटर्न को समझना चाहिए। इतना ही नहीं जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते जाएं आपको उन कारणों को भी जानना चाहिए कि आपके बच्चे के साथ ऐसा क्यों होता है। इतना ही नहीं बच्चे के स्वास्थ्य संबंधी सवालों के जवाब आपको पता होने चाहिए। ज्यादातर बच्चों के साथ ऐसा होता है कि वे नींद से जागकर रोने लगते हैं। ऐसा कई बच्चों के साथ बहुत ज्यादा होता है तो कईयों के साथ बहुत कम। आइए जानें बच्चे रात को क्यों रोते हैं।

बच्चे नींद में क्यों रोते हैं

- जब बच्चा इस दुनिया में जन्म लेता है तो वह अपने अनुभवों से दुनिया को महसूस करने लगता है। नया सीखने की प्रक्रिया में बच्चा चीजों को महसूस करने लगता है जिससे कई बार बच्चे को असहज भी महसूस होता है, नतीजन, बच्चा शुरूआती महीनों में अकसर नींद में असहज महसूस करता है। कई बार नवजात शिशुओं में छिकनें की समस्या होती है तो कई बच्चो के नींद में जगने की।
- कई बार बच्चे के रोने का कारण शारीरिक परेशानियां होती है। इतना ही नहीं कई बार बच्चे के आसपास का तापमान बहुत गर्म या फिर बहुत ठंडा होता है जिससे बच्चे की नींद में खलल पड़ने लगता है और बच्चा नींद से जगकर रोने लगता है।
- कई बार बच्चे के सोने की जगह ठीक नहीं होती यानी बच्चा सोते हुए सहज नहीं होता तो भी बच्चा नींद से जगकर रोने लगता है।
- थोड़े बड़े बच्चे बहुत लंबे समय तक नहीं सो पाते जिससे बच्चों को जल्दी ही भूख भी लग जाती है इसीलिए आधी रात को बच्चों को भूख लग सकती है और बच्चे भूख के कारण रोने लगते हैं। हालांकि कई बार मां के दूध पीने के बाद बच्चा फिर से आराम से सो जाता है, ऐसा स्थिति में ये भी हो सकता है कि बच्चा तुरंत दोबारा ना सोएं।
- कई बार बच्चा बिस्तर गीला कर देता है तो भी बच्चा रोने लगता है तो कई बार ऐसी स्थिति आ जाती है कि बच्चे को नींद में ही पेशाब आता है जिससे वह असहज हो जाता है और नींद में ही जोर-जोर से रोने लगता है। हालांकि ऐसी स्थिति में आप बच्चे के लिए डाइपर का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- बहुत लंबे समय तक या नींद में बच्चे को गीला डाइपर परेशान कर सकता है जिससे बच्चा नींद से उठकर रोने लगता है।
- कई बार बच्चे असुरक्षित या फिर अकेला महसूस करते हैं जिससे अपने आसपास मां को ना पाकर अचानक नींद में रोने लगते हैं।
- कई बार बच्चे को डरावने सपने दिखाई देते हैं जिससे बच्चा अचानक डर जाता है और एकदम नींद से उठकर रोने लगता है।
- इसी तरह के और भी कई कारण है जिससे बच्चा नींद में उठकर अचानक रोने लगता है।

ये छोटे-छोटे टिप्स आपके शरीर से पसीने की बदबू को कर देंगे छूमंतर

गर्मियां आने वाली हैं और हर कोई इस दौरान पसीने की बदबू से परेशान रहता हैं। सिर्फ इतना ही नही कभी-कभी इस पसीने की वजह से हमें कई बार महफिल या ऑफिस में काफी शर्मिंदा भी होना पड़ता हैं। जिस वजह से हम कई तरह के परफ्यूम या डियोड्रेंट का सहारा लेते है लेकिन ये भी ज्यादा समय तक साथ नही देते.ऐसे में ये छोटे-छोटे टिप्स आपके शरीर से पसीने की बदबू को छूमंतर कर देंगे नारियल के तेल में लौरिक एसिड होता हैं जो कि बैक्टिरिया को मारने में बेहद मददगार होता हैं तो वहीं इसके इस्तेमाल से आपकी शरीर से बदबू नहीं आएगी।

दस घरेलू उपाय जो लीवर डिजीज से बचायें

लीवर शुगर, फैट और आयरन के चयापचय में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही यह पित्तरस उत्पन्न करके शरीर में चर्बी को घटाता है। लीवर प्रोटीन तथा रक्त के थक्कों के उत्पादन में भी मदद करता है। इसलिए लीवर का स्वस्थ होना बहुत जरूरी होता है।

लीवर के लिए घरेलू उपाय

मानव पाचन तंत्र में लीवर एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विभिन्न अंगों के कार्यों जिसमें भोजन चयापचय, ऊर्जा भंडारण, विषाक्त पदार्थों को बाहर निकलना, डिटॉक्सीफिकेशन, प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन और रसायनों का उत्पादन शामिल हैं। लेकिन कई चीजें जैसे वायरस, दवाएं, आनुवांशिक रोग और शराब लिवर को नुकसान पहुंचाने लगती है। लेकिन यहां दिये उपायों को अपनाकर आप अपने लीवर को मजबूत और बीमारियों से दूर रख सकते हैं।

हल्दी

हल्दी लीवर के स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए अत्यंत उपयोगी होती है। इसमें एंटीसेप्टिक गुण मौजूद होते है और एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करती है। हल्दी की रोगनिरोधन क्षमता हैपेटाइटिस बी व सी का कारण बनने वाले वायरस को बढ़ने से रोकती है। इसलिए हल्दी को अपने खाने में शामिल करें या रात को सोने से पहले एक गिलास दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर पिएं।

पपीता

पपीता लीवर की बीमारियों के लिए सबसे सुरक्षित प्राकृतिक उपचार में से एक है, विशेष रूप से लीवर सिरोसिस के लिए। हर रोज दो चम्मच पपीता के रस में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पिएं। इस बीमारी से पूरी तरह निजात पाने के लिए इस मिश्रण का सेवन तीन से चार सप्ताहों के लिए करें।

आंवला

आंवला विटामिन सी के सबसे संपन्न स्रोतों में से एक है और इसका सेवन लीवर की कार्यशीलता को बनाये रखने में मदद करता है। अध्ययनों ने साबित किया है कि आंवला में लीवर को सुरक्षित रखने वाले सभी तत्व मौजूद हैं। लीवर के स्वास्थ्य के लिए आपको दिन में 4-5 कच्चे आंवले खाने चाहिए।

मुलेठी

लीवर की बीमारियों के इलाज के लिए मुलेठी का इस्तेमाल कई आयुर्वेदिक औषधियों में किया जाता है। इसके इस्तेमाल के लिए मुलेठी की जड़ का पाउडर बनाकर इसे उबलते पानी में डालें। फिर ठंड़ा होने पर छान लें। इस चाय रुपी पानी को दिन में एक या दो बार पिएं।

पालक और गाजर का रस

पालक और गाजर का रस का मिश्रण लीवर सिरोसिस के लिए काफी लाभदायक घरेलू उपाय है। पालक का रस और गाजर के रस को बराबर भाग में मिलाकर पिएं। लीवर की मरम्मत के लिए इस प्राकृतिक रस को रोजाना कम से कम एक बार जरूर पिएं।

सेब का सिरका

सेब का सिरका, लीवर में मौजूद विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। भोजन से पहले सेब के सिरके को पीने से शरीर की चर्बी घटती है। सेब के सिरके को आप कई तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं- एक गिलास पानी में एक चम्मच सेब का सिरका मिलाएं, या इस मिश्रण में एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रिण को दिन में दो से तीन बार लें।

सिंहपर्णी जड़ की चाय

सिंहपर्णी जड़ की चाय लीवर के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले उपचारों में से एक है। अधिक लाभ पाने के लिए इस चाय को दिन में दो बार पिएं। आप चाहें तो जड़ को पानी में उबाल कर, पानी को छान कर पी सकते हैं। सिंहपर्णी की जड़ का पाउडर बड़ी आसानी से मिल जाएगा।

अलसी के बीज

फीटकोंस्टीटूएंट्स की उपस्थिति के कारण, अलसी के बीज हार्मोन को ब्लड में घूमने से रोकता है और लीवर के तनाव को कम करता है। टोस्ट पर, सलाद में या अनाज के साथ अलसी के बीज को पीसकर इस्तेमाल करने से लिवर के रोगों को दूर रखने में मदद करता है।

सलाह

दांतों को शेप में लाये ब्रेसेस के विकल्प

टेढ़े-मेढ़े दांतों को सीधा करने के लिए या इनके बीच के खाली जगहों को भरने के लिए अगर आप ब्रेसेस पसंद नहीं करते हैं तो कई दूसरे विकल्प भी मौजूद हैं।

ब्रेसेस के विकल्प

बुरा दिखना किसी को पसंद नहीं होता और अच्छे दिखने के लिए हर कोई बहुत से एफर्ट्स लगाता है। अच्छे दिखने में सबसे ज्यादा भूमिका निभाते हैं हमारे दांत, क्योंकि जब हम मुस्कुराते हैं तब पॉजिटिविटी दिखती है। लेकिन जिसके दांत अच्छे न हो तो वह मुस्कुराने में हिचकेगा। ऐसे में उनको सुंदर बनाने किए कई लोग ब्रेसेस का उपयोग करते हैं। लेकिन मैटल के ब्रेसेस का उपयोग करने से कई लोग घबराते हैं। ऐसे में वो लोग ब्रेसेस के अलावा अन्य उपाय भी अपना सकते हैं। इसके दूसरे विकल्पों के बारे में यहां जानें।

रिटेनर्स: इसे किसी भी वक्त दांतों में लगाया जा सकता है और दांतों से निकाला जा सकता है। ये दांतों को सही पोजिशन में लाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। एसिक्स रिटेनर्स पूरी तरह से ट्रांसपैरेंट होता है जो दांतों के ऊपर लगाया जाता है। लेकिन इसका इस्तेमाल तभी संतोषदायक है जब दांत ज्यादा टेढ़े-मेढ़े न हो। ये ज्यादा महंगे नहीं होते और इन्हें पहनना बहुत आसान होता है।

हेडगियर या कैप: अगर आपके दांत ज्यादा खराब हैं और दिखने में बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते तब हेडगियर या कैप का उपयोग किया जाता है। इसका इस्तेमाल दांतों को सही शेप में लाने के लिए किया जाता है। इस क्रिया में ऊपर वाले दातों और मसूड़ों पर प्रेशर दिया जाता है। इसकी सबसे अच्छी बात है कि इसे दिन में कुछ घंटों के लिए ही पहना जाता है। अधिकतर लोग इसे रात में सोते वक्त पहनते हैं। लेकिन एक बात का हमेशा ध्यान रखें की इसे खेलते समय, खाते समय और ब्रश करते समय जरूर उतार दें।

क्लीयर अलाइनर: इनविज़अलाइन जो क्लीयर अलाइनर्स के तौर पर अधिक उपयोग में लाया जाता है। यह ब्रेसेस के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला सबसे लोकप्रिय विकल्प है। इससे किसी भी प्रकार के दांतों को सही किया जा सकता है। इस क्रिया में डेंटिस्ट दांतों के अनुसार एक क्लीयर अलाइनर ट्रे सिरीज़ देते हैं जिसे दांतों के ऊपर लगाया जाता है। प्रत्येक अलाइनर को दिन में बीस घंटे दो हफ्ते तक के लिए पहनना जरूरी है। दो हफ्ते के बाद दूसरी ट्रे उपोयग में लाई जाती है। यह क्रिया सिरीज़ के खत्म होने तक अपनाई जाती है।

विनियर: विनियर पोर्सिलिन की पानी जैसी पतली परत होती है, जो दांतो के ऊपर लगा दी जाती है। दांत का नाप लेकर लैब में पोर्सिलिन या सिरेमिक की परत तैयार की जाती है। इसको दांतों में फिट करने से पहले दांतों के ऊपर से एनामल की एक परत हटा दी जाती है। दांतों के बीच की खाली जगह को भरने के लिए उपयोग में लाया जाता है और ये पांच साल तक कारगर होते हैं। पांच साल के बाद आपको इसे दोबारा लेने की जरूरत होगी।

बॉन्डिंग: अगर दांत पीछे हैं तो उन्हें आगे लाने के लिए, अगर दांत बाहर निकले हैं तो उन्हें पीछे ले जाने के लिए या टूटे-फूटे दांतो को शेप में लाने के लिए दांतों की बॉन्डिंग का इस्तेमाल भी किया जाता है। अगर कोई दांत पीछे है तो उसकी बॉन्डिंग कर एक लाइन में लाया जाता है। टूटे-फूटे दांतों को शेप में लाने के लिए दांत के रंग की कंपोजिट फीलिंग को दांत के ऊपर लगाया जाता है। यह सब विकल्पों में सबसे आसान और सस्ता विकल्प है।

किचन की बदबू को इस तरह करें दूर

रसोई की साफ-सफाई का खास ध्यान रखना पड़ता है। अगर किचन ही साफ नहीं होगी तो घर के सदस्यों की सेहत पर भी इसका बुरा असर पड़ेगा। खाना बनाने के बाद रसोई में कुछ चीजों की महक रह जाती है,जिससे कुछ देर बाद बदबू आनी शुरू हो जाती है। इस बदबू से जी भी मचलाने लगता है। इस तरह की गंध को दूर भगाने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खों की भी मदद ले सकते हैं।

1. संतरे के छिलके का इस्तेमाल : सब्जी बनाने के बाद अगर रसोई से गंध आ रही है तो एक बाउल में 1 कप पानी डालकर इसमें संतरे के छिलके,1 इलायची और थोड़ी सी दालचीनी डालकर उबाल दें। इसके बाद इस पानी को 2 मिनट के लिए उबाल लें। इससे बदबू दूर हो जाएगी।

2. शूगर सोप: रसोई में सी फूड बनाने के बाद इसकी बदबू हाथों और किचन से जल्दी नहीं जाती। सी फूड बनाने के बाद किचन में शूगर सोप रख दें और हाथ भी इसी से धोएं।

3. सिरका : सिरका घर में हर तरह की बदबू को दूर करता है। रोजाना पानी में थोडा सा सिरका मिलाकर इससे पोछा लगाने से बदबू दूर भाग जाती है।

4. बेकिंग सोड़ा : जलने की दुर्गंध आने लगे तो इसके लिए बेकिंग सोड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। खाना बनाने वाली जगह पर थोड़ा-सा बेकिंग सोड़ा छिड़क दें।

5. नींबू पानी : फ्रिज की बदबू को दूर करने के लिए नींबू पानी से भरा कटोरा रख दें। इसे किचन में रखने से भी बदबू भाग जाती है।

परिवार को जोड़ती है डाइनिंग टेबल, साथ बैठ कर तो देखें

परिवार चाहे संयुक्त हो या एकल, परिवार के सभी सदस्यों का डाइनिंग टेबल पर मिल बैठ कर भोजन करने का अलग ही आनंद होता है। डाइनिंग टेबल आज पारिवारिक जीवन में आवश्यक व उपयोगी वस्तु बन गई है। आज के भागदौड़ भरे जीवन में सुख-दुख, प्यार-मुहब्बत या फिर शिकवे-शिकायत करने का स्थल डाइनिंग टेबल ही रह गई है।

सहभोज से परिजनों के बीच खुल कर बातें होने व हल्का-फुल्का हंसी-मजाक करने से मन हलका होता है। आपसी विश्वास बढ़ता है। एक दूसरे से सलाह-मशविरा करने से उलझनें व समस्याएं दूर होती हैं। इतना ही नहीं तनाव, मनमुटाव और असंतोष की स्थिति भी उत्पन्न नहीं होती।

डाइनिंग टेबल पारिवारिक जीवन को जोड़ने का माध्यम है। अलग-अलग बैठकर खाने से संबंधों में दूरी पैदा होती है। इससे परिवार बंटता है जबकि साथ खाने से एक दूसरे की रूचि का पता चलता है। भोजन के बाद सबको खाने की संतुष्टि प्राप्त होती है उस सुखानुभूति का प्रभाव पाचन क्रिया पर पड़ता है जिससे भोजन सुपाच्य बन जाता है।

डाइनिंग टेबल व्यवस्थित व सुविधाजनक स्थान पर होनी चाहिए। रसोई के पास हो तो ज्यादा ठीक होगा इससे ऊर्जा, शक्ति व ताजगी बनी रहेगी। सजावट ऐसी होनी चाहिए कि खाने वालों की भूख को और बढ़ा दे। अगर परोसने वाले बरतन कलात्मक, चमकदार और करीने से सजाए गए हों, फूलदान पास रखा हो तो फिर कहना ही क्या। इससे मन-मस्तिष्क को कितना सुकून मिलेगा इसका अनुमान लगाया जा सकता है। सहभोज का परिवार के सदस्यों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। एक दूसरे की अच्छाइयां, कमजोरियां बातों ही बातों में उजागर हो जाती हैं तथा मन की पीड़ा व्यक्त करने से निराशा, कुंठा, अवसाद, एकाकीपन जैसी मानसिक समस्याओं की गुंजाइश पैदा नहीं हो पाती है क्योंकि मनमस्तिष्क से खुलेपन में बातचीत होती है। दूरियों को नजदीकियों में बदलने से वैचारिक स्वतंत्रता का एहसास होता है। डाइनिंग टेबल को मात्र काठ, प्लास्टिक, लोहे, बेंत का मूकाकार नहीं मानना चाहिए। इसमें तो पारिवारिक जीवन की धड़कन बसी होती है। परस्पर विश्वास, स्नेह, ममता, सहयोग, समानता आदि के मोती डाइनिंग टेबल पर जड़े होते हैं।

वर्कआउट से पहले और बाद में कैसा हो आपका डाइट प्लान!

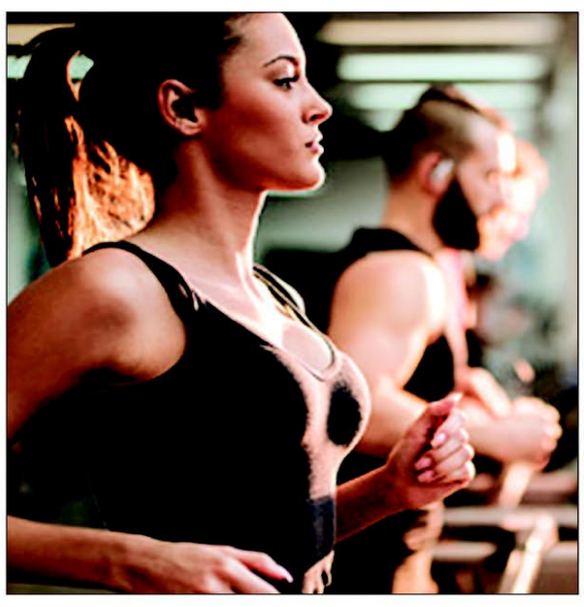

फिट रहने के लिए वर्कआउट के साथ-साथ अच्छी डाइट का होना बहुत जरूरी है। इसमें थोड़ी सी लापरवाही आपकी फिटनेस को और खराब कर सकती है, यहां तक कि आपको कई तरह की शारीरिक समस्या और कमजोरी का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि डाइट के पीछे कई तथ्यात्मक राज छिपे होते हैं। जो वर्कआउट करने वालों को फिट बनाते हैं। तो अगर आप भी जिम या किसी तरह का वर्कआउट करते हैं तो आज ही आप अपना डाइट प्लान तैयार कीजिए। इस लेख के माध्यम से हम आपको बताएंगे कि वर्कआउट से पहले और बाद में कैसा डाइट प्लान होना चाहिए।

वर्कआउट में क्यों जरूरी है डाइट

दरअसल, वर्कआउट से पहले और बाद की डाइट आपके दूसरे खानों की जगह ले लेता है, क्योंकि इसे खाने का एक विशेष कारण है। यह आपके वर्कआउट को प्रभावित करते हैं। वर्कआउट से पहले का खाना हमें यह भरोसा दिलाता है कि हमारे अंदर व्यायाम करने की पूरी एनर्जी है। साथ ही, परफॉर्मेंस बढ़ाने में भी मदद करता है। वहीं वर्कआउट के बाद का खाना सेहत के अनुकूल काम करता है। इन दोनों ही मील को सही तरीके से लिया जाए, तो स्वस्थ रहने का आधा खेल आप जीत जाएंगें। रोज ली जाने कैलोरी में ही काउंट होती है।

वर्कआउट से पहले

अगर आपके पास वर्कआउट से पहले एक घंटा और 30 मिनट हैं, तो आप कुछ प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और थोड़ा-सा फैट ले सकते हैं। सुबह के समय वर्कआउट कर रहे हैं, तो स्मूथी और कुछ हल्का ट्राई करें। आज सुबह में मैंने वर्कआउट से पहले एक कप दूध, थोड़े से बादाम, एक केला और एक सेब लिया। अगर मैं वर्कआउट से पहले सुस्ती महसूस कर रही हूं, तो इसमें एसप्रेसो मेरी मदद कर सकती है। जो कि रक्त में से वसा कोशिकाओं को निकालने में मदद करता है और ज़ोरदार वर्कआउट की क्षमता को बढ़ाता है। इसलिए वर्कआउट से पहले लेने के लिए बेस्ट है।

वर्कआउट के बाद

वर्कआउट के बाद प्रोटीन शेक ले सकते हैं। वर्कआउट के बाद खाने में बस पेय पदार्थ ही शामिल करते हैं। इनका लाभ यह होता है यह आसानी से पच जाते हैं। कि शेक को छोड़कर आप घर जाकर ही खा सकते हैं। कुछ लोग ऐसे में उच्च ग्लाइसमिक खाद्य पदार्थों को शामिल करते हैं, चिकन और चावल, भुनी फिश, आलू और हरी सब्जियां खाना पसंद करते हैं।

रेसिपी

भरवां बैगन

सामग्री

बैगन - 250 ग्राम, नमक - स्वादानुसार (3/4 छोटी चम्मच), हल्दी पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- एक चौथाई छोटी चम्मच, गरम मसाला पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, धनियां पाउडर - 1 1/2 छोटी चम्मच, सौंफ पाउडर-2 छोटे चम्मच, अमचूर पाउडर - आधा छोटा चम्मच, हरी मिच- 2 (बारीक कतरी हुई), अदरक- 1 इंच लम्बा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ), तेल-2 बड़े चम्मच, हींग -एक पिंच, जीरा एक चौथाई छोटी चम्मच, आल- 2 , हरा धनियां - एक बड़ा चम्मच

विधि

आलू छील कर पानी में डाल कर रख लीजिये. बैगन को अच्छी तरह पानी से धो लीजिये। एक प्लेट में नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला पाउडर, धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर, अमचूर पाउडर, हरी मिर्च और अदरक सभी को अच्छी तरह मिला लीजिये. बैगन में मसाला भरने के लिये तैयार है। बैगन के डंठल निकाल कर, डंठल की ओर से 2 कट इस तरह लगाइये कि निचला भाग जुड़ा रहे. मसाला चम्मच की सहायता से कटे हुये बैगन में भर लीजिये। कढाई में तेल डालकर गरम कीजिये. गरम तेल में हींग और जीरा डाल दीजिये. जीरा भुनने के बाद, बैगन एक एक करके तेल में लगा दीजिये. ढककर धीमी गैस पर 8-10 मिनिट पकने दीजिये। अगर आप बैगन में आलू डाल रहे हैं, तो आलू को काट लीजिये. जीरा भुनने के बाद आलू और थोड़ा सा नमक (स्वादानुसार) कढ़ाई में डालिये. 3-4 मिनिट तक आलूओं को चमचे से चला कर भूनिये. चमचे की सहायता से आलू को किनारे से लगा दें और मसाले भरे बैगन बैगन एक एक करके बीच में लगा दीजिये। सब्जी को ढककर धीमी गैस पर 8-10 मिनिट तक पकने दीजिये. सब्जी को खोलें और चिमटे की सहायता से बैगन को पलट दीजिये। सब्जी को ढकिये और फिर से 5-6 मिनिट तक पकने दीजिये. अब सब्जी को खोलिये और देखिये कि यदि बीच में रखे बैगन सिक गये हैं, तो उन्हें किनारे से कर दीजिये, और किनारे रखे हुये बैगन कढ़ाई के बीच में लगा दीजिये। सब्जी को प्याले में निकाल लीजिये. हरा धनियां डाल कर सजाइये. भरवां बैगन, परांठे, चपाती या चावल किसी के साथ परोसिये और खाइये।

गुजराती चटपटी भाकरवड़ी

साम्रगी

मैदा 1 कप, बेसन 1/4 कप
सूखा नारियल 1/4 कप
तिल 1/4 कप, लाल मिर्च पाऊडर 3 चम्मच
नमक स्वादनुसार, तेल

विधि

सबसे पहले मैदा में नमक और 1 चम्मच तेल डालकर गर्म पानी से आटा गूंथ लें और इसे तीन घंटे के लिए ढंक कर रख दें। अब एक अन्य कटोरे में सूखा नारियल, लाल मिर्च पाऊडर, तिल और नमक डाल लें। इन सारे मिश्रण को अच्छी तरह आपस में मिल ा लें। गूंथे हुए आटे की बड़ी और मोटी आकार में रोटी बेल लें। अब रोटी के ऊपर पहले से बनाया गया बेसन का मिश्रण डाल दें। रोटी को गोल करके रोल कर लें। रोटी को लपेट कर 10 मिनट के लिए साइड में रख दें। अब रोटी को तेल में डिप फ्राई कर लें। तलने के बाद इसे अपने मनपंसद आकार में काट लें। आपके गुजराती भाकरवड़ी तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**